: : केवल कथा : :

अणदाजन बाइबल अध्ययन,
मौखिक भौली
चर्चा के जरिए पवित्र ाास्त्र खोजणा
ध्यान धरकै सुणणा अर जवाब देणा

2006 परमे वर की कहाणी परियोजना
यू काम तेज्जी तै चाल रहया सै

गर इस लेख का आप अनुवाद करणा चाहो सो तै हमनै बतावैं। अनुवाद की इजाजत देणे अर यू सुनिश्चित करणे मैं के आपके धोरै समतै नवा अनुवाद सै अर आप गेल्यां काम करण मैं हमने घणी खु ी होवैगी।

द्वारा :

डोरोथी ए. मिल्लर
प्रबन्ध संचालक

“केवल–कथा (एस.टी.एस.)
विशय सूची :

भाग–1
केवल कथा का हृदय

1. बाइबल के खजाने के सै ?
2. केवल कथा : छोटटा उपरी अवलोकन (निरीक्षण)
3. नातान के उदाहरण का पालन ।
4. क्यूकर – “केवल–कथा” के
    अ) हून्नर 1 : क्यूकर त्यारी करैं अर अपणी कथा सुणावैं ?
    ब) हून्नर 2 : क्यूकर अपणी कथा मैं खजाने खोज्जैं ?
    स) हून्नर 3 : अपणे सवाल क्यूकर बणावैं ?
5. पे ाक ा भाग एक : कथा तीन बार सुणाणा।
6. पे ाक ा भाग दो :
    अ) खजाने की खोज, आत्मिक, निरीक्षण, अवलोकन खोजणा अर लगाणा।
    ब) प्र न बणाण तै आत्मिक अवलोकन के प्रका ान नै बुलाणा।
    स) प्र न बणाण तै आत्मिक काम का प्रका ान बुलाणा
7. चर्चा की अगुवाई करण नै सामान्य इ ारा –

भाग 2
हृदय (मन) तै अप्पर : चुनौती अर गैहरी खौज।

8. क्यूँ अर क्यूकर ”केवल कथा“ का इस्तेमाल करैं ?
9. हात्थी खोजणा : सच्चाई का पालन करणा।
10. नमूना कथा तै यात्रा : प्र न बणावण पै विवरण
11. साहीके कांटयाँह ने काहडणाः मौखिक रणनितियां नै अपणावण मैं संघर्श।
12. केवल कथा अभ्यास करण आल्याँह अर सिखावण आलयाँह का श्रेणीकरण।
13. अणपढ़ाँह खातर “केवल कथा”
14. केवल कथा सिख्खण के तरीके।
15. अभ्यास करण आलयाँह खातर परखण आला फार्म।

(इ ारा.............. पेज 6, 28, 31 अर 33 केवल कथा के केन्द्र का वर्णन करैं सैं)

इस हाथ तै लिख्खी होड़ किताब मैं आऐ धर्म ाास्त्र के सन्दर्भ देख्खण खातर खुद नै आजाद समझै। गर बाइबल के

अलग–2 अनुवाद भिन्नता दिखावै सै, वे कथा का मतलब बदल सकै सै।

कथा का अध्ययन खुद करैं अर परमे वर की ओड़ देख्खैं के

आपनै कथा सुणावण मैं पक्का नि चय मिल सकै।

:अभ्यास–1:

केवल कथा (एस.टी.एस)

"परमे वर की ओड़ तै कति गंभीर सच्च बाइबल की आसान कथा मैं बसे होड़ सैं"

डी0एम (डोरोथीमिल्लर)

परमे वर का वचन हमनै सावधान करैं सैं के म्हारे मन उस सीधाई अर पवित्रता तै जो मसीह गेल्यां होणी चाहिए, किते भ्रश्ट ना करे जां। 2 कुरिन्थियाँ 11:3

परमे वर नै बाईबल इस रूप मैं लिख्खी सै :

व्याख्या	:	**10**
कविता अर	:	**15**
कथा	:	**75**

केवल कथा बाईबल की जाणकारी के पे ाकरण आल्यॉंह नै उत्साहित करैं सै के कथाओं का उपयोग उसे तरियां करैं जिसा परमे वर नै दिया सै, पूरी कथा क रूप मैं। एस.टी.एस. "केवल कथा" खातर बाइबल कथा लिखण की जरूरत नहीं सैं। कथा तै– बाइबल की कोई भी कथा सैं। कथा नै क्यूकर रूचिकर अर बिना चुक्के बताणा अर एस.टी.एस. के उपयोग तै सिखाणा ही इस लेख मैं भाामिल सैं। माणसॉंह यू कौ ाल विकसित करण मैं हैड्स–ऑन "केवल कथा" कार्य ााला मदद करैं सैं।

:: यी ू का नमून्ना:: कथा बतावैं, प्र न पूच्छैं

यी ू नै किसे उपदे ा दिए? 183 बखतों पै, जद यी ु तै प्र न पुच्छे गऐ, उसनै उन्हमैं तै सिर्फ तीन बै ही सीधे जवाब दिए।

दूसरे सारे बखतां पै यी ु नै सवाल बुझ कै या एक कथा या दृश्टांत सुणा कै जवाब दिया। इस गेल्यां ही के यी ु नै सिर्फ कथा सुणाई अर चाल पड़े? नहीं। आम तौर तै कथा सुणाण के बाद, उसनै बुझया अर चर्चा खातर स्वागत करया। एस.टी.एस0 "सिर्फ कथा" मैं भाग लेण आले न्यू भी सिख्खैं सै के क्यूकर आत्मिक सूचना (खजाने) खौज्जैं जो कथा मै सैं, अर फेर

सिख्खै के चर्चा मैं क्यूकर प्र न बणावैं अर इसे सवाल बुज्झैं जो सुणण आल्याँह की उन्ह खजान्याँह ताहीं अगुवाई करैं।

जो कोए भी माणस इन्ह मार्गद निनांह का पालन करैं सैं या ये हुन्नर एस.टी.एस. कार्य ाला मैं सिख्खैं सै वो एक प्रभाव ाली अभ्यास कर्ता हो सकैं सैं। परमे वर अपणे वचनां नै आि ाश दे जद अभ्यासकर्ता उन्हका अभ्यास करैं। ध्यान देवैः अभ्यासकर्ता “सिर्फ कथा” के झण्डे तलै दुसरेयाँह नै ि ाक्षा देण खातर प्रमाणित नहीं सैं। क्यूके एस.टी.एस. के आ चर्यजनक परिणाम देख कै म्हारी इच्छा सैं के दुनिया भर मैं ओर घणे सिखावण आल्याँह नै प्रमाणित करैं। प्रमाणित ि ाक्षक ना सिर्फ माहिर अनुभवी अभ्यासकर्ता होवैं सै पर वे न्यू भी जाणैं सैं के क्यूकर नवे माणसिंह नै ठीक अर सही रूप तै ि ाक्षा दें।

बाईबल के खजाने के सै? राह

एक बखत एक माणस था जो अपणा गाम छोड़ कै काम करण भाहर गया। कई बरसा तै वो भाहर मैं ऐ रहया। इस माणस नै घणा धन कमाया। आख्खर मैं वो अपणे घरां वापस आया जित हर एक नै एक महान दोस्त के रूप मैं उसका स्वागत करया। इस नवे धनी माणस नै चाहया के वो अपणे धन का कुछ हिस्सा अपणे सच्चे दोस्तां नै भेंट देवण मैं खर्च करै। वो एक दिन खातर गाम तै चाल्या गया अर फेर कै वापस आया। फेर उसनै वो हर एक माणस कटठा करया जो उसनै कैह रहया था के मैं तेरा दोस्त सूं , अर उसनै उन्ह समतै कहया के वे उसतै पहाड़ के दुसरी ओड़ मिलै।

धनी माणस नै वे लोग जो आऐ थे कटठे करे अर फेर या घोशणा करी। उसनै कहया के मैं उस राह पै काम करण लाग रहया था जो नैहर की आड़े जावै सैं गर तम्ह उस राह पै चाल्लोगे तै तम्हनै कुछ खजाने मिल्लैंहगे इब तम्ह जाओ। अपणी खातर मेरी भेंट खोज्जो।

इसलिए वे माणस गए अर उस राह पै चलणा भुारू करया। कुछ माणस थोड़ीए दूर चाल्ले, अर उन्हाँ ने कहया “हुम्म”। “यू एक रौचक राह सै। आओ हम इसमें देख्खैं”। न्यू वे तलै झुके अर राह तै कुछ रेत ठाई अर उसनै जाच्चण नै अपणे घरां लेगे। दुसरे माणस नैहर की आड़े जाण आली राह पै भाग्गे। जद वे राह के आख्खर मैं पहोंचे तै उन्हानै ि ाकायत करी, “हम इस राह नै आच्छी तरियां जाणैं सैं। याहड़ै कुछ भी नवा नहीं सैं। हमनै याहड़ै कोए भी खजाना ना देख्या।

बाक्की के माणसाँह नै उस पैहचाण आली राह पै चलणा जारी राख्खा। ज्यूकर वे सभ साथ–2 चाल्ले थे उन्हानै आपस मैं बात करणा भुारू करया। वे न्यू कैहण लाग्गे के इस पुराणे गिरे होड़ पेड़ ने देख्खो। म्हारे दोस्त नै यू राह तै हटा दिया के हम आच्छी तरियां चाल सकैं। “दुसरे चलण आल्याँह नै पाया के कंटीली झाड़ी काटटी गई के राह सुरक्षित बण ज्याह।”

उपहार नै देख्खण खातर राह पै दौड़ण की बजाय, इन्ह माणसांह नै राह पै और आस्तै–2 चलणा भाुरू करया। वे उन्ह परिणामांह का आनन्द चाह रहे थे जो उन्हके धनी दोस्त नै मेहनत करकै उन्ह खातर करया था। उन्हानै न्यू पैहचाणया खुद राह पै उन्हके दोस्त की ओड़ तै उपहार सैं।
अचानक एक चाल्लण आला रूकया, अर बाकी माणसांह नै देख कै पुकारया। "राह के किनारै याहड़ै देख्खो, इस झाड़ी के तलै। हुड़ैं चावल के बोरे सैं।
फेर एक दुसरे नै पुकारया, "याहडै देख्खो, राह के किनारै झाड़ियांह के तलै। मन्नै खाणा पकावण के बहोत घणे बिलकुल नवे कास्सण मिले सैं"।
बार–2 आहस्तै चाल्लण आल्यांह नै राह के किनारै छिपे खजाने की खोज जारी राख्खी। उन्हानै सोच्चया के ये सारे उपहार उन्ह खातर उन्हके धनी दोस्त नै धर राख्खे सैं। इस धनी माणस नै मालूम था के उसके धनी दोस्त उसपै भरोसा राख्खैंहगे अर उसकी राह की सराहना करैंहगे, अर वे ही हावैंहगे जो उपहार खोज्जैहगे, जो उसनै उन्ह खातर धरे सैं।
वे जो उस राह पै तेज्जी तै दौडे जो धनी नै प्रेम तै तैयार करे थे उन्हँाने सारे खजान्ने खो दिए। वे इतणी आहस्ते नहीं चाल्ले के राह की या राह बणावण आले की सराहना करते। (जिन्हँानै राह की रेत की जाँच करण का फैसंला करया वे इब तांही जाँच ही करते रहे। उन्हानै इब ताहीं भी राह पै यात्रा ना करी)

बाईबल की हर कथा म्हारी खातर तैयार करी होड़ एक राह सै। वे जो बाईबल की कथा की इस राह पै आहस्तै चाल्लैंगे, छुपे खजाने नै खोज पावैंहगे जो परमे वर की ओड़ तै उन्ह खातर सच्चा उपहार सैं यूहे हम "सिर्फ कथा" मैं करैं सै।

अध्याय–2

केवल कथा, छोटटी ऊपरी जाँच

तैयारी – एस.टी.एस. "केवल कथा" कौ ाल मैं एक बाईबल कथा आसानी तै सिखणा अर उसके आत्मिक खजाने नै खोजणा भाामिल सै। इसके बाद एस.टी.एस के मार्गद र्ान के आधार पै प्र न बणाणा।

पे ाक ा

एक, दो भाग आली ि ाक्षा स्थान लेवै सैः पैहलयाँ कथा बताणा, फेर दुसरे खजान्ने खोजणा।
भाग एकः कथा तीन बै पे ा करी जावै से। ताकि विशयों तै आच्छी तरियां परिचय हो ज्याह। कथा पे ा करण मैं हुन्नर की जरूरत पड़ै सैः कु ालता की भी जरूरत सै के कथा ठीक तरियां सुणावैं, भाग लेण आल्याँह नैं उत्साहित करैं अर कथा की सामग्री नै हट कै रौचक ढंग तै जाँच सकैं।

1. कैहणा : कथा कैहण आला कथा कैहवै सैं। (पैहली बार कैहणा सुणण आल्यांह नै कथा का दृ य स्वरूप देवै सैं अर वे उसके प्रभाव नै महसूस करे सैं।

2. भाग लेण आले/स्वयं सेवकः कथा कैहण आला स्वयं सेवक नै फेर के कथा दोहरावण नै कैहवै सैं (सुणण आले उन्हके साथियांह द्वारा कथा दोहरावण पै ध्यान देवैं सैं के वे गर उसनै सही पावैं सै जो सुणण आल्यां की यादास्त मैं छाप छोड़डैं सै।

3. अगुवाई : कथा कैहण आला हर एक कथा सुणण आले नै तीसरी बै कथा फेर के दोहरावण नै कैहगा (इस आखरी दोहरावण मैं कथा कैहण आला याद करण मैं हर एक की सूचिबद्ध मदद करै सै अर एक बै फेर कथा सुणा कै हर एक की अगुवाई करै सैं।

भाग–2 कथा कैहण आला, कथा सुणण आल्याँह की अगुवाई कथा के आत्मिक अवलोकन खातर करै सै। (इसा जद होवै सै जद कथा सुणण आल्यांह नै एक बै कथा के चरित्र/पात्रांह पै ध्यान देवण नै कहया जावै सै) फेर प्र नों के जवाब में सुणण आले बतावैं सै के परमे वर नै इस कथा के माणसाँह के जीवन मे क्यूकर काम करे सै? इसके बारे मैं उन्हानैं के सिखावै सैं ?

1. दुसरे सवालां का उपयोग सुणण आल्यांह की अगुवाई खातर करया जावै सैं के आत्मिक काम के लाग्गूकरण नै खोज्जैं अर बॉंटटैं। (ये जाँच पै आधारित आत्मिक सच सैं जिसा वे आज के माणसांह पै लाग्गू होवै सैं)

इ ारा : ध्यान देवै के कहाणी सुणाण आला भारू तै पाँच बै (भाग एक अर दो मैं) कहाणी सुणावै सैं। हालांकि भाग दो मैं कहाणी दोहरावण की जरूरत कोन्या। सिर्फ सवाल बुझे जावैं सैं, पर कहाणी सुणावण आला कहाणी का इसा छोटा भाग दोहरावैगा जिसतै सवाल सम्बन्धित सैं।

अध्याय – 3

कहाणी की भाक्ति–नातान के उदाहरण का पालन

2. भामुएल 12:1–14 मैं परमे वर हमनै आत्मिक सच बतावण का एक सिद्धांत देवै सैं। राजा दाऊद नै व्याभिचार करकै साफ तौर तै पाप करया अर फेर अपणी सेना के मुखिया तै एक औरत के पति की हत्या का हुक्म दिया। इसके बाद दाऊद नै यू पाप छिपावण की कोि ा ा करी। नातान भविश्यवक्ता दाऊद धोरै आया अर एक कहाणी सुणाई कहाणी दो माणसांह के बारे मैं थी, एक तै धनी अर एक गरीब।

घणे धनी माणस धोरै चौपाए अर धणी भेड़े थी। एक दिन बाद धन माणस के घरां समागम होगा उसनै उस गरीब माणस की भड़े चुरा ली। अर मार कै अपणे मेहमान्नां आग्गै खाणे मैं परोसी।

जद दाऊद नै नातान की कथा सुणी, दाऊद घणा छौह मै आया। बाइबल की इस कथा मैं दाऊद नै नातान तै कहया यहोत्वा के जीवन की सौंह जिस माणस नै इसा करया सै वो प्राण दण्ड का भागी सै। अर उसनै उस भेड़ की बच्ची का चौगुणा भरणा होगा क्यूके उसनै इसा भूण्डा काम करया अर कुछ दया ना करी। फेर नातान ने दाऊद तै कहया के “तूहे वो माणस सै”।

नातान की कथा सुणण तै पैहल्यां, के दाऊद जाणै था के उसनै पाप करया सै? के दाऊद नै पाप स्वीकार करया था? सही उसनै अपणे पाप का साम्हणा नहीं करया था। आम तौर पै आप परमे वर के एक नबी तै व्याभिचार अर हत्या के बारे मै कुणसा उपदे ा सुणण की चाह राख्खोगे? नातान नबी नै किस तरियां के उपदे ा का इस्तेमाल करया? सही, दाऊद का साम्हणा करण के बजाय नातान नै एक कथा सुणाई।

ध्यान देवैं—याहड़े के होया। दाऊद नै के जवाब दिया? हाँ। दाऊद नै धनी माणस का सही फैंसला करया के वोहे दोशी से अर याहड़े ताहीं कहया के उस धनी नै किस तरियां का बदला देणा चाहिए? अर वो किस लायक सै? सही। एक के बदले मैं चार मेमणे अर माणस नै मौत की सजा। दाऊद कथा नै महसूस कर रहया था, धनी माणस का पाप देखा अर फेर एक धार्मिक आत्मिक जांच करी। जद दाऊद नै मुह तै अंगीकार करया के—के सही सै, नातान दाऊद ने कथा मैं ले गया अर दाऊद पै एक जवाबदारी थौंप्पी "तू ही वो माणस सै दाऊद"। नातान नै कुछ ओर विवरण जोड़े के क्यूकर दाउद नै परमे वर के विरोध मै पाप करया अर फेर दाऊद नै नातान तै कहया "मन्नै परमे वर के विरोध में पाप करया सै।" बाद मैं हम उस कथा मै देख्खैं सै के मौत की सजा (जिसा दाऊद नै नातान तै कहया था के धनी माणस पै सजा आवैगी) इसकी बजाय सजा दाऊद के खुद के घराने पै आई।

या बाइबल कथा "केवल कथा" की एक खास खुबी इसके केन्द्रीय भाग नै दिखावै सै। बाइबल कथा सुनकै अर महसूस करकै माणस सक्षम होत्ते दिख्खैं सैं के वे भीतरी तौर तै इसपै चर्चा करैं। कथा के भीतर झांक्कण तै वे उन्हके बारे मै जो कथा मै सै आत्मिक सुचना अर मौखिक अंगीकार खोज्जै सै।

हम सब खोज नै आत्मिक जाच कैंह सै। सुणण आले जद कथा चरित्रों के बारे देख्खैं सै अर तेज आवाज तै बतावैं से उस बखत कथा वाचक उन्ह सुणण आल्यांह नै बुलावैं सै के वे इस कहाणी मैं व्यक्तिगत रूप तै प्रवे ा करैं। जद सुणण आले रोचक रूप तै चर्चा करैं सै तै अक्सर पवित्रात्मा उन्हतै बात करै सैं। वो पैल्यांह ही लोगां नै उत्साहित करै सै के वे उसनै महसूस करै। एस.टी. एस. मैं इन्ह सच्चाईयां नै हम आत्मिक जीवन मै लाग्गू करण आले काम कैंह सै।

अभ्यास—4

"केवल कथा" के क्यूकर

एस.टी.एस. "केवल कथा" भौली के इस्तेमाल करण खातर तीन तरियां के हुन्नर की जरूरत पडै सै :

1. **कथा नै क्यूकर आच्छी तरियां तैयार करकै बतावैं ?**
2. **कथा मैं खजाने क्यूकर खोज्जै ?**
3. **ज्ञान आले सवालां नै क्यूकर बणावैं अर बुझैं ।**

हुन्नर 1 क्यूकर अपणी कथा तैयार करैं अर आच्छी तरियां बतावै? ज्यूकर आप केवल कथा सवाल जवाबां तै गुजरो सो, एक मार्गद र्न जो सभके ऊप्पर सैं उसका पालन करणा सैं। अर वो सै परमे वर के वचनांह पै भरोसा राखणा। भरोसा राखणा। भरोसा राख्खै के बाइबल की कथा उन्हकी सम्पूर्णता मैं ही आच्छी तरियां कही जावैं सै यानि उसे तरियां जिसी वे खुद परमे वर नै कही सै। जद आप बाईबल कथा सुणाओ सो तै इसमैं बाहर तै कोई सुचना ना जोड़े, कुछ छोड़डैं भी नही। जद आप इसनै समझाओ सो इसका फैलाव कर प्रचार ना करै।

बाईबल की कथा चुणणा :

कुछ हालात मैं अगुवा आपनै वि ोश कथा या बाईबल के खास भाग का जिम्मा दे सकै से। गर आप अपणी कहाणी खुद चुण रहे सो तै याहड़ै मार्गद र्न सै।

1. एक खास झुण्ड नै बाइबल की कथा सुणावण खातर जद आप धोरै एक ही मौका हो तै इसी कथा ल्यो जिन्हकी विशयवस्तु सुणण आल्यांह की उम्र के समान हो अर कथा की लम्बाई की ओड़ आपका मार्गद र्न करैं जिन्हमै वे सच्चाईयांह सै जो श्रोताओं नै सुणण की जरूरत सै।

2. जद परमे वर नै म्हारे तै बाईबल दी, उसके धोरै चुणण खातर असंख्य इतिहासिक घटना थी। हालांकी परमे वर नै वे चुणी जो माणसाँह की जरूरत खातर आच्छी सै। क्यूके म्हारे परमे वर नै सारे माणस बणाए सै अर वो उन्हकी जरूरत भी जाणै सै। इसी गेल्यां परमे वर अपणे ज्ञान तै वे सारे रिति रिवाज भी जाणै सै जो माणस विकसित करैंहगे। बाईबल इन्ह सभ रीति–रिवाज अर वि वास तै ऊप्पर सै क्यूके इसके वचन सभतै आच्छे सै। हम या बात यू कै रहे सै के परमे वर धोरै हर कथा मैं सारे माणसांह खातर आत्मिक मौल सै। एक झुण्ड खातर गलत कथा चुणकै घणी चिंता ना करै। जिसा आप चुणी होड़ कथा के जरिऐ माणसांह नै सुणाओ सो तै न्यू समझो के पवित्रात्मा हर एक हाजिर माणस नै अपणा संदे ा देहगा।

3. केवल कथा मै हम भारू मै ऐ कोई कथा चुण कै नहीं राखते के हम उसका इस्तेमाल सुसमाचार प्रचार अर ि ाक्षा खातर करै। हम मजबूती तै कथा के लाग्गू करण मै गवाही देख्खैं सै के पवित्रात्मा सभी कथा

16. तै माणसांह मै ि ाश्यता ल्यावै अर वोहे माणसांह मैं इसा भरोसा जगावै सै के वे परमे वर पै भरोसा करै।

4. गर समान श्रोताओं नै कथा सुणाण खातर आप धोरै कई मौके हों तै बाईबल की भारूवात तै भारू करणा आच्छा होगा। घणखरी बाईबल की कथा उन्ह सुचना पै आधारित सै जो पहल्ली कहाणिया मैं सै तै बुद्विमानी तै याहे होगी के आप कार्यक्रम के अनुसार कथा चुणै अर सुणाकै। कथा सुणाण मैं अर रिकार्डिग करण मै, गर आपनै अगुवाई महसूस होवै सै तै आप कुछ कथा छोड़ भी सको सो। गर आप इसा करो सो तै आप आगली कथा का परिचय देवै के कथा बिना बिधन

चालती रहै। फेर भी गर आप कथा नहीं भी छोड़ते तै आप पुराणी कथा याद करा कै अपणे श्रोता नै नवी कथा सुणावण खातर तैयार करैं।

5. जद एक कथा लाम्बी हो : (सम्भव सै 25 पद तै ऊप्पर तै आप चाहवैंगे के इसी कथा नै दो भाग मैं बॉटटै। इस तरियां श्रोता आच्छी तरिया सुणकै चर्चा का मौका देवै सै। इसनै कुदरती तौर तै अलग करण आले हिस्से तै ही अलग करै जो सम्भव सै के कहाणी के ठीक बीच आला भाग नहं होगा।

6. कुछ कहाणिया मैं लाम्बी सुचना होवै सै भाायद भाहर या नामां की सुचना। गर कथा काफी लाम्बी सै तै इसनै सूची के भाुरू तै अलग करके कथा के दो हिस्से बणावैं।

फेर अपणी दुसरी कथा के परिचय मैं सूचि का जिक्र करै भाायदःकहै "14 विभिन्न दे ां के नागरिक सभा मैं आये।

17. फेर सूची खत्म होवण के ठीक बाद दुसरी कथा कैहणा भाुरू करै। इस तरियां सुचना पे ा करण तै आपनै बाइबल की दो कहाणी बताई तो वचन पै कति सटिक सै।

भाुरूवाती कथा सुणाण आलयां, अर सिखण आल्यांह खातर कथा के दो भाग करकै सिखण मैं आसानी होवै सै। जिसा कथा वाचक अपणे हुन्नर नै बढ़ाते होए वापिस जा सकै सैं अर दोन्हू कथा जोड़ सकैं सै या सारे नाम्मां नै जोड़ण का फैंसला कर सकै सै।

इब आपनै एक कथा का चुनाव करया सै। आइये हम इसनै बतावण के कुछ तरीके की जांच करणा सिखै।

1. एक बार पूरी कथा पढ़ै : (या जद सुणाई जावै तै ध्यान धरकै सुणै)

2. कथा समझणे अर याद करणे अर इसनै बिना चूके के उत्साह गेल्यां बतावण की योग्यता खातर प्रार्थना करैं।

3. फेर कै तेज आवाज तै कथा पढैं। जिसा आप इसनै करैंहगे, आप भाायद कुछ भाब्द बदलणा चाहवैंगे। अपणी कथा खातर आप इसे भाब्द चुणै जिन्हका उपयोग आपके श्रोता खुद नै व्यक्त करण खातर करै। उदाहरण खातर : भयानक

कैहण की जगाह आप डरावण या भयपूर्ण कैहण का फैंसला कर सको सो। गर आप इसे भाग्य ाली माणसांह मै तै एक सै जो एक तै ज्यादा भाशा पढ सकै सै अर बोल सकैं सै तै आप तेज आवाज मै पढ़ण सिख्खण का अदभूत साधन सै। उस भाशा की बाईबल ....

18 जोर तै पढै जो उस भाशा मैं ना लिख्खी गई जिस भाशा मै आप कथा बतावण जा रहे सो। उदाहरण

के तौर पर गर आप हिन्दी पढ़ सको सो अर कथा अंग्रेजी मै सुणाणा चाहो सो तै हिन्दी मै देख्खै अर अंग्रेजी मै तेज आवाज मै बोल्लै। इस तरिके तै आप कति सही भाब्दां का इस्तेमाल करण की कोि ा ा ना करैंहगे पर आप घणखरे इसे भाब्द इस्तेमाल करैंहगे जो बातचीत के कुदरती भाब्द सै।

4. अपणी बाईबल बन्द करै अर याद करकै कथा जोर तै बोल्लै। अपणी योग्यता के मुताबिक जितणी आच्छी तरियां कथा बोल सकै उतणा बोल्लैं। जिसा आप पढैंहगे गर आपसै गलती होगी या कुछ हिस्सा भूलगे चितां ना करैं, बिना रूके

कहाणी बतावैं बढ़ते जांह। आप उस छुटटे भाग नै आगले हिस्से मै जोड़ सको सो गर आपनै याद आवै तै इसा करैं। यू कथा/कहाणी कैहणा सै, याद करणा नहीं।

उदाहरण के रूप मैं गर पाठ कैहवै सै के यी ु नै पतरस, याकूब अर यूहन्ना लिए पर अचानक आप तीन्हू नाम भूल जयाओ सों। आपनै फेर भी रूकणा नहीं पर सुणाते जाणा सैं, न्यू कैहते होए के यी ु नै तीन चेल्ले लिए ....

फेर ज्यूकर आप कथा लगातार कैह रहे सो अर अचानक वे तीन नाम याद आवैं तै आप कैंह परतरस, याकूब अर यहूना "कथा सच्च ही ठैहरै सैं।

19 जद आगली बार आप कहाणी सुणावैं सैं तै आपनै नाम कैहणा याद रैहगा जद वे कहाणी मैं पैहल्ली बार आवैं सैं।

5.**कहाणी एक बै फेर जोर के पढैं।** जद आप पढ़े सै तै ध्यान करैं के आपनै के जोड़या। या छोड़ दिया। आपनै न्यू जाा के हैरानी होगी के आपनै कितणी कथा याद कर ली सैं। गर आपकी कथा लाम्बी सैं (12 तै 25 पद तै घणी) तै आप चाहवैंगे के इसनै दो हिस्से मैं याद करैं। कई कथा के कई कदुरती हिस्से होवैं सैं। आप भाायद चाहवैंगे के अपणी कथा नै दो दृ य या चित्र मैं अपणे मन मैं याद करैं। आप भाब्द याद नहीं कर रहे सैं पर आप ठीक–2 कथा नै अपणे मन मैं चित्र के अनुसरण तै याद कर रहे सैं।

6. **हरकै अपणी बाइबल नै बंद करैं अर कथा जोर तै कैंह**

इस बखत आप पावैंगे के आप पावैंगे के आप पैहल्ली बार की बजाय इस बार घणा सुणा सको सो। एक बै और कहाणी खोल्लैं अर जोर तै पढ़ै न्यू देखण नै के कदे आपनै कोई सुचना आ हिस्सा छोडया जा जोड़या तै नहीं। छोटटे हिस्से भी सही होणे चाहिए। कथा का हर एक हिस्सा जिसा परमे वर नै म्हारे तै दिया सैं वो उसाऐ महत्वपूर्ण सैं।

7. **भाुरू अर आख्खर के कथन चुणैंः अपणी कहाणी की राह बणावैं।** आपकी कहाणी कित्त तै भाुरू होगी अर उसका अन्त क्यूकर होगा। आपकी चुणी होड़ कहाणी भाायद याद करण मं आसान होवैं

20 इसका मतलब सैं के यू सीधी राह सैं। भाुरू तै आख्खर ताहीं आपकी कहाणी मैं मुस्किल स्थान, संगम होंगे के आप मानसिक नि ाान बिना भटक भी सको सो।तलै मानसिक चिन्ह सैं।

8. **माणसिक नि ाान लाण आला :**

बार–2 कथा कैहण अर कुछ ओर बै खुद की जाँच करण पै आपनै बेरा पाटटैगा के कुछ भाग याद करणा मुस्किल सै।गर कथा के नाम या दुसरे नि चित हिस्से कई बै छूट गे हों तो यू बखत सै के आप अपणी कथा के नक ो पै किस्सैं मानसिक नि ाानी का इस्तेमाल करैं।

अ) आपकी कहाणी के उन्ह नाम्मों, भाब्दों या विवरणों खातर जिन्हानै याद करणा आपनै मुस्किल लाग्गै सैं, एक फोटटू अपणे मन मैं बणावैं। (जेरी लूकस, जिसनै समरण भाक्ति का वैध मान्या जावै सैं– नै यू तरिका मसहूर करया) उदाहरण के तौर पै योना की कहानी सुणाते बखत योना के पिता का नाम अमित्तै याद करण मैं आपनै परे ाानी होवैगी। अपणी भाशा मैं इसे भाब्द या भाब्दांह नै सोच्चैं जो उस नाम या भाब्द जिसे सै जिसने आप याद करण की कोि ा ा करो सो।अंग्रेजी मैं एक कथा सुणाण आला एक माणस जो ऐ–मित–टाई आपनै बेरा पाटटैगा के आप जितणी मतिहीन फोटूअपणे मन मैं बणावैहंगे उतणाऐ मुस्किल भाब्दां नै आप आसानी तै याद कर सकैंहगे।

21 जिस भी भाशा मै आप बोल्लै सै, एक तुकबंदी या आकार खोज्जैं जो वे नाम या हालात आपके विचारां मैं ल्यावण मैं मदद करैं।

ब)कुछ जो कथा सुणाणा सिखावैं सैं वे खास नाम याद करण खातर जोर ना देते। हम आपनै उत्साहित करैं से के आप कथा मैं नाम भी बोल्लैं। चाहे कथा मैं ये सभतै मुस्किल सै। परमे वर नै बेरा सै के हम नाम याद करण मैं घणी मेहनत करैं सैं। फेर भी, क्यूके परमे वर नै म्हारे तै खुद कथा मैं नाम अर स्थान दिए सैं। हम कथा सुणाते बखत वे सभ सुचना भाामिल करणा चाहवैं सैं।

9. कैंह अर जाच्चैं जब ताहीं आप आच्छी तरियां ना सुणावै। इन्ह सारी बातांह नै बार–2 दोहरावैं। जद ताहीं आप आच्छी तरियां कथा ना जाण लेवैं इसाऐ करते रैंह। सारी कथा जोर–2 तै बोलते रैह अर फेर पाठ पै ध्यान करैं के आपनै सारी सुचना पूरी करी सैं या नहीं। हमे ाा चौकस रैंह के कथा मै झूठ भाामिल ना करैं। उन्ह सच्चाईयां खातर भी जो इस बाइबल के समानांतर पाठ मैं पाए जावैं सैं।

परमे वर नै न्यू फैंसला करया के कुछ कथा बाइबल मैं एक तै घणी बार कही जावैं। हर बार इन्हका कैहणा कुछ
ल्याहदा सैं गर परमे वर ल्याहदा राखणा चाहया सैं तै हम भी इसाऐ करैंहगे) बख्त–2 पै जद घणी कथा सुणाई जावैं सैं तै उन्हमैं सच्चाई पाई जावै सैं, हमनै वा सच्चाई खोजणी चाहिए।

अपरिचित मैं पाँह धरणा

22 जिसा के हम नवे हुन्नर सीखण की कोि ा ा करैं सै हुड़ै एक मन की भावना सै के हम सिर्फ उन्ह भाग्गां नै लाइन मै कटठा करै जिन्हानै हम पैहल्लै तै ही प्रमाणित पावैं सैं।

मन्नै एक उदाहरण देण दयोः म्हारे कई स्वयंसेवक अर अधिकारीगण एक नवा ि ाक्षण भाग सुणावण खातर सहमत होए जो के मैं "केवल कथा" खातर लिख रही थी। हालांकि मेरा विचार था के में एक खास भाग की भाुद्वता/स्पश्टता देख्खूं। परमे वर नै इस उपकथा का इस्तेमाल मेरे तै बहूमोल पाठ सिखावण/दिखावण खातर करया।

इस भाग नै आच्छी तरियां समझण खातर यू जरूरी सै के वे इस कथा नै आच्छी तरियां जाणैं। तै मन्नै इन्ह दो भार्मीले माणस तै कथा सिख्ख्ण तै कहया। इस काम मै एक बईयर नै जिसनै चार कार्य ााला मै भाग लिया था उसनै मदद करी। दुसरा एक माणस जो 80 के द ाक मैं था उसनै मदद करी यू माणस 20 साल के छोहरे की तरियां काम करै था पर जद ताहीं मन्नै इन्हतै काम ना दिया ये कथा सिखावण तै बचते रहे।

मन्नै इन्हतै समझाया के गर तम्ह इन्ह दि ाा निर्दे ाांह का पालन करैंहंगे ते आप इन्ह दस पद की कथा सिर्फ 10 मिनट मै सीख ज्याओगे। मन्नै उन्हतै कहया के केवल कथा के तरीके तै एक कथा याद करैं। एक बै पूरी कथा जोर तै पढ़ैं। जद आप कथा पढ़ो सो, इसनै आम बोल्ली जो आपके इलाके मैं चाल्ले सै उसमै पढ़ो। उदाहरण के तौर पै आप कथा मै निहारो की जगाह देख्खो कैह सको सो। अपणे मन की आँख्यां मै देख्खै कथा मैं के हो रहया सै। एक बै पढ़ण के बाद तुरन्त अपणी आँख्या नै बन्द करै अर जितणी

23 भी कथा आपनै याद आवै उसनै जोर तै कैंहवैं। आपका उद्दे य कथा आच्छी तरियां याद करणा सै सही–2 भाब्दा मैं नही। फेर वापिस जावैं अर इसनै जोर तै पढैं। जो हिस्से आपनै छोडडे सै उन्हका आपनै बेरा पाटटैगा। अपणी आँख्या नै बन्द करकै कथा जोर तै कैंह। इसनै चार बै पढ़ै। इस तरियां सहयोगियां नै अर सेवकां नै मेरे निर्दे ा पै कहाणी दोहराई। इसनै आम बोलचाल की भाशा मैं जोर तै बोल्लैं, अपणी बाइबल बन्द करैं, अर कथा सुणावैं। इस तरियां उन्हानै भाुरू करया। उन्हानै पढ़या .... भाांति तै। ना तै तेज आवाज तै पर मध्यम आवाज तै। मन्नै उन्हकी पढ़ाई में स्कावट करी। आपनै या कहाणी क्यूकर पढ़णी थी, दोन्हू का उत्तर तेज आवाज मैं अर जोर तै था। पर मन्नै कुछ ना सुणया, मन्नै बुझया ठी सै, उस माणस नै कहया इसनै बस अपणी खातर पढ़ रहया था।

पर आपनै पैहल्यां ही कहया के आप जोर तै पढ़णा जाणो सो। आप एक सहयोगी माणस सैं। आपनै निर्दे ाां का पालन क्यूं नहीं करया? मन्नै बुझया।

"मै कोन्या जाणता," वे भ्रमित होगे, मेरा अन्दाजा सैं के मैं इसा कदे ना कर सकता।

"अर आप" मैं औरत की ओड मुड़ी, के आप जाणो सो के आपनै तेज आवाज मैं पढ़णा था? "हाँ"

"मन्नै समझ ना आई। आपनै तेज आवाज मैं क्यूँ ना पढ़या हिचकिचाते होए उसनै बताया, "मन्नै उसा करणा बेवकूफी लाग्गी।

24 हम सभ हास्सण लाग्गे, खासकर जद हमनै बेरा पाटयया के वा कथा जक्कई के बारे मैं थी। एक माणस जो यी ु नै देखणा चाहवै था उसनै बेवकूफी भरया राह अपणाया के यी ु नै देख सकै। जक्कई की कहाणी मैं एक खास सच्च भी था के उसनै सारे निर्दे ा का पूरी तरिया पालन करया।

तै थोडा भलोवण के बाद अपणे बन्धन तोड़ दिए। जिन्हानै न्यू कहया कै मन्नै बेवकूफ विख्खण के डर तै इसा कदे नहीं करया। उन्हानै अपणी कथा जोर तै पढ़ी। अपणी आँख बन्द करके जितणी बै वे कहाणी दोहरा सकै थे उन्हानै कहाणी दोहराई। चार बार के बाद मन्नै उन्हतै बुझया, "आप इब अपणी कहाणी मन्नै सुणा सको सो"। हैरानी सै के सिर्फ दस मिन्ट की पढ़ाई के बाद उन्हानै अपणी कहाणी सही तरियां सुणा दी। "तै" मन्नै अस्सी बरस के माणस का मखोल करया, "के आप हमे ाा दस पद दस मिनट मैं याद कर ल्यो सो? बस वो हास्सण लाग्या।

औरत चिंख पड़ी, "मन्नै कदे भी ये बाइबल कहाणी नही सिख्खी थी। मैं चाहूं तै थी। मन्नै कोि ा ा तै करी पर में सफल ना हो सकी।

मन्नै बुझया। "के आपनै कदे सारे निर्दे ाां का पालन करया था।

"नही" वा मुस्कुराई, " इब तै पैहल्यां नहीं। हमनै या घटना याहड़े न्यू जोड़ी सैं के आप "केवल कथा" के सारे साधन/हिस्से का पूरी तरियां इस्तेमाल करैं। क्यूके आप इब इन्ह भाब्दां नै पढ़ रहे सो याहड़े स्पश्ट सैं के आप पढ़े लिख्खे सैं।

25 याद राख्खैं केवल कथा सिखणा अर बातचीज का तरिका मौखिक सैं इसलिए आपतै नवे संसार मै पैर धरण ताही कहया जा रहया सै। वि वास तै उन्ह सभी सिढ़ियांह का इस्तेमाल करैं जो आप आग्गै धरी सैं दफतर मैं घटी घटना बहोत आम बात सैं, इसनै बेरा पाटटैं सैं के केवल कथा के निर्दे ाांह के भाग का इस्तेमाल आपनै इच्छित नतीजा ना दे सकता। "केवल कथा" नै तद आप निर्दे ा रूप मैं इस्तेमाल करण की कोि ा ा करैहंगे तै परमे वर आपनै कई ओर इसी बात दिखावैगा जिसतै आपका अध्ययन उन्नत होगा के आप केवल कथा नै आच्छी तरियां पे ा कर सकैं।

कहाणी मैं गैहराई ल्याणा अर
कहाणी सुणाण मैं रूचि लगाना

1. कोई इसा वचन पढै या सुणै जो कहाणी की ओड़ आकर्शित करै। आम तौर पै जद आप न्यू जाणणा चाहो सो के आपकी कहाणी के पैहल्लै बाइबल मैं के होया तै आपकी कथा के बारे मै ओर समझ खुलैगी। इस तैयारी के बाद आप फैसलाकर सको सा के आप इसतै पैहल्यां कहाणी बतावैं के आपनै अपणे श्रोता तै परिचय देवण की जरूरत सैं या कहाणी तै पैहल्यां भूमिका बणावण की जरूरत सै।

अ)	गर आप परिचय दे रहे सो तै यू सिर्फ कुछ भाब्द या वाक्य मै ऐ होणा चाहिए। कथा के परिचय की भौली तै आच्छी बात उसके पे ा करण की भौली होवै सै। इस कारण श्रोता की रूचि खातर कहाणी का परिचय छोटाए राख्खै। याहड़े तीन कारण दे राख्खैं सैं जिन्हका इस्तेमाल आप परिचय देवण मैं कर सको सो :

26 –1. परिचय नै कहाणी की भूमिका मैऐ बतावैं। यानि गर आप खास बखत या हालात मैं कहाणी सुणा रहे से। इस बात नै जाच्चै के आपकी चुणी होड कहाणी मैं परिचय की घणी जरूरत सै।

2.	कई बै एक कहाणी मैं कुछ इसे भाब्द होवैं सै जो श्रोता खातर नवे होवैं सैं या भ्रम पूर्ण होवैं सैं। आप कथा की भुरूवात तै पैहल्यां इसे भाब्दों नै आच्छी तरियां समझा सको सो।

3.	प्र नांह के बखत भाायद आप चाहवैगे के वे कथा मैं खजाने नैं खोज्जैं जो पुराणे नियम की जाणकारी के कुछ हिस्से पै निर्भर करैं सैं। उदाहरण के तौर पै भाायद आप यहूना के पैहल्ले पाठ की कथा सुणा रहे सै जित यहूना कैह रहया सै देख्खो, परमे वर का मेमणा जो जगत के पाप ठा कै ले जा सैं। इसलिए परिचय मै आप उल्लेख कर सको सो परमे वर नै कई बै पुराणे नियम मैं उसके चेल्यां तै बलिदान खातर एक मेमणा ल्यावण की बात कहीं या बात उसने चेल्यां के पाप करण पै उसतै छुटकारे खातर कही थी।

ब)	श्रोताओं नै कथा समझाण खातर या बाद मैं कथा के प्र नां का जवाब देण खातर जिस भी जाणकारी की जरूर महसूस होवै वा आपनै अपणे परिचय मै भाामिल करण की जरूरत सै। न्यू भी ध्यान राख्खै के कई बै परिचय की जरूरत भी ना होती।

27–स. केवल कथा मै हम सिर्फ बाईबल मैं पाई जाण आली जाणकारी का ही इस्तेमाल करैं सै। और कोए बाईबल तै मेल खाण आली अर यूनानी/इब्रानी भाब्दां का इस्तेमाल कोन्या करते। क्यूके उस तरियां की जाणकारी सिर्फ कुछ जगाह उपलब्ध सैं। हम सारे वि वासियां नै कहाणी सुनाकै वचन बाटटण ताहीं उत्साहित करैं सै उन्हानै अधिकार देणा चाहवैं सैं। माणसांह नै कहाणी पै वि वास अर उसका इस्तेमाल करण ताहीं उत्साहित करण की जरूरत सै।

द)	बाईबल की जाणकारी का परिचय आपनै कटठा कर लिया। अपणे परिचय के बाद आप इसनै साफ बतावैं के आपनै भूमिका/परिचय दे दिया कुछ इस तरियाँ, कैह के "इब या कहाणी सै" या – या बाईबल की कहाणी सै।"

## 2.	सर्वनाम छोडडैं!!!!

इस तरियां श्रोता नै कहाणी के पाच्छै चाल्लण मैं सहायता मिल्लै सैं। जिसा आप बताओ सो, गर आप कहाणी मै आऐ नाम्मां का इस्तेमाल करैंहगे अर खास स्थानां, चीज्जां के नाम के बजाय आप "वह" "वे" "उसकी" कैंह तै आच्छा सै।जद भी सम्भव सैं इसा करैं। जिसा एक भाशा मैं ग्रहण करण लायक सैं।

3. कहाणी के बखत के बारे विचार करैं।(इस कहाणीा के बखत अर दुसरे बिन्दु कथा नै जीणा नै ध्यान मै राख्खैं। दोन्हू ही कहाणी समझण के केन्द्र सैं अर कहाणी कैहण मैं आच्छी तरियां सक्षम सैं)

28 अ) हम कथा नै उसके असल बखत तै घणे तावले नहीं पढ़ सकै सैं। इस कारण कथा नै आच्छी तरियां समझण खातर आहस्ते आहस्ते–2 पढैं।

ब) कहाणी के हर दृ य की फोटू अपणे दिमाण मैं बसावैं। कहाणी मैं दी होड़ जाणकारी तै कथा का पात्र के सोच्चै सैं महसूस करै सै, इसकी कल्पना करै।

स) चाहे कहाणी हजारा साल पैहल्लै कही गई पर उस कहाणी के पात्रां के जीवन मैं वा पैहल्लो ही बार घटी। याहडै पढ़ी

जाण आली कहाणी नै भाायद आप पैहल्यां ही जाणो सो इस बारे मैं ध्यान देवैं। याहड़ै घटना घटण तै पैहल्यां किसे भी पात्र के जीवन का बेरा नहीं सै। तै घटना अपणे दिमाग मैं इसी राख्खै जिसी उन्ह पात्रां गेल्यां घटी थी।

4. कहाणी जीवैं। ध्यान देवै के हर एक पात्र नै के करया, के कहया अर कहाणी मैं एक दूसरे तै किसा ब्योहार करया।

1. दुसरेयांह के काम अर भाब्द हमनै बहोत कुछ बतावैं सैं, गर हम उन्हानै ध्यान धरकै सुणै तै। सावधानी तै जांचण तै कहाणी सुणाण आले कहाणी समझकै

29

उसनै आच्छी तरियां सही भावना गेल्या बतावण लायक बण सकैं सैं।

2. खुद याद करैं के बाईबल मैं सभ वे माणस जिन्हके बारे हमनै पढ़या, अगुवे भी, भविश्यवक्ता भी सही माणस थे। इन्ह माणसांह नै मुस्किल हालत मैं भी परमे वर पै वि वास करकै उसकी आज्ञा मान्नी। इन्ह हर हालातां मैं उन्हानै चुनाव करणा था के वे परमे वर पै वि वास अर भरोसा राख्खै।

5. **अपणी कहाणी मैं सारे उदहरण बोल्लै।** भाब्द बोल्लै जिसा माणसांह नै जरूर बोल्ले होंगे। पात्र द्वारा कही गई बात भावनात्मक होकै कैहवै जिसतै आपकी कहाणी मै जीवन पड़ैगा। (इ ाराः गर कहण आले के भाव कहाणी मै सूचिबद्ध कर राख्खे सैं, या घणे स्पश्ट सै तै इन्ह भावना का इस्तेमाल करैं। छौह, दुखः, भय, निरा ाा जिसे भाव देख्खैं। जद आप वो कहैं जो कहाणी के पात्र नै कहया तै जितणा हो सकै उतणा नाटकीय बणै। **(चेतावणी) गर आपनै पक्का बेरा नहीं के कहाणी कैहण आला किसी भावना महसूर कर रहया सै तै उन्ह भाब्दां नै उस भाव गेल्या मत कैंह जो आप सोच्चो के कैहण आले की भावना सैं। इसनै जोड़णा कैह सैं। इसा जोड़णा बाइबल मै परमे वर नै कदे ना कहया।**

30

व्यवस्था विवरण 12:32 जितणी बातां की मैं तम्हनै आज्ञा दयूं सूँ वे सभ चौक्कस हो कै मान्या करणा, अर ना तै कुछ उन्हमै बढ़ाणा अर ना किम्मै घटाणा।
नीतिवचन 30:5–6 परमे वर का एक–2 वचन ताया होड़ सैं, वो उसकी भारण मै आण आल्या खातर ढाल का काम करैं सै। उसके वचनांह मैं कुछ मत बढ़ा, इसा ना हो के वो तन्नै ढांटै अर तू झूठा ठैहरै।
मती 15:9 अर ये बेकार मेरी उपासना करैं सैं क्यूके ये माणसांह की विधि धर्मउपदे ा करकै सिखावैं सैं।
6. **कहाणी नै व्यक्त करैं**। जिसा आप कहाणी कैहण का अभ्यास करैं सै आप इसी आवाज मै बोल्लैं के आवाज कहाणी के भाव अर चित्त का ब्यान कर सकै।
1.जद माणस कहाणी कैहणा भुारू करै सै, कई बै नाटकीय होण की कोि ा ा मै ऊँची आवाज मैं बोलणा भुारू करैं सै
उत्तेजि अर ऊँची आवाज, बहोत देर ताहीं सुण कै बोर होण लाग्गै सैं। इस तरियां इन्ह श्रोताओं की रूचि जात्ती रैह सै।असल जीवन मैं कोए भी कहाणी पूरे बखत उत्तेजना गेल्यां सुणाई नहीं जा सकती।
2. असल मैं कहाणी के कुछ भाग भाायद दुखः, डर, दया, निरा ाा या ओर कोए भावना बत्ताते होंगे। ये सारी भावना उत्तेजना तै सही
31
तरिया पे ा ना करी जा सकती।
कहाणी अपणी आवाज मै फैला कै ऊँचा अर नीचा करते होए बतावैं अर कहाणी की जरूरत अनुसार उत्तेजना दिखावै। भावना तै ही आप अपणी आवाज नै सही स्तर मैं राख सको सो।
3. हर एक भाशा मै जद माणस बातचीज करैं सै हुडे ध्वनियां होवैं सैं जो असल मैं भाब्द ना होत्ते, वे कुदरती तौर तैऐ उन्हकी भाशा मैं आ ज्यां सै। इस तरियां की आवाज हर भाशा मैं अनौखापण पैदा करैं सैं। एक लाम्बी सांस तै थकान का बेरा पाटटै सैं। या साँस तै परे ाानी का भी पता चलै सैं। घणखरी संस्कृति मैं जीभ की चट एक इ ाारा करैं सैं तावल मैं साँस लेणा हैराणी या डर की ओड़ इ ाारा करै सै। हँसणा या किसे की आवाज मैं पकडएक भाव प्रकट करै सै जिसनै हम महसूस कर सकैं सै। इस तरियां की ध्वनि अर कई जो लिख्खे ना जाते वे भाव अस्तित्व मै सै। हम अपणे जीवन मै इस तरियां की ध्वनि अपणे आस पास के माणसांह तै सिख्खै सै। जद आप बाईबल की कहाणी कुदरती तौर तै रौचक रूप मैं सिख के बताण लाग्गो सो तै जो आवाज या ध्वनि लिखित मैं नहीं वे अपणे आस पास के माणसांह तै सिखणा अर सुण्णा भुारू करैं।जद आप नवे भाब्द सुणो सो तै उन्हानै इस इरादे तै अपणे मन मै राख्यो के दुसरेयाँह नै कहाणी बताते बखत काम मैं आवे।

32 4.भाब्दां के बीच मै ठहराव या हिचकिचाहट बड़ा नाटक पैदा कर सकै सै अर कहाणी मै सुणण की रूचि भी जोड़ सकै सै। उदाहरण के तौर पै, एक कोहडी की कथा मैं वाचक कैह रहया सै यी ु नै अपणा हाथ बढ़ाकै कोहडी छुआ। गर कथावाचक इन्ह भाब्दां नै बिना रूके बोलता तै बड़ा मौका खो देता। यी ु का एक कोढ़ी नै छुणा असल मैं अदभुत सै। याहड़ै महान दयालुता नजर आवै सै। कथावाचन नै चाहिए के वो भाब्दां नै आहस्तै–2 कैंह। यी ु अर कोहडी के बीच सोहणे पल दिखाई अर सुणाई देवैं सै। अर महसूस होवैं सै।

जद कहाणी सुणावण आला बढ़ती होई धीम्मी अर बढ़ती होई घणी हैरानी भरी आवाज मैं कैह, "यी ु............ नै अपणा

हाथ बढ़ाया .... अर .... कोहडी .... छुआ।

5. कहाणी मै नाटक के क्षण की तला ा राख्खैं। जद एक चंगाई होवै सै या हुड़ै कुछ भी असामान्य सै, गर किसे ने कहाणी मैं मजबूत बात कही या हिचकिचाहट महसूस करी या किसी भी तरियां की रूकावट नै महसूस करैं।

33 6 इस तरियां करकै आप नाटकीय घटना नै सही बखत देओ सो के वे खुल्हैं अर श्रोता उन्हानै महसूस करैं। घणखरी कहाणियां मैं कुछ कथन होवैं सै जो वाचक के भाब्दां नै जोड़ै सै। इन्ह हिस्यां नै एक आम आवाज मै आच्छी तरियां कहया जा सकै सै।

6. कई बर वाचक के भाब्द भी कहाणी मैं रूचि ल्या सकैं सै। वाचक के भाब्द अर जगाह बदलाव या कहाणी के अदभुत हिस्से की ओड़ ध्यान आकर्शित कर सकैं सैं।

इन्ह भाब्दां नै रूचि तै गैहरे भाव गेल्यां कहया जा सकै सैं। यू इसा सैं मान्नो वाचक श्रोता गेलयां किम्मै गुप्त उत्तेजनात्मक सुचना बाँट रहया सै, तै या बात ऊँच्चे स्वर मै फुसफुसाहट तै कही जाहगी।

इस तरियां बोल्लणा माणसांह का ध्यान उन्ह भाब्दां पै ल्याणा सैं जिन्हके पाच्छे चालणा वाकैई रूचिकर सैं। आप साधारण भाब्दां नै भी कैह सको सो जिसा :– "इसके बीच मैं", या, उसी बखत, या, उन्हके पहोचण पै। पर यू सभ एक योजना के तरिक्के तै कैंह।

7. **क्रिया इस्तेमाल करै अर कहाणी दिखावैः** यानि इसे काम जो कहाणी नै सही अनुकुलता देवै यानि डर, लोभ, छौह, उड़ाण हैरानी, बहादरी, निरा ाा अर दुसरी ओर भावना नै भी दिखा सकै सैं भावना नै चाहे हल्के से हाव–भाव तै भी ब्यान कर सकै सैं। जित भी आप खड़े होवो सो हाव भाव तै माणसांह मैं जगाह बणा सको सो।

जद आप एक माणस की बात कहो सो अपणे भारीर नै हल्के ते उस जगह धरै अर सही दि ाा मैं देख्खैं जो इस तरियां हो सके वो माणस कित सैं, के देख रहया था या के कर रहया था।

34 उदाहरण के तौर पैं चंगाई पाये माणस हैरान दिख्खैंहगे वे आहस्तै–2 अपणी ठीक होई देह नै देख्खैंहगे या वे खु ाी तै उच्छल पडैंहगे। बोल्लण मैं या काम मैं हिचकिचाहट कहाणी मैं असलियत अर नाटक पैदा होवै सैं।

1. चेतावनी का एक भाब्द :– गर आपकी कहाणी सुणकै कुछ माणस आप धोरै आकै न्यू कैंह के आप कितणे आच्छे कहाणी सुणावण आले माणस सो या कितणे आच्छे एकटर सो यानि कलाकार सो तै अपणी पे ाक ा पै हटकै विचार करैं। कथा वाचक रूप नहीं पर परमे वर का वचन रूप सैं गर एक कहाणी सुणावण आला घणे क्रिया कलाप करैहगा तै कहाणी सुणण आल्यांह का ध्यान भटकैहगा। माणस सुणण के बजाय देख्खण पै ज्यादा ध्यान करैहंगे। आच्छी बात तै याहे सैं के आप छोटटे क्रिया कलाप बणावै जिसतै आपनै कहाणी सुणावण मैं मदद मिलै। आपनै माणसांह तै सुणण की जरूरत सैं के उस कथा नै मेरे तै बात करी या कहाणी मैं–मै वो माणस सूँ।

8. **कहाणी खड़े–2 या बैठ कै सुणावैं?** कई संस्कृतियां मैं या हालात मैं कहाणी सुणावण आल्यां खातर आच्छा रहैगा के वे उन्ह माणसांह गेल्यां बैठ के कहाणी सुणावैं। हम आपनै खड़े होकै अभ्यास करण की सलाह देवैंगे। गर आप योग्य सै तै कहाणी पूरे हाव–भाव अर जगाह गेल्या कहाणी सुणा सकैं।

35 इस तरियां जद आपनै बड़े झूण्ड तै कहाणी सुणावण का मौका मिलै या दुसरी जगाह जित कहाणी सुणावण का तरिका खड़े होकै हो हुड़ै आपका अभ्यास अर हाव–भाव काम मैं आवैंहगे। हम चाहवैं सैं के श्रोता वे कहाणी समझैं अर याद राख्खैं जो हम सुणावैं सैं। ना सिर्फ हाव भाव, पर काम भी कहाणी मैं माणसांह की रूचि बढ़ावैं सै पर वे कहाणी के विशय नै भी समझण मैं म्हारी यादास्त अर क्षमता बढावैं सै। बैठ के कहाणी सुणाणा आच्छा चुनाव सैं। सभी तरियां बैटठै। पर जद आपकी कहाणी सुणाण की सेवा बैटठे–2 पूरी होवै सैं तै फेर आप कहाणी मैं एक्सन भी इस्तेमाल कर सको जिन्हका आपनै अभ्यास करया सैं

9. **कहाणी की भाुरूवात :–** जिसा पैहल्लै कहया गया, जद आप कहाणी सुणाणा भाुरू करैं तै कैह इब या कहाणी सैं या न्यू कैं के या बाइबल की कहाणी सैं। जिसा आप कहाणी कैहणा भाुरू करो सो तै एक खुल्ही बाईबल अपणे हाथ्यां मैं पकड़े राख्खै। या श्रोताओ नै इ ारा करैं सै के जो आप सुणा रहे सो वो बाइबल मैं सै।

कुछ कहाणी सुणाते बखत आप चाहवैंगे के अपणे दोन्नू हाथ्यां का इस्तेमाल नाटक जोड़ण मैं करैं। जिसा आप बोल रहे सैं कोमलता तै अपणी खुली होड़ बाईबल नै धोरै धरी मेज पै

(36) या ऊँचे मेज पै धर दें। इसनै धरते बखत बात करते रैंह के श्रोता जाणै के आप इब भी कहाणी कैह रहे सो जो बाइबल मैं तऐ सैं। जद आप अपणी कहाणी खत्म करण आले हो तै अपणी कहाणी लगातार सुणाते रैंह जिला के आप अपणी खुल्ही होड़ बाइबल ताहीं पौहंच के उसनै ठावैं। (गर आप एक इसे इलाके मै कहाणी सुणा रहे सो जो मसीह विरोधी सैं तै आप के बेरा

हाथ्यां मैं बाइबल पकड़णा ना चाहोगे या श्रोता तै नहीं बताणा चाहवैगे के या बाइबल की कहाणी सै। इसी घटना मैं सिर्फ अपणी कहाणी सुणावैअर श्रोता नै विशय तै अर बाद की चर्चा तै आि ाशित होवण दें।

10. हर एक ने देख्खैं, "केवल कथा" मैं हम हाजीर मांणसा नै सिखावैं सैं के हर एक देख्खै जद वे अपणी कहाणी सुणावैं।

रोचक तरिक्के तै, एक कार्य ाला मैं जद एक नवे कहाणी सुणावण आले नै एक झुण्ड मै पूरे बखत सिर्फ मैं ही देख्या तै एक खोज होई। उसनै सही करण तै पैहल्यां मन्नै उसतै बुझया के उसकी संस्कृति मैं इसाऐ सै तै के उसनै सारी जाणकारी झूण्ड के बुढढे माणस तैऐ सुणाणी सै। उसनै जवाब दिया के इसाऐ सैं।

1. ओह नहीं। संस्कृति का विरोध। केवल कथा मैं म्हारी इच्छा सै के हर एक का ध्यान हो अर हर हाजिर माणस नै हम उत्साहित कर सकैं के वे स्वाल जवाब कर सकै। उस सांझ हमनै केवल कथा के ऊप्पर इस संस्कृति विरोध पै राश्ट्रीय ि ाक्षकां गेल्यां घणी वार ताहीं चर्चा करी।

37 हम इस बात पै सहमत थे के हमनै बुजुर्गो का अर अगुवों का सम्मान करणा सै। किसी नै भी नजर अंदाज नहीं करणा। सही सैं के अगुवाह नै मान दे कै भुारू करैं अर कहाणी सुणावण आले कोि ा ा करैं के सभतै बात करैं उन्हके पद कि चिंता करे बगैर। कहाणी सुणावण आला सभनै भाामिल करैं सैं वो ऊंच्ची श्रेणी के माणसांह तै भी बात करैं सै। येसारे काम वो झुण्ड मैं माणसांह तै भी बात करै सैं। ये सारे काम वो झूण्ड मै माणसांह नै देख कै, कोई बात पे ा करकै अर कहाणी सुणा कै दिखावै सैं। (इसाऐ दयालु सामरी की कहाणी मैं सै) आज म्हारा पड़ौसी कौण सै)

2. इस संसार के ई वर नै सारी संस्कृति के माणसांह के मन मैं न्यू भर दिया के मजबूत नैऐ ऊँच्चा करो अर कमजोर नै नीच्चा।"केवल कथा" की कार्य ाला मै हम सिखावैं सै के वि वासी होण के नात्ते हमनै खास तौर पै वे माणस भाामिल करणे सैं जो अपणे जीवन के किनारे पै सै यानि औरत, बालक, साधारण, जात तैबाहर करे होड़। साफ तौर तै पवित्र ाास्त्र मैं इसा करण का एक सिद्वान्त सैं। यी ु नै भी इसाऐ करया।

अकसर वो उन्ह गेल्या अपणा बखत बितावै था जिन्हानै उन्हका समाज छोटा अर नीच समझ कै उन्हकी आलोचना करै सैं। जद एक समाज की कुछ चीज पवित्र ाास्त्र का विरोध करैं सैं तै वि वासियाँह नै एक चुनाव जरूर करणा चाहिए।

38 या तै किसे एक का समाज किसे के काम्मां तै या वि वास तै राह दिखावै या परमे वर का वचन किसे के काम्मा या वि वास नै ऊंच्चे पै ले ज्याह। इस तरियां हर एक वि वासी नै फैंसला करणा सैं।

11. **कहाणी का अन्त करैं।** जद आप कहाणी पूरी करैं, सुणण आल्यांह तै कैंह, याहड़ै कहाणी खत्म होवै सै, अर अपणी बाईबल बन्द करैं।

12. **अपणी चुणी होड़ कथा अक्सर सुणावैं।** किसे नै भी जो इसनै ध्यान तै सुणैं, जद ताहीं के वे आसानी तै बैहण ना लाग्गैं गर कोए माणस हाजिर नहीं सै तै इसनै आस पास के पेड़ पौध्यां नै या डांगर डोहरां ने सुणावैं। याद राख्खैं के आप भाब्दां नै आच्छी तरियां याद ना कर रहे पर आप एक कहाणी सुणा रहे सैं।

हिम्मत आले सो। वि वास करण आले सो। लिखणा नहीं सै। के आप कल्पना कर सको सो के यी ु पहाड़ी उपदे ा देण खातर खड़या होया। सभतै पैहल्या अपणे लेख नै अपणे साम्हणै मेज पै धरें। के बेरा नहीं जद आपनै कोई अपणी गवाही सुणावण नै कैह सैं या आप अपणे जीवन साथ्थी तै मिलें या आपके जीवन का खु ानुमा बखत (अनुभव) के आप उत्तर देत्ते बखत अपणे लेख पै ध्यान करो सो? कुछ जाणकारी जो हमनै याद सैं वा हम माणसांह नै बतावैं सैं हम इसनै खुद पांवै सै। जद हम अपणे दोस्त नै अपणे दिन का हाल चाल बतावैं सै तै इसमैं भी हम अपणी यादास्त का ऐ इस्तेमाल करैं सैं

39 हमनै जाणकारी सै, क्यूके या एक कहाणी सैं इसलिए हम इसनै आच्छी तरियां दोहरा सकैं सै। हम जाणैं सैं के "केवल कथा" चाहवै है के आपनै नवे–2 हुन्नर मिलैं। गर भूतकाल मैं कदे आप एक वक्ता या अध्यापक नहीं रहे हो तै निःसंदेह आपनै कुछ भी काम करण खातर छोटे लेखां का इस्तेमाल करया होगा। जद आप उपदे ा देओ सो या किसी विशय की वस्तु सीखो सो तै आपनै छोटटे लेख की जरूरत पड़ै सै। पर कहाणी खातर आपनै लेख की जरूरत ना पड़तीं गर आपनै घर मै बणी चॉकलेट केक का स्वाद लिया अर पाया के वो स्वादिश्ट सै। आपनै भाायद चॉकलेट बणावण का नुस्खा भी पुच्छया होगा, मसाल्लों का मिश्रण। गर आप घर जाकै अपणी खात्तर एक चाकलेट बणावैं, के यू आच्छा होगा के आप चोकलेट खातर वैनिला फैंटटै अर आटटे खातर चावल ? ना बिल्कुल कोन्या। केक की अच्छाई उसके नुस्खे मैं सै।

हम आपनै सलाह देणा चाहवैं सै के आप केवल कथा के नुस्खे का पालन करैं अर अपणा उद्दे य बाणावैं के केवल कथा के हर चरण पै भरोसा राख्खैं। जद एक कहाणी केवल कथा उच्चारण खात्तर तैयार सै। या लेखां मैं नही पर अपणे दिमाग मैं राख्खी सै। जो ज्यादा पढ़ण आले सैं उन्ह खातर या आसान बात नहीं सैं क्यूके जिसा हमनै कहया था के जो ज्यादा पढ़े सै वे अपणे लेख पै जाणकारी पावण खातर निर्भर रैंह सैं। केवल कथा की प्रक्रिया में हम आपनै कुछ खास करण नै कैह रहे सैं। पढ़ाई करकै एक पाठ तैयार करैं अर कुछ भी ना लिख्खैं। हॉं हम गंभीर सैं..................

40 लिखे होड़ छोटटे लेख नहीं।

हम आपनै उत्साहित करैं से के आप केवल कथा की कार्य ााला मैं हाजिर हों। हुडै आप दस पद आली बाईबल की कहाणी सिर्फ दस मिनट मैं लिख्खण का अनुभव करैंहगे। केवल कथा के

ि ाक्षक सिख्ण मैं आपकी व्यक्तिगत मदद भी करैंहगे के आप किस तरियां आत्मिक खजाना खोज्जैं अर अपणे सवाल तैयार करैं। यू सभ कुछ आप बिना किसी लेख के करैंहगे।

4—ब

हुन्नर 2: कहाणी मैं खजान्ना क्यूकर खोज्जैं

दुसरा हुन्नर जिसकी आपनै पावण की जरूरत सैं के जो कहाणी आप सुणाण आले सैं उसमैं खजाना क्यूकर खोज्जैं। बाईबल कथा मैं खजान्ना के सैं? हम उन्ह आत्मिक सच्चाईयां नैं जो परमे वर बाईबल की हर एक कहाणी मैं भाामिल करैं सैं – खजान्ना कैह सैं। इन्ह खजान्यांह मैं आत्मिक जांच अर आत्मिक जीवन मैं लाग्गू करणा भाामिल सैं।

आत्मिक जाँच सै के क्यूकर परमे वर माणसांह के जीवन मैं अपणा काम कर रहया सैं।

आत्मिक लाग्गूपण वो सै जो सच्चाई हम वर्तमान मैं अपणे जीवन मै ब्योहार मैं लयावैं सै।

41. **खोजण आल्यांह की खोज मैं मदद** : फिलिप्पुस अर खोज्जे की कहाणी याद करैं। प्रेरितांह के काम मैं हम एक खास माणस, कू ी खोज्जे के बारे मैं पढ़े सैं, जो अपणे रथ पै बैठ कै य ाायाह की किताब पढ़ण लाहग रहया था। परमे वर नै खोज्जे धोरै फिलिप्पुस भेज्या के उसनै पवित्र ाास्त्र समझावै। कहाणी सुणणा आच्छी बात सै पर उन्हानै इब जो सुणया के बाइबल सम्मत पूर्ण फैंसला सै ।

1. **क्यूकर "आत्मिक जाँच" नाम के खजान्ने नै खोज्जैं।** आप कहाणी की जाँच इतिहास के सिर्फ एक हिस्से के रूप मै कोन्या कर रहे पर आप न्यू भी खोज रहे सो के उसमै आत्मिक रूप सै के घट रहया सै। परमे वर धोरै हर एक बाईबल कहाणी मै हम माणस खातर खास योजना देख्खै सै। कहाणी के पात्र नै के सिख्या या ना सिख्या – इसतै हमनै बेरा पाटटै सै के परमे वर हमनै के सिखा रहया सै। जिसा हमनै पैहल्यां बताया के बाइबल कथा नै समझण अर सिख्खण का आच्छा तरिका सै के उसनै खुद अपणे जीवन मैं जीणा।

कहाणी के पात्र नै के कहया, के करया, अर जद आप कहाणी जी रहे सै तै ध्यान करै तै ध्यान करै परमे वर के काम कर रहया सै ? इस तरियां कहाणी नै जी कै आप कुछ खजान्ने खोज सको सै? इन्ह आत्मिक खजान्यांहनै पावण खातर पूरे तौर तै कहाण मैं जावै। अर न्यू देखण मैं बखत लगावैं के कहाणी मै हर एक माणस या माणसांह 42 के झुण्ड के बारे में के कहया गया सै। परमे वर कहाणी मैं हर एक माणस के जीवन मैं काम कर रहया होगा के वो उन्हानै कुछ सिखावै।

गर आप धोरै छपया होड़ या सुणण आला वचन सैं जिसमै वो वचन सै जो आपकी कहाणी के पैहल्ले का सै तै इसमैं वापस जावै। उस जाणकारी पै विचार करैं जो आपकी कहाणी तै पैहल्यां

आवै सै। के इसतै आपनै न्यू समझण मैं मदद मिलै सै के कहाणी के पात्र कौण सै? वे के जाणै सैं ? उन्हका अनुभव के सै ?

आत्मिक जांच खातर छोटा परिदृ य :अक्लमंद सलाहकार कुछ गाम आले कुऐं के अर पाणी के हक पाच्छे घणे बखत तै झगड़ रहे थे। तै वे बुद्विमान सलाहकार धौरे सलाह लेण गऐ। उन्ह माणसांह की कहाणी सुणकै सलाकार नै उन्हतै कुछ सवाल बुज्झे वो आच्छी सलाह दे सकै। उसनै सभतै पैहल्यां बुझया, के तम्ह मन्नै हालात बता सको सो? सिर्फ कुछ भाब्दां मैं बतावै तम्हनै किस तै परे ानी सै ? गाम आल्यां नै झगड़े का छोटाऐ कारण बताया तै उसनै समझदारी तै बुझया के इस समस्या तै पैहल्लै भी कुछ घटया था जो इसनै समझण मैं ओर आच्छी तरियां मेरी मदद कर सकै सै?जद गाम आल्यांह नै बताया के यू झगड़ा क्यूकर भाुरू होया तै सलाहकार नै उन्ह माणसांह तै कहया के हट कै या कहाणी सुणाओ। इबकै उसनै उन्हतै कहया के इसनै आहस्ते–2 सुणाओ। तै उन्ह माणसांह नै इस्से तरियां अपणी कहाणी फेर कै सुणाई।

43 जद गाम आल्यांह नै अपणी कहाणी का पैहल्ला हिस्सा बताया, सलाहकार नै रोक कै बुझया मन्नै बताओ के थाहरे झगड़े

में इस बिन्दु ताहीं के तम्हनै किसै तै कुछ कहया था के बेरा तम्हनै कुछ करया क्यूके इस बात तै मन्नै आच्छी तरियां हालात समझण मैं मदद मिलैगी के हुडै के घटना घटी ? गाम आल्यांह के जवाब देण के बाद उसनै न्यू भी बुझया उस बखत के थाहरे मैं तै किसे नै कोई फैंसला लिया के हुडै दुसरे सुझाव भी थे जो आप चुण सको थे? जद भी एक सुझाव का जिक्र करया गया, सलाहकार नै बुझया के उस फैंसले का के नतीजा लिकड़या? कुण–2 उस फैंसले तै प्रभावित होऐ। इस तरियां सलाह कार नै जारी राख्या। सलाहकार उन्हतै कहाणी का आगला हिस्सा सुणाण ताहीं कैहता अर कुछ सुणकै रोक देत्ता अर कुछ इस तरियां ही सवाल करता के उन्हानै के कुछ ओर कहया या करया। के उन्हानै चुनाव करया अर उसका किस किस पै असर होया? आख्खर मैं जद उन्हानै कहाणी खत्म करी क्यूके बुद्विमता सलाहकार नै ध्यान धर के गाम आलयांह के झगड़े की कहाणी सुणी वो उन्हके झगड़े का कारण भी समझ गया। इब उसनै बेरा था के उन्ह खातर कुण सी सलाह आच्छी रैहगी।

"केवल कथा" मै हम चाहवैं सै के बाईबल की कहाणी मैं आई हर एक मूल्यवान जाणकारी प्रगट करैं। इस खजान्नै पै ध्यान करण खातर हम सवाल बुझैं सै। अक्सर उस तरियां ज्यूकर बुद्विमान सलाहकार नै बुझझे थे। पर हम उसतै भी गैहरे मैं जावैं सैं, जो कहाणी मैं घटया, जो एक इतिहास सैं। हम देखणा चाहवैं सै के हम आत्मिक रूप तै के सीख रहे सै।

44 उस बुद्विमान सलाहकार नै गाम आल्यांह तै कहया था के छोटटे रूप में हालात का बखान करै। हम जाणै सै के बाइबल की कहाणियां मैं अर कुछ लेखां मैं कई तरियां की समस्या सै। इसनै हम हालात कहया करैं सै। जद हम ध्यान धरकै सावधानी तै कहाणी सुणै सैं तै हमनै इसके हालातां का बेरा पाटटै सै क्यूके के उस कहाणी के पैहल्ले के हालात जाण के श्रोता वास्तविक

बणावैं सै। जद हम न्यू कैहणा भुारू करै से के इसे हालातां मै आ कै एक माणस नै किसा लाग्गैगा तै इसतै हम भावानात्मक तौर तै कहाणी मै अपणे आप तै पावैं सै।

उस सलाहकार नै न्यू भी जाणणा चाहया के कहाणी यानि घटना घटण तै पैहल्यां के होया! इसी तरियां जद हम बाईबल की कहाणी मैं खजान्ने पै ध्यान करैं से तै उसतै पैहल्या उसकी पृश्ठभूमि नै जाणैं सै। पृश्ठभूमि वो सै जो कहाणी भुारू होण तै पैहल्यां बाईबल मैं घटया। या जाणकारी हमनै कहाणी अच्छे तौर तै समझाण मैं मदद करै सै जिसनै हम खोज रहे सै। याद राख्खै के क्यूकर सलाहकार नै गाम आल्यांह तै आस्तै–2 कहाणी सुणावण तै कहया। अर हर हिस्से मैं बुझया के उन्हानै के कहया अर के करया? केवल कथा मैं हम कहाणी की भुारूवात तै भुारू करैं सै अर सावधारी तै आहस्तै–2 हर हिस्से नै सुणै जिसा हमनै या घटना अपणे मन में घटते देख्खी सै जद हम इसनै सिख्खै सैं। हम बुझैं सैं बाइबल की कहाणी के इस हिस्से मै हर एक माणस के भाब्दों अर क्रिया तै हम के सिख्खैं सैं? क्रिया अर बोल्ले होड भाब्द अक्सर उन्ह पात्रां के बारे मै आत्मिक जाणकारी प्रगट करैं सै।

45 उस हिस्से मैं करी गई चर्चा के बारे मैं हम खुद तै बुझैं सै, जिसमैं यी ु अर पिता परमे वर भाामिल सै। हम बुझैं सैं के कहया गया, के करया गया, कुण सै फैंसले लिए गऐ अर कुण से फैंसले करे जा सकै थे अर साम्हणे कुण से नतीजे आऐ अर कोण–2 उस फैंसले तै प्रभावित होए? जवाब प्रगट करे सैं– जिसनै हम आत्मिक जाँच कैंह सै। खजान्ने के आहस्तै अर सावधान पूर्वक ि ाकार तै म्हारे की तरिया जिन्दा माणसांह नै कैह सै अर के करै सै जद उन्हकोजीवन मै इसी समस्या तै साम्हणा होवै सैं अर जो फैंसले उन्हानै करे या करते उन्हका उन्हके जीवन पै के प्रभाव पड़या। इसके इलावा बुद्विमान सलाहकार नै बुझया जद हम बाईबल की कहाणी सुणैं सैं ते परमे वर की ओड़ देख्खै सै। चाहे परमे वर का नाम बाइबल की कहाणी मैं आया या नहीं पर हम देख्खैं से के बाइबल की कहाणी के जरिये परमे वर माणसांह के जीवन मैं के कर रहया सै। अर हम उसके बारे मैं के सीखैं सै।

जिन्दा, सांस लेण आल्हे माणसांह के बारे मैं सोचना भुारू करैं जिन्हानै असल मै इस हालात का साम्हणा करया सैं अर अनुभव करया सैं। महसूस करैं के उन्हमैं भी भावना अर चेतना सैं जिसा म्हारे मैं सैं। कल्पना करैं के उन्ह माणसांह नै उस हालात में किसा महसूस करया होगा, जो के जरूरी नहीं था के उन्हानै इसाऐ महसूस करणा चाहिए था। तै कहाणी नै आच्छी तरियां समझाण खातर हमनै कहाणी के पात्रांह पै ध्यान देणा पड़ैगा के कहाणी के एक हिस्से मैं उस गेल्यां के घटया।

कहाणी का पैहल्ला हिस्सा देख्खै अर सावधानी तै जाँच करै अर सुणैं खुद तै बुझै सोच्चै के मैं उन्ळ माणसांह के बारे मैं उन्हानै करते देखणा चाहूं सूँ या उन्हानै सुणु सूँ या उन्हतै के सिख्खू सूँ।

46 के वे बहादर या डरे होड़ दिख्खै सै, दुखी या खु ा दिख्खै सै या मैं कोए दुसरी भावना देख रहया सूँ जो उन्हानै महसूस करण का कारण बण रही सै अर इस तरियां होवै भी सैं।
हर हिस्से मैं उन्हके चुनाव पै ध्यान करैं। के बेरा किसे माणस नै कुछ अलग ही फैंसला करया हो ?
बाईबल की हर कहाणी मैं इस बात की पैहचाण करैं हर एक याहड़े ताहीं के परमे वर पिता अर यी ु मसीह भी भाामिल सैं जो घणे–चुनाव कर सकैं थे। उन्हके धोरै ओर भी विकल्प थे। जद आप कहाणी के हर एक हिस्सै मै अलग–2 चुनाव देखणा भाुरू करैंहगे तै आपनै कहाणी की सच्चाई का बेरा पाटटैगा। याद राख्खैं के ये चुनाव सभतै पैहल्यां उन्हके मन मैं आए फेर उन्हानै उन्ह चुनाव पै अम्ल करया।
विचार करण भाुरू करैं। कुण से दुसरे चुनाव जो आच्छे साबित होते या भूण्डे साबित होते कर जा सकै थे।
चुनाव भाायद कमजोर था। अर आपनै देख्या के नतीजे खराब लिकड़े क्यूके चुनाव ठीक ना थे। भाायद चुनाव ठीक थे तै कुछ आच्छी घटना घटी, या कुछ हैरान करण आला होया जो भाुरू–2 मै आपनै आच्छा ना लाग्या होगा
तम्हनै हैरान होवण की जरूरत सैं। कहाणी के उस हिस्से मैं दुसरा कोण प्रभावित हो रहया सैं अर उसपै के प्रभाव पड़ रहया सै।
खुद तै बुझैं।
47 परमे वर नै मैं इस कहाणी मैं क्यूकर देख्खूं सूँ ? जो उसनै कहया या करया मन्नै उसतै के सिख्खण नै मिल्लै सैं? इस तरियां हम आत्मिक जाँचपड़ताल खोज्जैं सै हम कहाणी के हर एक हिस्से मैं जा कै इस तरियां के सवाल करै सैं। हम भाब्द, काम, चुनाव करे होड़ या करे जाण आले अर उन्हके दुसरे माणसांह पै प्रभाव पै ध्यान करैं सैं? फेर हमे ाा हम बुझैं सैं। मैं उन्ह माणसांह के जीवन मैं के काम करते अर इजाजत देते देख्खूं सूँ आप हर कहाणी ने आत्मिक खजान्यां खातर देख्खैं, इस तरियां बुझ कैः कहाणी मैं हर एक पात्र के कर रहया अर के कैह रहया सै ? इसतै मन्नै उस माणस के बारे मैं के बेरा पाटटै सैं? के कहाणी के जरिये जाण सकूँ सूँ के माणस वि वासी सै, खोज्जी सैं, भाक्की सैं या तिरस्कार करण आला सैं? के वि वास या भाक दिखाया जा रहया सैं?
परमे वर कहाणी के हालात नै क्यूकर चेतावनी, ि ाक्षा अर उत्साह देण खातर इस्तेमाल कर रहया सै? उसके बाद जो खुल्लही सुचना पसन्द करैं सैं उन्ह खातर प्र नां की एक लाम्बी सूचि सै के आप आत्मिक खजान्ना खोज सकैं सैं। ये सभी आप खातर सुझाव सैं जो आपने एक विचार दे सकैं सैं के आप कहाणी के खजान्ने नै कितने अलग–2 तरिके तै खोज सको सो।

खुद तै स्वाल करै :

1. के कहाणी में कुछ इसा सै जिसतै मैं हैरान होया : परमे वर के काम, या माणस या उन्ह माणसांह के ब्योहार का नतीजा? जद आप सावधानी तै वा कहाणी सुणो सो चाहे परमे वर नै वा बाइबल में किसी भी तरियां म्हारी खातर पे ाकरी सैं। देख्खैं गर आप हैरानकरण आला हिस्सा देख सकैं तै आच्छा होगा।

2. इस घटना तै पैहल्ले के आया था जो मेरी सोच ओर निखार सकै सैं जिसा कुछ पात्र कोण सैं अर वे किसा ब्योहार कर रहे सैं ?

3. के मैं परमे वर के कुछ गुण का प्रद ान देख्खू सूँ जिसा के धीरज, लाम्बे दुखः, छौ, ज्ञान, फैंसला, दयालुता, अनुग्रह किरण, कमजोर की चिंता, सभ माणसांह खातर प्रेम अर बराबर आद्दर ?

4. ये सारे गुण परमे वर नै किसतै दिखाऐ अर के परमे वर मन्नै भी इन्हतै कुछ सिखावै सै?

5. के मैं कहाणी तै जाण सकूँ सूँ के इसमै आऐ माणस वि वासी थे या अवि वासी ?

6. कहाणी मै आए माणस के गंभीर खोज्जी, बणावटी या परमे वर का कठोर तिरस्कार करण आले थे ?

7. के कहाणी में किसे नै समस्या सै? गर सैं तै वा कितणी बड़ी सै?

8. क्यूकर समस्या तै घिरै माणसांह नै समस्या का समाधान करया ?

9. गर समस्या तै घिरे माणस सहायता खातर परमे वर धोरै आवैं सै तै वो क्यूकर सहायता मांग्गै सै ?

49 10. के माणस परमे वर धोरै आद्दर या उदण्डता तै आवै सै?

11. इस तरिया परमे वर के धोरै जाणे पै परमे वर नै किसा जवाब दिया? अर वो हमनै के दिखाणा चाहवै सै?

12. के समस्या तै धीरे माणस मदद खातर किसे दुसरे माणस धोरै भी गये ?

13. इस हालात मै मदद क्यूकर मॉंग्गी गई ?

14. के समस्या आले माणस नै अगुवांह का आद्दर करया ?

15. के हुड़ै कहाणी मै एक अगुवा सै जो परमे वर के पाच्छै चाल्लै सैं? गर इसा सै तै आज्ञा मानन्ण का के नतीजा लिकड़या?

16. के हुड़ै कहाणी मै एक अगुवा सै जो परमे वर के पाच्छै ना चालता? गर इसा सै तै उसके आज्ञा ना मानन्ण का के नतीजा लिकड़या?

17. के हुड़ै कहाणी मै कोई वि वास नै या ब्योहार नै बदलै से ?

18. के कहाणी मै पात्र दिखावै सै या बतावैं सैं के वे के सोच्चै अर के महसूस करैं सै?

19. के पात्र मै तै कोई वि वास, प्रेम, दया, छौह, डर, आ ा, भाक, लोभ, भ्रम, अज्ञानता, बुद्धि, आद्दर, अनाद्दर, अंध वि वास या कोए दुसरे ब्योहार का सबूत दिखा रहया था ?

50 20. किस तरियां परमे वर उन्ह माणसांह के वि वास, चेतना, भाब्द या काम का जवाब दे रहया सै ? अर परमे वर के उतर तै हमनै के बेरा पाटटै सै?

21. के कहाणी मै कुछ पात्र अपणा ब्योहार बदलै सै ?

22. बसल मै कौण सी बात नै वे बदले ?

23. उन्हके बदलण पै के होवै सै? अर वो हमनै के सिखावै सै ?

24. के हुडै कहाणी मै कोए चमत्कार या आलौकिक घटना घटै सै? गर इसा सैं तै वे कहाणी मैं माणसांह के जीवन नै क्यूकर प्रभावित करैं सै?

"केवल कथा की सफलता की ताली" आत्मिक जीवन मै लाग्गू करना" आत्मिक जांच पै आधारित सै जिसनै

आप कहाणी मैं खोज्जो सो ।

2. आत्मिक जीवन मैं लाग्गू करण आल्ले खजाने नै क्यूकर खोज्जैं? आत्मिकता मैं लाग्गू करण के राज : जद हमनै सावधानी तै एक कहाणी देख ली तै उसके बाद हम जाणणा चाहवैंगे के आज म्हारी खातर इस कहाणी का के मतलब लिकड़ै सै इस बखत ही हम आत्मिक जीवन मैं लाग्गूपण नै देख्खैं सै। के आपनै कहाणी मैं दाखिल होते होए उन्हकी आँखा तै कहाणी देखी सैं जिन्हानै या जीवन मै जी सैं? कहाणी के भीतर आप उस हर हिस्से नै देख्खैं जो आपनै आत्मिक जाँच के रूप मै खोज्जे सैं।

51. खुद तै तीन सवाल बुझै :

1. आह वा हालात जो मन्नै इस कहाणी मैं खोज्जी सै? के आज भी कुछ इसा होवै सै? गर होवै सै तै यू क्यूकर उस घटना की तरियां सै ?

2. के मेरी गेल्यां कदे इसी घटना घटी या मेरे किसे जाण पैहचाण आले गेल्यां ?

3. के या बात इब्बे घट रही सै? गर इसा सैं तै यू उस गेल्यां क्यूकर घट रहया सैं अर या बात इस कहाणी मैं क्यूकर मदद करैं सै?

इस गेल्यां उन्ह सवाला का इस्तेमाल करैं जिन्हतै आपनै आत्मिक जाँच मैं मदद मिली थी जो खास आत्मिकता खातर सै। के बेरा मैं कहूँ हाँ। इसा मेरी गेल्यां पाच्छले दिनां मैं घटया मन्नै के कही थी? मन्नै के करया था? मेरे फैंसले का के नतीजा लिकड़या? मेरे फैंसले तै कोण–2 प्रभावित होए? अर किस तरियां उन्हका असर होया,? गर मैं इब भी कुछ इसे हालात तै गुजर रहया सूँ तै इस कारण मैं किसा ब्योहार कर रहया सूँ? कहाणी मै होव आली घटना तै मैं के सिख्खॅं सूँ जो मन्नै न्यू जाणण मै मदद करै के मन्नै अपणी इस हालात मै के करणा चाहिए।

कहाणी के आख्खर मै कुछ सवाल खुद नै बुझै :

मेरी इस हालात मै–मै परमे वर नै क्यूकर काम करते देख्खूं सूँ या अपणे जाण पैहचाण आले के जीवन मैं जिसपै बीत रही सै?

52 मन्नै के सिख्या या मन्नै परमे वर के बारे मैं अर उसके चरित्र के बारे मैं ओर के सिखणा चाहिए?

जद आप कहाणी नै आच्छी तरियां पढ़ो सो इसके बारे कई बै आप भ्रमित भी हो सको सो जद आप जाणण की कोि ा ा करेंहगे के परमे वर नै उस माणस तै इस तरियां क्यूं जवाब दिया। कदे–2 जद आप कहाणी पढ़ैंहगे तै या सोच आपमै आ सकै सै या एक आच्छी कहाणी सै पर मन्नै इसमै कुछ भी आत्मिक बात नजर ना आती। अर मन्नै नहीं बेरा के इसका मेरे जीवन तै के सम्बन्ध सै।

इसनै जाणै : बाईबल की हर कहाणी मै आज म्हारी खातर जरूर कुछ सै। देख के आण आल्ले दो वचना मैं परमे वर की सच्चाई जो म्हारी खातर सैं उसनै ढूंढण पाओ । या बात आपनै कोि ा ा करण मैं मदद करैहगी के परमे वर जो कहाणी मैं कर रहया सै अर आत्मिक जाँच अर उसके लागूपण नै भी जो आपके जीवन खातर सै। 2तिमू03:16–17 "सारा पवित्र ाास्त्र परमे वर की प्रेरणा तै रचया गया सैं, अर उपदे ा देवण मैं, समझावण मैं अर सुधारण मैं अर धर्म की ि ाक्षा देण खातर लाभदायक सै (17) के परमे वर का जन सिद्व बणै, अर आच्छे काम खातर हमे ाा तैयार रैह।"

कुरि0 10:11–13 "पर ये सभ बात, जो उन्हपै पड़ी, दृश्टांत के तौर पै थी, अर वे म्हारी चेतावनी खातर जो जगत के अंत मै रैह रहे सै लिख राखी सैं। (12) इसलिए जो समझै सै मैं स्थिर सूँ, वो चौकस रैह के कित्ते गिर 53 ना पडै? (13) तम्ह किसी इसी परीक्षा मै ना पडे जो माणसांह के सैहण तै बाहर सैं। परमे वर साच्चा सै अर वो तम्हनै थाहरी हिम्मत तै बाहर परीक्षा मैं ना पड़ण देहगा पर परीक्षा गेल्यां निकास भी करैहगा के तम्ह सह सको"।

ये वचन कैहवैं सै के बाइबल के सारे भाब्द जिसमै कहाणी के भाब्द भी सैं–म्हारी खातर लिख राख्खै सै। हमनै बेरा सै के परमे वर नै कहाणी में पेज बढ़ावण खातर भाब्द नहीं दिए। इसलिए हमनै सावधानी तै देखणा चाहिए के बाईबल की कहाणी की सच्चाईयां म्हारे जीवन खातर के मतलब राख्खैं सैं।

एक कहाणी सुणावण आले अर प्र न बणावण आले के रूप मैं आप उन्ह कदमाहं नै ठाओगे जिसतै आप आपके श्रोता नै सच्चाई ढूँढण मैं मदद करैंहंगे। आप खजान्ना ढूँढण मैं अपणे श्रोता कि जद ताहीं मदद ना कर सकते जद ताहीं के वे अपणे आप नै ना खोज लें। गर कहाणी तैयार करते बखत आप कहाणी सुणावण आले के रूप मैं, कहाणी तै आत्मिक रूप तै प्रभावित नहीं सै तै यू आप खातर आच्छा बखत सैं के बाप वापिस जावैं अर परमे वर की अर कहाणी की सच्चाई देख्खैं। गर आपनै खजान्ना खोज्जण के सारे निर्दे ा का पालन करया सैं अर फेर भी आपनै उस कहाणी मैं कोई सच्चाई ना मिली इसका मतलब इब ताहीं आपकी तैयारी नहीं सैं के आप इसी कहाणी कै दुसरेयांह नै बतावैं।

54 जद आप एक वै कहाणी नै आच्छी तरियां पढ़ैहगे अर इसके पाठांह मैं ते कुछ खोज्जैं तै आप प्र नां नै बणावण खातर तैयार सैं जो श्रोताओं की अगुवाई करैंहगे के वे खजान्ने खोज सकैं।

प्र न बुझण का मैहत्व –

गर आपनै बाहर चलते बखत एक खजान्ना खोज लिया तै आप घणे खु ा होंगे। गर आपनै वो खजाना ले जा कै अपणेदोस्तां मैं बाटटया तै वे भी घणे खु ा होंगे। उन्हानै खजान्ना पाकै इतणी खु ी ना होती जितनी आपनै खोजणा खुद मै एक रोमांच अर खु ी सैं।

जद आप ि ाक्षा की भुारूवात चर्चा के रूप मैं करैं तै आसान जवाब आले स्वालां तै करैं।

या बात केवल कथा की सफलता खातर घणिए जरूरी सैं। कई माणसांह नै नहीं बेरा के बाईबल आत्मिक खजान्ने तै भरी पड़ी सैं। पर कईयांह नै बेरा सैं के बाईबल की कहाणियां बहोत आत्मिक खजान्नै सै पर वे अपणे आपनै मे खजान्ने लायक ना समझते। जद माणस आसान सवालां का सही जवाब देवैं सैं तै इसते उन्हानै और जवाब खोज्जण मैं उत्साह मिल्लै सैं। घणखरे वि वासी बाईबल की कहाणी मैं भाब्द अर अर्थ आच्छी तरियां नहीं

55 खोजते उददे य भरे सवालांह (चाहे हाँ/नाँ वाले क्यू सैं) का इस्तेमाल माणसांह खातर करया जावै सैं के वे अपणे आत्मिक जीवन की जांच कर सकै। जिन्ह धोरै बाईबल की ि ाक्षा सै, जिन्हानै बाईबल कालेज मैं पढ़ाई करी सैं उन्हानै बेरा सैं क्यूकर कहाणी की जाँच करै पर के बेरा उन्ह धोरै कहाणी सुणण की क्षमता सै अक ना। केवल कथा बाइबली की कहाणी नै अपणी गेल्यां राख्खै सैं इसनै अकेली सच्चाई के साधन के तौर पै सुणया जावैं सैं। कदे–2 कुछ माणस बाईबल की कलास मैं न्यू सोच के आवै सैं के उन्हानै बाईबल के बारे मैं जो जाणणा चाहिए वो सभ कुछ बेरा सैं आप इसे माणसांह खातर इस तरियां के स्वाल तैयार करैं के में घामण्डी माणस अपणे आप गढढे मैं गिर पड़ैं सै। एक गढढा एक सवाल नै प्रगट करैं सैं जो इस तरियां श्रोता तै बुझया जावैं सैं के जो उन्हानै गलत धारणा या झूठी कल्पना पकड़ राख्खी सैं उसनै छोडडण मैं उन्हानै मदद मिलै जद चर्चा बढैं सैं अर चर्चा के बीच आच्छै उत्तर मिलैं सै तै इसे माणसांह नै एहसास होवैं सै के इब ताहीं उन्हानै गलती करी सैं। उन्हकी गलती कोमलता तै यू सच प्रगट करैं सैं के उतणा नहीं जाणते जितना उन्हानै पैहलै सोच्या था। इस तरियां हैरानी भरे अनुभव तै हाजिर माणसांह नै ओर रूचि होवै सै के वे कहाणी नै सच्चाई तै सुणैं।

56 कई बै माणस पावैं सै के कहाणी के बारे मैं जो उन्हानै पैहल्लै सुणया था (सोच्चैं थे के ठीक था) वो ठीक ना था, वे कहाणी के बारे घणी बात चुक गे थे। ये माणस न्यू भी याद करैं सैं उन्हानै कहाणी ध्यान तै सुणणी थी के देख्खैं असल मैं सच्चा के सै।

इब भी दुसरे माणसांह धोरै कोई सोच नहीं सैं के उन्हानै बेरा पाटटै के कहाणी की राह पै धन छिपया होड़ सै। इसनै वे खोज सकै सैं। केवल कथा मै जिसा हम सीख्खण आल्यांह के नवे झूण्ड गेल्यां काम करणा भुारू करैं सै तै हम खजान्नै की राह मैं उन्हकी अगुवाई करैं सैं अर लगभग उन्हके हाथ्यां मैं खजान्ना देवैं सै। आच्छा ि ाक्षक माणसांह की इस तरियां अगुवाई करै

सैं के वे समझैं के उन्हानै ही खोज करी सैं। जद कक्षा के सदस्य कहाणी तै अपणी खातर छोटे तै छोटे भाग तै भी खजान्ना खोज्जण मैं काबिल बणे से तै उन्हानै होर खजान्ना खोज्जण का उत्साह आप ही मिलै से पवित्रात्मा, एक महान ि ाक्षक जो अवि वासी से उन्हानै के हम सिर्फ यूहन्ना 3:16 ही सुणावैं सैं अर उसके बाद के वचन ना सुणात्ते? के हम उन्ह वचनां पै चर्चा ना करते अर न्यू सोच्चै सैं के यू तै सिर्फ पवित्रात्मा का काम सै। नहीं, हम अक्सर उन्ह वचनां पै भी चर्चा करैं सैं।

57 हमनै बेरा सै के बाईबल बतावै सै पवित्रात्मा सारी सच्चाई मैं महारी अगुवाई करहैगा। पर दुख की बात सै के जद हम दुनिया भर मैं केवल कथा बाटटण जावैं सै तै हमनै अक्सर इसे वि वासी मिलैं सै जिन्हानै कतई नहीं बेरा के बाईबल की कहाणी मैं खजान्ने छिपै होड सैं। आओ जाणै के परमे वर उन्हानै सिख्खण मैं मदद करैंहगे। तै पवित्रात्मा खाल्लीकमरे के आग्गै खड़े होकै सिखावण खातर इंतजार करै सैं। केवल कथा मैं जद हम कहाणी तैयार करैं सै तै हम परमे वर तै मांग्गै सै के हमनै कहाणी मै खजान्ने दिखावैं अर हम उसकी सहायता तै इसे सवाल बणावैं सै जो दुसरेयांह

की खजान्ने खोजन्न मै मदद करैं सै जो हमनै इब ही खोज्जे सैं। जद हम श्रोता तै प्रार्थना करैं सै के परिवत्रात्मा चर्चा मैं हमनै सही राह दिखावै। फेर जद श्रोता एक खोज करैं सैं तै हमनै याद आवै सै के पवित्रात्मा कमरे मैं हाजिर हर एक माणस तै बात कर रहया सैं जिसमैं हम भी भाामिल सै। कदे कदे आपके श्रोता इसे सवाल करैंहगे जिन्हका उत्तर बाइबल की दुसरी कहाणियां या जाणकारियांह तै दिया जाणा सैं। गर आप जवाब जाणो सो अर बाइबल तै उसका सबूत दे सको सो तै आपने परमे वर तै बुद्धि मांगणी सैं के आप पूरा अर सही उत्तर दे सको या तै छोटे स्वाल का जवाब देवैं। के बेरा आपनै अगुवाई होवै आप कहो के आच्छा स्वाल सैं। आओ प्रभु की इन्तजार करैं के आपनै नवी दि ाा मिलै।

58 पर मैं दुसरे बखत एक योजना बणाउँगा के आपनै बाईबल की पूरी कहाणी सुणाऊँ जिसका सम्बन्ध आपके काहल तै हो।इब भी आपनै जरूरत सैं के आप अपणे श्रोता के प्रति सचेतन रैह। पवित्रात्मा या किसे माणस की भूख आपनै इसे स्वाला की ओड़ ले ज्या जिन्हकी आपनै कदे आ ाा ना करी हो। कहाणी के बाहर के सवालां नै अपणी खातर एक अदभुत अवसर समझै के इन्ह तै सच्चाई खोज सकै। इस तरियां के मौके कदे ना खोवै उन्ह सवाल्लां के जवाब जरूर देवैं।

कहाणी सुणावण आले इस तरियां की चर्चा भौली मैं ि ाक्षा देते होए उन्ह सवालां के बारे मैं चेतन रैहं जो उन्हानै इस्तेमाल करणे सैं। समझदार अगुवे सिख्खैं सै के जद कलास के सदस्य अपणे खजान्ने आल्ले आहस्तै–2 सबूत देणा बन्द करैं सैं जिसतै श्रोताओं के जवाब उभर कै आणा भाुरू होवै सै। कृपा ध्यान करैं के मारथा अर मरियम की कहाणी मैं या इसी ओर दुसरी कहाणियांह मैं बहोत से खजान्ने अर आत्मिक लाग्गूपण आप खातर छिप रहे सैं। केवल कथा कार्य ााला मैं हम उन्हानै जो केवल कथा सीख रहे सैं लिखावैं सैं के वे अपणे प्र न ना लिख्खैं। हम सिर्फ इस

हाथ तै लिख्खी हो पुस्तक मैं सवाल्लां नै सुचिबद्ध कर रहे सैं ताकि वे जो पढ़े लिख्खे सैं अर वे भी जो केवल कथा कार्य ााला मैं आण जोग्गे नही सैं, केवल कथा का तैयारी के काम मैं मानसिक तौर तै विचरण करण मैं काबिल होंगे।

कहाणी सुणाण आले जद मरियम/मारथा की कहाणी सुणावैं सैं तै उन्हानै कुछ आत्मिक जांच अर लाग्गूपण मिलैंहगे अर जिसकी हमनै सूचि बणाई सै इसतै पैहल्यां के वे सवालां ताही पहोचै जो उन्हानै खजाने की ओड़ अगुवाई करैहगी, वा सूचि खोज्जी ज्याहगी। इस तरियां जद कलास के सदस्य भुारू मैऐ खजान्ना खोज्जैंगे या घणी अदभुत बात होगी अर दिखावैहगी के उन्हानै खोज का अनुभव हो रहया सैं। सेवकाई मै जद आप प्र नां के माध्यम तै खजान्ना खोज्जण मैं अगुवाई करो सो ते सिर्फ तैयार करे प्र नां का उस बखत इस्तेमाल करैं जद कक्षा के सदस्यां नै इन्हकी जरूरत पडै।

प्रेम दिखावैं।—

जद हम चर्चा रूपी इस भौली नै सिखावण खातर इस्तेमाल करैं सैं तै हम सभनै सफलता की उस खास ताली का जरूर इस्तेमाल करणा चाहिए जो हम। कुरि0 13:1 मैं देख्खैं सैं। हमनै प्रेम जरूरत दिखाणा सैं।

गर मैं माणसांह अर स्वर्गदूतां की बोल्ली बोल्लूं अर प्रेम ना राख्खू तै मैं ठणठणात्ता होया पीत्तल, अर झणझणाती होड़ झांझ सूँ।

इसनै जाणै : घणखरे माणस झूण्ड के साम्हणैं खड़े होत्ते होए डरैं सैं, बोलते होए डरै सैं, इस तरियां के माणसांह नै आप खुब उत्साहित करैं।

कई बै भाायद आप पासवान्नांह नै सिखा रहे हो। ये माणसांह के साम्हणे खड़े होकै आच्छा मैहसूर करैं सैं। इन्हमै

60 तै घणखरे माणसांह नै अपणा आप्पा जनता के साम्हणे ठीक ना करया (के बेरा घणे लाम्बे बखत तै)तै जद आप चर्चा के जरिऐ ि ाक्षा दे रहे सो उन्ह माणसांह ताहीं जो घबरावै सैं अर उन्ह ताहीं भी जिन्ह अगुवां नै

अपणा आप्पा ठीक ना करया सचेतन बणै। जद सुणण आले कहाणी फेर के सुणावैं सैं या प्र नां के उत्तर देवैं सैं या प्र नां के उत्तर देवैं सै या उन्हको निज जांच नै पे ा करैं सैं, यू याद राख्खैं, कोई बात नहीं चाहे सुणण आले कितणी ही भूण्डी तरियां जवाब दे वैं कहाणी सुणावण आले नै उन्हमैं सुधार खातर बड़ी दीनता अर हलीमत तै व्यौहार करणा सैं। हमे ाा याद राख्खै मुस्कान गेल्या एक सौम्य सुधार गंभीर सुधार की बजाय आसानी तै ग्रहण करया जा सकै सैं।

याद राख्खैं के कहाणी सुणाण आले के नात्ते आप अपणे झुण्ड का माहौल बणाओ सो। आपके धोरै एक विचार सैं चुणण खातर सैं के उन्हा नै उत्साहित करैं उन्हमै जाँच अर खोज्जण की भावना आवै के वे अपणे विचार बता सकैं या उन्हानै इसा महसूस कराकै के परीक्षा का माहौल सैं निरा ा कर सको सो। आप उन्हानै उत्साहित नहीं करते तै वे निरा ा हो सकैं सै। अर यू जरूरी सैं के

वे सही जवाब दवैं। फेर कै जद आप अपणी कहाणी नै याद करण खातर मेहनत करो सो अर सवाल करते बखत आप जिन्ह माणसांह की अगुवाई करो सो उन्हके बारे मै सोच्चो। उन्हानै जवाब देवै अर अपणे दिमाण मैं या बात राख्खैं के आपका हुन्नर सभी कुछ नहीं सैं पर जद आप हुन्नर तै अपणा प्रेम दिखाओ सो वो सभ कुछ सैं।

4–स

61 **हुन्नर 3 : अपणे सवाल क्यूकर बणावैं**

बाईबल की कहाणी सुणावण का खास लक्ष्य, फल अर फेर उन्हपै बाद मैं चर्चा करणा – यू सैं :

परमे वर का चरित्र सिखणा के वो माणस जाति तै अर माणस जाती खातर के चाहवैं सै अर फेर खुद के बारे मैं साच देखणा अर भल मानणा।

केन्या दे । मैं केवल कथा की कार्य ाला के बाद एक हाज्जर कलीसिया रोपक नै समझदारी भरया निरीक्षण (जांच) करया। इस माणस नै परमे वर के वचन सिख्खण खातर अपणा व्योपार छोड़ दिया। पर चार साल्ला मैं इसनै अपणे गाम मैं थोड़ेऐ फल देख्खे। इस कार्य ाला मैं आनण खातर उसनै दो दिन ऊँट की एक दिन ट्रक के ऊपर बैठ के अर एक दिन बस की यात्रा करी। जो भी कार्य ाला मैं इसनै सिख्खा वो प्यार तै सिख्खा। उसनै कहया के याहड़े आकै उसनै हिम्मत मिली। उसनै कहया मैं इब ताहीं वो ही सिखात्ता रहया जो मन्नै दुसरेमाँह तै सिख्या था पर इस प्रि ाक्षण तै पैहल्यां मन्नै नहीं बेरा था के बाइबल तै क्यूकर सीख्खू ? इब मैं देख्खूं सूँ के मैं माणसांह नै उस जगाह नहीं ले जा सका जित मैं खुद कदे ना गया। इसे खातर हम सवालां का इस्तेमाल करैं सै। पैहले कहाणी सुणाण आले परमे वर के वचन तै खुद जाणकारी लेवैं सै।

62 अर फेर प्र नां के माध्यम तै दुसरेयांह की उन्ह बहुमोल सच्चाई की ओड़ अगुवाई करैं सै जो उन्हानै सिख्खी सै। जो माणस केवल कथा सिखणा भुारू करैं सैं अक्सर एक आच्छा सवाल उन्हानै आत्मिक खजान्ना खोज्जण मैं अगुवाई करै सैं। इसा कदे–2 होवै सै। आप पिंजरे के साम्हणै रोटटी का टुकड़ा घाल कै इसी आ ाा ना कर सकते के पंछी आप्पे ही पिंजरा ढूंढ लैं। एक पंछी नै पिंजरे मैं फुसलावण खातर रोटी के टुकड़यांह की कतार बिछाओ। इसी तरियां जद आप प्र नां के माध्यम तै आत्मिक खजान्ना खोजण मैं माणसांह की अगुवाई करणा चाहो सो तै आपनै चाहिए के आप छोटे–सवाल बुज्झैं जो श्रोता नै आसानी तै सच्चाई की ओड़ अगुवाई करैंहगे। इब वापस अपणी कहाणी की भारूवात मैं जावैं। अपणे मन मैं इसके भीतर चाल्लैं, उन्ह आत्मिक जांच के बारे मैं सोच्चैं जो आपनै करी सैं। याद राख्खैं के क्यूकर बुद्विमान सलाहकार नै कहाणी के हर भाग मैं प्र न बुज्झण का मैहत्व बताया था। इस तरियां आप आत्मिक जाँच कर

सको सो। इसी तरियां आपनै जरूरत सैं के अपणे श्रोता तै लगातार सवाल बुजझैं के वे उस्से तरियां खोज करैं ज्यूकर आपनै करी।

63 उदाहरण के तौर पर गर आप उत्पति 12:10—20 की कहाणी सुणा रहे सैं तै आपने कुछ चिजां की जाँच करी होगी जिसा के आपनै तैयारी करी सैं, याहड़े ताहीं के पैहल्ले कुछ पदां मैं भी। उस दे ा मैं अकाल पड़या : तै अब्राहम मिश्र दे ा मैं चाल्या गया के हुड़ै परदे ी होकै रैह क्यूके दे ा मैं भयानक अकाल पड़या था। फेर इसा होया के मिश्र के धोरै पहोंच कै उसनै अपणी बईययर सारा तै कहया, सुण, मन्नै बेरा सैं के तू एक घणी सोहणी औरत सैं, अर जद मिश्री तन्नै देख्खैंगे तै कैहंगे, या उसकी बईयार सैं, इसे कारण वे मन्नै तै मार देंहगे पर तन्नै जिन्दा राख लेहगे।(13)तै न्यू कहणा मै उसकी बैहण सूँ, जिसतै तेरे कारण मेरा कल्याण होवै अर मेरे प्राण तेरे कारण बचे रैंह। भाायद आपनै ध्यान करया होगा जिसा आपनै कहाणी सिख्खी सैं के भुारू मैं अब्राम नै परमे वर पै वि वास करण की बजाय अपणा डर दिखाया। वो प्रतिज्ञा करे दे ा तै अकाल के कारण भाग के मिश्र दे ा चाल्या गया अर सारै तै कहया के उसनै बचावण खातर झूठ बोल्लै (कुछ माणसांह नै इस बात मैं विरोधाभास लाग्गैगा क्यूके बाद मैं परमे वर नै याकूब के कुणबे की अगुवाई करी के वे मिश्र मैं जा के रैंह) पर परमे वर दो हालात मै अलग—2 तरिके तै अगुवाई करैं सै।फेर आप वापस गए होंगे अर आत्मिक लाग्गूपण बणाया होगा जो के उन्ह आत्मिक जाँच पड़ताल पै आधारित होगा।आप भाायद देख्खैंगे के परमे वर नै सारे माणसांह तै प्रतिज्ञा दी जो म्हारे वचन के मान्नण के आधार पै ठहरैं सैं।

64 फेर आप देख्खैं के भूण्डे फैंसले नै दबाव के बखत लाग्गू करैं सै। दुनिया धोरै मदद खातर जावै सैं अर परमे वर तै सलाह नहीं मांगते। आप महसूस करैंहगे के कद हम फिलहाल के बखत मैं घणे पाप करैं सैं जिसा के ाडयंत्र, झूठ बोलणा अर उन्हानै भाामिल करणा जो म्हारे पाप पै भरोसा राख्खैं सै।

इब अपणी जाँच नै सवालां मै बदलै :—
कहाणी मै सवाल घाल्लैं ।

याहड़े कुछ सवाल सैं जो घणिए खोज अर आत्मिक जाँच पै आधारित सै।

(अ) उस कहाणी तै जो हमनै पैहल्यां एक साथ सिख्खी अर चर्चा करी थी, परमे वर नै अब्राम तै कित जाण खातर कहया के हुडै, जा अर परमे वर नै अब्राम तै के कहया था के वो हुडै उस खातर करैहगा ?

(ब) हमनै देखा के एक अकाल नै अब्राम मजबूर कर दिया के वो वादा करे दे ा नै छोड़ कै मिश्र दे ा मैं सहायता खातर चाल्या जा। जद खाणा कम था तै अब्राम दे ा छोडडण के इलावा और के कर सकै था ?

(स) इस कहाणी मै किस तरियां की भावना अर एहसास नै अब्राम नियंत्रित करया ? अब्राम नै जो सारा तै कहया के मिश्रियांह नै कैह, उस भावना नै आप क्यूकर देख्खो सो?

65 (द) इस कहाणी की भाुरूवात मैं हमनै कटठे होकै चर्चा करी थी के परमे वर नै अब्राम तै कई प्रतिज्ञा दी थी जो उसनै साहसी अर निडर होवण मैं मदद कर सकै थी, वे कुण सी थी ? अब्राम नै अपणा भरोसा किसपै राख्या था ?

ई) अब्राम धोरै कौण था जिसनै उसके पाप तै चोट पहोंची? व्याख्या देवैं।

इब आत्मिक जाँच के आधार पै जो उन्ह श्रोता नै चर्चा करी सै आग्गै नमूने के सवाल देख्खैं जो आत्मिक लाग्गूपण की खोज खोल्लैहंगे।

अ) परमे वर नै अब्राहम तै आ ाश खातर एक जगाह निर्दे ा दिए। के किसी दुसरी कहाणी मैं परमे वर नै उन्ह मैंह तै किसे तै किसे जगाह निर्दे ा दिए के उन्हानै आ ाश मिलै? ज्यूकर के ?

ब) आज के आपनै या आपके किसे जाणकार नै भाायद एक जीवन खोवण के डर के हालात का साम्हणा करया? अब्राम के चुनाव मैं हम के कुछ देख्खैं सैं जो उस हालात मैं मदद कर सकै थे ?

स) जद म्हारा वि वास कम होवै सैं तै मदद खातर हम परमे वर नै छोड़ कै किस धोरै भाग्गे जावैं सैं?

66.

म्हारे जीवन में इसी कुण सी घटना घट सकैं सैं जो हमनै इसी परीक्षा मैं ल्यावैं सैं के हम अपणे जीवन मैं परमे वर

के आज्ञाकारिता के स्थान नै छोडडैं सैं?

ई) जद म्हारे जीवन मैं मुस्किल हालात आवै सैं तै हमनै के करणा चाहिए ।

फ) जद म्हारे जीवन मैं मु कल हालात आवै सै तै म्हारे वै कुण सी भावना हावी होवैं सैं? एक उदाहरण देवैं। म्हारे जीवन पै कोण सी भावना का कब्जा होना चाहिए ?

ज) के किसे बाइबल कहाणी मैं जो हमनै एक साथ ध्यान धरकै सुणी, के परमे वर किसे तै इसी प्रतिज्ञा करी जिसपै आज भी माणस भरोसा कर सकैं सैं?

ह) याद राख्खैं क्यूबर अब्राम के वि वास की कमी तै दुसरे माणसांह पै असर पड़ा, आज जद हम पाप करैं सै अर परमे वर पै भरोसा ना करते तै इसतै के दुसरे प्रभावित होवैं सैं ? कुछ उदाहरण देवैं।

याहड़े सिर्फ किम्में आत्मिक जाँच, निरिक्षण अर आत्मिकता मैं लाग्गूकरण आले सवाल सैं, जो आप भाायद उप्पत्ति के पैहले हिस्से तै बुझ सकैं सैं।

याहड़ैं ध्यान देवैं : भाायद आपनै इसे सवाल तैयार कर लिए जिन्हतै श्रोता नै वो आत्मिक खजाना मिलैगा जो आपनै पैहल्ले ही मिल चुकया सैं। आपनै हमे ाा अपणे श्रोता के सवाल जवाब अर जाँच का जवाबदहे होणा सै। वे दुसरे खजान्ने देख सकैं सैं या उस कहाणी के बारे उन्ह धोरै सवाल हो सकैं सै जो आप सुणा रहे सो। अपणे सवाल बुज्झैं अर पवित्रात्मा नै अधिकार देवें के जिसा वो चाहवै उसाऐ आजादी तै श्रोता तै बात कर सकै।

यू कहाणी का नमून्ना सिख्खैं : के बेरा आप चाहवैंगे के पाच्छै जाकै हुन्नर एक की हटकै जाँच करैं, उस जाणकारी का इस्तेमाल बाइबल की कहाणी सिखण मैं करैं। जो लूका मैं सैं। लूका 10:38–42 "जद वे जा रहे थे तै.वो एक गाम मैं रूकया अर मार्था नाम की एक औरत नै वो अपणे घर मैं तारया। (39) मरियम नाम की उसकी एक बाहण थी। वा प्रभु के चरणां मैं बैठ कै वचन सुण रही थी। (40) मार्था सेवा करते–2 घबरावण लाग्गी, अर वा उसके.धौरे आकै कैहण लाग्गी, "के तन्नै कुछ भी चिंता नहीं के मेरी बाहण नै मैं सेवा खातर केल्ली छोड़ दी? इसलिए इब उसनै कैह के मेरी मदद करै, (41) प्रभु नै उसतै कहया, "मार्था हे मार्था : तू बहोत बात्तां की चिंता करैं अर घबरावै सैं। पर एक बात जरूर सैं, अर वो उत्तम हिस्सा मरियम नै चुण लिया जो उसतै छिनया ना जाहगा।

68

इब असली माणसांह नै कहाणी सुणावण का बखत सैं।

पाठ–5

पे ाक ा भाग एक : तीन बै कहाणी सुणाणा

श्रोतागण नै तीन बै कहाणी सुणाण देणा। इस तंरियां उन्हानै कहाणी जाणण मैं मदद मिलैगी के वे सवालां का आच्छी तरियां जवाब दे सकै।

1. आप कहाणी सुणावैं
2. आप क्षुद श्रोता तै वाहे कहाणी दुबारा सुणाण नै कहैं। अर
3. आप कहाणी के जरिए अगुवाई करैं (जो के आपके माध्यम तै कहाणी सुणाणा सैं) पर आप कक्षा के सदस्य तै आपकी कहाणी सुणावण मैं मदद करैं) पैहल्ली बै–आप कहाणी सुणावैं।

कहाणी जितणा आप सही–2 अर रूचिपूरण ढंग तै सुणा सको सुणावै जद आप कहाणी सुणावैं तै बहोत से भाारीरिक हाव भाव अर क्रिया का इस्तेमाल करैं। पैहल्ली कहाणी सुणावण का दुसरा तरिका यू सैं के सहायकों नै कैह के बिना बोल्ले एकसन करकै बतावैं। सहायक सही आवाज जोड सकैं सैं पर हर भाब्द एक्सन पै ही फिर बैटठे तै सही रैहगा। क्यूके श्रोतागण इब भी सुण रहे सैं। केवल कहाणी सुणावण आला पूरी कहाणी पे ा कर रहया सैं तै वे उस कहाणी नै दुबारा आपनै सुणावण मैं सक्षम बणैंहगे। इस गेल्यां ही कहाणी सुणाण आले तै

69 कहाणी सुण कै श्रोतागण अपणे कुणबे अर मित्र प्यारांह नै भी कहाणी सुणा सकैंहगे। जिन्हानै इब ताही कहाणी नहीं सुणी। हम सहायकां नै उत्साहित ना करते के वे पात्रां के भाब्दां नै वास्तव मैं कहैं। गर आप अलग–2 सहायकां नै लाईन बोल्लण देंहगे तै यू एक नाटक बण ज्याहगा। एक कहाणी नाटक के रूप में पे ा करणा भी रोचक सैं अर हाजिर माणसांह नै उपदे ा दे सकैं सैं पर याहड़े कहाणी की दुबारा सुणावण की क्षमता खो ज्यावे सैं। गेल्या ही जद माणस लाईन मैं बोल्लैं सैं तै इस तरियां कहाणी ठीक पे ा करणा मुस्किल होवैं सैं जिसा कई माणसांह नै कहाणी का बोल्या जाण आला हिस्सा सिखणा अर याद करणा होवैं सैं। गर पे ा करते बखत कहाणी की लाईन भूलगे तै बाइबल की गंभीर कहाणी भी मजाक का कारण बण जया सैं।

नाटक पे ाकरण अर देख्खण मैं मनोरंजक सैं अर कहाणी नै घणा संजीव कर सकैं सै। पर ध्यान राख्खैं के एक कहाणी का गंभीर संदे ा मतिहीन ना बण ज्याहा दुसरी बै – आप खुद श्रोता नै कहैं के वो उसे कहाणी नै दोबारा सुणावैं।

(दो विकल्प)

विकल्प 1 : कहैं, अपणे धोरै बैटठे माणस की ओड़ मुड़कै एक दुसरे नै कहाणी बतावैं।

70 एक स्वयंसेवक खुद कहाणी सुणावैं सै तै इस तरियां उसनै उत्साहित करणा होवै सैं के वो ऊँच्ची आवाज मै बोल्लण की कोि ा ा करै क्यूके कई जनता मैं बोल्लण तै हिचकिचावैं सैं। याहड़े ताही के मसीह समाज की घणखरी ि ाक्षा भाशण भौली मैऐ दी जावैं सैं। इस कारण माणसांह नै उत्साहित करण की जरूरत सैं के वे बोल्लै अर अपणे विचारां नै स्वर देवैं। गर आप एक कहाणी एक झुण्ड मैं पैहल्ली बै सुणा रहे सो तै माहडै जो विकल्प अपणी बाज्जू मैं बैटठे माणस नै कहाणी सुणावण का सैं। इसमें डर नहीं लैं क्यूके वो उन्हके पड़ौस मैं आराम तै बैटठे सैं। वे आच्छा महसूस

करे सै। विकल्प–2 किसे नै बुज्झैं के हुडैं कोई कहाणी नै दोहरावण आला स्वयंसेवक सैं। गर श्रोता भारमा रहे सैं अर वे आपकी बात का जवाब ना देत्ते तै कैहवै के उतणा सुणाओ जितणा याद सैं। ताली बजावैं, किसे ना किसे तरियां स्वयं सेवक नै उत्साहित करैं जो आख्खर मैं पे ा करण की कोि ा ा करै सै। मुस्कुरा कै स्वयंसेवक तै कैंह के आपनै केवल कथा सुणावण की जरूरत सैं – परिचय बतावण की नहीं। चिंता ना करैं गर आप कुछ कहाणी भूल जावैं तै क्यूके आपनै या कहाणी सिर्फ एक बै सुणी सैं। इसके बाद जद कहाणी आच्छी तरियां सुणाई गई तै आप उसनै सभके साम्हणै कहैं के आपके आच्छी तरियां कहाणी सुणावण तै वे प्रभावित होए सैं। कदे–2 कहाणी दुबारा सुणावण आला आच्छी तरियां ना कर पात्ता या वो उसनै कमजोरी तै सुणावैगा। गर इसा सैं ते श्रोतागण तै सुधार ताहीं ना कहैं।

71 दुसरे के साम्हणे सुधार करणा स्वयंसेवक नै भार्मिन्दा कर सकै सैं। गर कहाणी बहोत सी गलतियां गेल्यां सुणाई जा रही सै तै उसनै कटठा करणा घणाऐ मुस्किल होवै सै। फेर भी सुणाण आला कितनी आच्छी या भूण्डी तरियां कहाणी सुणावै सैं आपनै उन्हकी तारीफ करण खातर कुछ ना कुछ जरूर खोज्जैं। आप इस बात नै न्यू कैह सको सो – मैं आपकी हिम्मत की सराहना करूँ सूँ।

यू बहोत ही सोहणा काम था। जो भाग जो आपनै एक माणस के कोहडी हो जाण के बारे कहया बहोत ही आच्छा

था। मन्नै आपका वो तरिका घणा आच्छा लाया जिसमैं आपने एक हिस्सा ले कै वो घणे की नाटकीय ढंग तै पे ा

करया। इस्से तरियां ओर उत्साहित करण आले बोल। या हटकै कहाणी सुणावण आले नै कुछ जाणकारी जोड़ी सै तै वा भी बताणी बहोत जरूरी सं पर का भी एक दीनता के भाव तै ना के छोह मैं। आप म्हारी गेल्यां ओर भी जाणकारी बाँट सको सो जो इस काणिी मैं नही सैं। गर कहाणी लाम्बी सै तै उसनै समझावण का एक ओर तरिका सैं जिसमैं आप किसे एक नै कैह के यू भाई कहाणी भुारू करैगा अर फेर दुसरा बाकी की कहाणी नै जारी राख्खैगा। एक साहसी माणस के कहाणी भुारू करण के बाद आप दुसरे नै आग्गै बुलावै जद ताहीं के बाक्की झुण्ड मैं कहाणी सुणाण आले पूरी कहाणी ना सुणा लेत्ते।

(गर आप धोरै थाड़ोऐ बखत सै, तै कहाणी को दुसरी पे ाक ा नै छोड़ के सीधे तीसरी पे ाका ा पै जावैं)

तीसरी बै– कहाणी के जरिये अगुवाई करैं।

72.

पैहल्लै आपनै कहाणी सुणाई, फेर एक स्वयंसेवक नै कहाणी सुणाई। इब जद आप तीसरी बै कहाणी सुणावै तै सभनै कैह के कहाणी नै आच्छी तरियां जाणै। या कहाणी की वा भौली सैं जिसमैं हिचकिचाहट अर रूकावट का इस्तेमाल बार–2 करया जावै सैं। इसनै इस तरियां करया जावैं सैं ज्यूकर गर आप कहाणी सुणाण आले नै कहाणी की विशय वस्तु याद करण मैं सहायता की जरूरत सैं तै यू श्रोता की कहाणी याद राख्खण की क्षमता की जाँच होगी। आप कहाणी सुणाण आले के रूप में श्रोता तै आ ाा राखो सो के उन्हमैं तै कोई कुछ भाब्द कहैगा। याद राख्खैं के यू कहाणी नै सिर्फ दोहराणा सैं।

आप कहाणी भुारू करैं, गर आप सुणा रहे सैं तै हर लाईन, वाक्य आप भुारू करैं अर हिचकिचाहट गेल्यां रूक कै

श्रोता नै कैह के बाक्की की जाणकारी वे भरैं। उदाहरण के तौर पै आप कैह सको सो, यी ु अर उसके चेल्ले एक नगर मैं गर अर हुडै एक बईइइयर जिसका नाम उम्म.................. फेर आप हिचकैंहंगे अर इसा हाव भाव दिखावैंहगे जिसा आपनै उन्हकी मदद चाहिए अर आ ाा भरी

आँख्या तै देख्खैंहंगे। माणसांह की बाट देख्खैंहगे के वे खाल्ली जगह नै भरैं। जद वे कैहंगे मार्था तै आप ठीक या गलत मैं जवाब देहगे अर आग्गै जारी राख्खैंहगे। बुज्झैं तै मार्था नै किसने के करण ताहीं कहया? तै जद वे कैह के मार्था नै यी ु तै अपणे घरां आण खातर कहया तै आप कैंह "ठीक"।कई बै कहाणी सुणाण आला कहाणी मैं रूकैहगा अर श्रोता तै आगला हिस्सा कुछ इस तरियां कैहते होड़ कैहण नै कैहगा इब मार्था का एक सम्बन्धी था जिसका जिक्र कहाणी मैं सै।

73

वो कौण सैं अर उसके बारे मैं म्हारे तै के बताया सै? जद वे उत्तर देवैं– मरियम मार्था की बाहण सैं वा यी ु के चरणा मैं बैटठै सैं अर उसकी ि ाक्षा ध्यान तै सुणै सैं, आप कैहं के आप सभ ठीक सो।

कहैं के मार्था के धोरै एक समस्या सै, या वा एक समस्या महसूस करैं सें। वा कुण सी समस्या सै? तै न्यू कहाणी के जरिए श्रोता की मदद खातर आप हिचक सको सो अर इसा दिखावै ज्यूकर आगला भाग आपनै याद नहीं सैं।

खाल्ली स्थान भरण आली भौली का इस्तेमाल करणा सैं के झुण्ड नै कहाणी याद करण मैं आप उत्साहित करैं। गर याहड़े (या किसे भी बखत) जद आप कहाणी मैं खाली स्थान भरण खातर कैह सको सो गर श्रोता जवाब ना देत्ते तैउत्तर बोलणा भाुरू करैं। इस तरियां माणसांह नै मदद मिलैहगी के वे कहाणी नै याद करैं अर बाक्की हिस्सा पूरा करैं। अपणे सवालां मै खास भाब्द दे कै आप माणसांह नै कहाणी के आगले हिस्से तै अवगत करा सको सो। या वि ोश बात सैं के आपके सवालां मैं खास भाब्द भाामिल सैं। क्यूके वे भाब्द इ ारे की तरियां कम करैंहगे जो के श्रोता नै बिना कोई जाणकारी छोहडे कहाणी के आगले हिस्से का उत्तर देण नै अग्रसर करैंहगे। बिना खास भाब्दां के : उदाहरण के तौर जिसा आप कहाणी की जाँच करो सो गर आप कहै : अर मारथा ने के कहया ? एक सुणण आला भाायद सही जवाब देहगा,

74 मारथा नै कहया मरियम तै कैह वा मेरी मदद करै। इब यू सच सैं के मारथा नै कहया था, मरियम तै कैह वा मेरी सहायता करै, " मार्थानै बुझया, हे प्रभु के तन्नै मेरी कतई चिंता नहीं के मेरी बाहण नै मै सेवा करण खातर केल्ली छोड़ दी।" इसलिए अपणी जाँच मैं श्रोता नै मौका दयो के वे कहाणी मैं बहोत आग्गै छलांग लगावै।

खास भाब्दां गेल्या : आप जो उत्तर पाणा चाहो सो तै आप एक प्र न गेल्यां श्रोता की सहायता कर सको सो जिसतै श्रोता नै कहाणी की विशय वस्तु के बारे मैं बेरा पाटटै। एक उदाहरण हो सकै सै : मार्थानै यी ु तै के बुझया ? "बुझया"भाब्द का अपणे प्र न मैं इस्तेमाल करकै आपनै आच्छी तरियां अपणे श्रोता का मार्गद िन करया के वो याद करै के मार्था नै यी ु तै के बुझया था ।अपणे श्रोता की मदद खातर ओर उत्तर ढूँढै जो उन्हानै और आजादी तै बोल्लण मैं मदद करैंगे। उत्साह तै जवाब देवै चाहे माणसांह के जवाब सही सैं या नही। उदाहरण के

तौश्र पै इस सवाल का इस्तेमाल करैं "इब मार्था नै यी ु के कहया, कौण सा पद उसनै इस्तेमाल करया। वे भाायद कैह 'स्वामी' तै आप कैंह सही सैं क्यूके मार्था नै यी ु तै स्वामी कहया हालांकि श्रोता का जवाब स्वामी सहीं नहीं था पर उस माणस का विचार सही था।

75 आप जवाबांह नै उत्साहित कर रहे सै अर उसे बखत आच्छी तरियां सही उतर दे के कहाणी नै सही रख रेह सैं।

जिसा आप कहाणी के जरिए अगुवाई कर रहे सै भाुरू तै अतं ताहीं आप इस तरियां बुझ सको सो जिसा किसनै यी ु घर मैं आमंत्रित करया? कहाणी मैं मरियम के कर रही सै? मार्थाके कर रही सै? फेर एक समस्या आवै सै। समस्या बतावैं? जद मार्था नै यी ु तै बात करी तै उसनै यी ु तै के कैह के बोल्या ? फेर मार्या यी ु तै के बुझै सैं? मार्था समस्या नै क्यूकर सुलझाणा चाहवै सै? यी ु मार्थानै के कैह सैं के वा के कर रही सैं? तै यी ु कैहवैं सैं के मरियम, मार्था की मदद करै। सही? नहीं आप सही सैं? तै यी ु मरियम अर उसके चुनाव के बारे मैं के कैंह सैं? ध्यान देवैं के कहाणी के बारे मैं कुछ कहया गया जो बिल्कुल गलत था। गर मासूमियत तै कैंह तै माणस आपकी सहायता करैंहगे अर वे कहाणी नै सहीं करैंहगे। कुछ गलत कैह के माणसांह नै कहाणी याद करण की भौली श्रोता नै हैरान करै सै अर वे कहाणी मैं बणे रैंह सै पर इसका इस्तेमाल कदे कधार करैं। तीसरी बै कहाणी सुणावण के दौरान, कहाणी श्रोता के मन मैं जमैगी। गेल्यां ही बहोत ही आसान सवाल (जो कहाणी की विशय वस्तु की सिर्फ जाँच सैं) श्रोता नै उत्साहित करैं सैं के कहाणी, सुणाण आले के प्र न का जवाब जोर तै देवैं। जद माणस इन्ह आसान सवालां के जवाब देवैं सैं अर पूरे भरोसे तै कैंह सैं ते उन्हमै वि वास जाग्गै सैं।

76 इसी वि वास की केवल कथा के आगले हिस्से मै जरूरत सैं जो चुनौतिपूर्ण भाग सैं। चर्चा के जरिए श्रोता नै कहाणी मैंह तै खजाना खोज्जण की जरूरत सैं अर अपणी खोज नै ऊँची आवाज तै बतावण की भी जरूरत सैं। इब यू बखत सैं के

पे ाक ा भाग दो, खजान्ने की ओड़ चाल्लै

पे ाक ा भाग दो : इस कहाणी मैं आत्मिक खजान्चा की खोज खजान्ना खोजणा 1 – कहाणी मैं आत्मिक जाँच अर निरिक्षण खोजणा/कहाणी सिखण के दौरान भाायाद आपनै यू आत्मिक जाँच करी हो।

1.जद मार्था नै पाया के वा सारी सेवा केल्ली करण मैं सक्षम नहीं सैं तै उसनै कुछ कमजोर फैंसले करे। हालांकि उसनै निमंत्रण दिया, मार्या अपणी स्थिति खातर दुसरेयाँह नै दोश देण लाग्गी। वा यी ु पै चिंता न करण का आरोप लगाण लाग्गी। वा यी ु पै हक जमान लाग्गी। वा यी ु तै सहायता मांगण मैं असफल रही।

2. मार्था यी ु नै प्रभु कैहवै सैं। पर का इसा ब्योहार करै सैं जिसी वाहे अधिकारी हो।

77 3. यी ु मार्था के जवाब नै नकारात्मक तरिके तै ना लेत्ते।

4. यी ु प्रेमपूर्ण होकै मार्या का सुधार करै सैं

5. मार्था नै सोच्या जो वा कर रही सैं वो जरूरी सैं पर यी ु नै कहया मरियम नै वो हिस्सा चुणया सैं जो उसतै भी जरूरी सैं।

6. मार्था धोरै एक चुनाव था।

7. मरियम नै अपणी संस्कृति अर माणसांह के बजाय यी ु चुणया।

8. यी ु मरियम के चुणे हाड़े हिस्से नै नहीं छिन्नैगे।

खजान्ना खोजणा 2.

कहाणी मैं आत्मिक तौर तै लाग्गू होण आले खजान्ने नै खोज्जै।

इब उन्ह आत्मिक जाँच के आधार पै जो आपनै ढूँढया सैं वापिस कहाणी मैं जावे अर आत्मिकता मैं लाग्गू करण आले कुछ खजान्ने देख्खैं। याहडै कुछ खजान्ने सैं जिन्हानै भाायाद आप कहाणी मैं पावैंहगे।

1. इतणा घणा काम भी ना चुणैं के आप धोरै परमे वर के वचन सुणाण का बखत भी ना बचै कदे आप जरूरी बखत नै खो देवै

2. या कितणी दुख की बात सैं। जद म्हारे जीवन मैं कोई समस्या आवै तै परमे वर तै कैहणा : "के तू चिंता नहीं करता"?

मदद खातर बुझणा आच्छा सै पर परमे वर पै आरोप लागण के तू चिंता नही करता उसका मन तोडणा सैं।

3. जद हम अपणी हिम्मत तै ज्यादा करण का चुनाव करै सैं उस बखत परमे वर नै दोश देणा कितणी मूखर्ता सैं के तू म्हारी (चिंता) सहायता ना करता।

(4) के हमनै परमे वर तै बताणा चाहिए के म्हारी समस्या क्यूकर हल होवैगी ?

5) म्हारी हिम्मत तै ज्यादा काम ले कै–के हम परमे वर खातर काम कर रहे सैं जो भाायद उसनै आपतै करण की भी ना कही हो। के या बात सही सैं के हम दुसरे वचन सिखण आल्यांह नै हटा कै अपणी मदद खातर बुलावैं?

6. कई बै हम परमे वर के म्हारे प्रेम पै सवाल करैं सैं जद एक अनचाही हालात म्हारी गेल्यां हो।

7. हालांकि जद हम परमे वर गेल्यां अनादर का ब्योहार करैं सै वो फेर भी म्हारी गेल्यां आच्छी तरियां बात करैं सै। यी ु धीरजवंत अर कश्ट ठाण आला सैं जिसा के वो हमनै म्हारी कमी बतावैं सैं।

8. जिसा यी ु की साच्ची चिंता अर व्यक्तिगत सम्बन्ध मार्या गेल्यां दिखाया गया जद उसनै उसका नाम ले कै पुकारया था, ठीक उसे तरियां परमे वर म्हारे नाम नै जाणै अर व्यक्तिगत रूप तै बुलावै सैं।

9. इसी बात नहीं सैं के रसोईघर, या सेवा मैं या ओर किसे सेवकाई मैं बखत गुजारणा गलत सैं वर गर

म्हारा काम परमे वर के बोल्ले होड वचनां

79 नै सुणण मैं रूकावट करकै दूर ले ज्या तै हमनै आच्छा काम नहीं चुणया। मार्थाके ब्योहार के बारे मै आखरी कथन मैं वो कैह रहया सैं के मरियम नै वो चुणया सैं जो जरूरी सैं। मार्था चाह रही थी के जो मरियम

कर रही सैं उसनै रोक्कै अर अपणी मदद खातर बुलावैं। मार्थासोच रही थी के जो काम वा कर रही सें वो घणा जरूरी सैं। कई बै हम इसा सोच्चैं सैं के जो हम कर रहे सैं वो घणा जरूरी सैं पर परमे वर की नजर मैं के बेरा यू जरूरी काम ना हो।

11. कई बै हम अपणे हालातां नै अपणे हाथ्थां मै लेवै सैं अर रूककै न्यू ना बुझते के म्हारे तै तू के चाहवै सै हम सभतै बहुमोल अर जरूरी बात का फैंसला करै सैं अर भाायद माणसांह नै उसतै दूर करण की कोि ा ा भी करैं सैं जो परमे वर

नै उन्हतै करण ताहीं बुलाया सैं।

12. यी ु न्यू भी कैहवैं सैं के जो काम मरियम कर रही सैं वो आच्छा काम सैं अर उसतै वो काम कदे ना छिनया जाहगा।या बात इ ारा करै सैं के जो काम मार्थाकर रही सैं वो उसतै छिनया जाहगा।

80

आखरी फैंसले मैं जिसा परमे वर देख्खैगा के हमनै के करया या जो काम हमनै परमे वर खातर करया वो म्हारा

फैंसला सही ना हो/ यी ु नै इस कहाणी मै बताया के उसके वचन सुणणा आच्छा चुनाव सैं।

13. कई बै हमनै म्हारी संस्कृति अर माणसांह के उल्टे चुनाव करणा सैं उन्हके उल्टे जो माणस म्हारे तै आ ाा राख्खैं सैं जद हम आत्मिक चुनाव करैं सैं।

इब बापने खुद खातर खजान्ने खोज लिए सैं। यू तो बखत सैं के आप कहाणी के भाुरू मैं जावै अर प्र न बणाणा भाुरू करैं जो आपके श्रोता नै उन्ह खातर खजान्ना खोज्जण मैं मदद करैं।

6—ब

आत्मिक जाँचपड़ताल की खोज नै आमंत्रित करण खातर प्र न बणाणा।

ये आग्गै आण आले प्र न कई आत्मिक जाँचपड़ताल मैं तै कुछ एक मैं मदद करैंहगे जो मार्था/मरियम की कहाणी मैं पाया गया उन्ह केवल कथा मैं पूरे वि व मैं करे गए। इसमैं तै एक हिस्ससा या पूरी खोज पे ा करी जा सकैं सैं जद आप कहाणी सिखाओ सो। इसमैं कोई भाक नही सैं खजान्ने जरूर प्राप्त होवैंहगे जद पवित्रात्मा लगातार परमे वर के वचन की गैहराई अर

धन म्हारे पै प्रगट करैहगा। जो भाब्द इटैलिक में से जो के हर एक जाँच में सै वे कहाणी सुणावण आले के भाब्द सैं जो के झुण्ड तै बुझे जा सकैं सैं।

जो भाब्द इटैलिक नहीं सै वे सम्भावित खजान्ने अर उत्तर सै जिसनै झुण्ड खोजकै जोर तै बोल सकैं सैं।

1.इस कहाणी मैं यी ु मरियम के ब्योहार की तारीफ करते दिख रहे सैं पर मार्था की आलोचना करते प्रतीत होवैं सैं। के याहड़ै मैं सही सूँ? (जवाब खातर बाट देख्खै) इब मैं भ्रम मैं सूँ। के आवभगत आच्छी बात नहीं सैं? (जवाब खातर बाट देख्खैं।) के मैहमानां खातर खाणा बणाणा आच्छी बात नही सैं? (जवाब खातर बाट देख्खैं)गर हम फैंसला करै जिसा इस कहाणी मैं बताया गया के खाणा बणावण तैं आच्दी बात सैं बाईबल अध्ययन तै फेर आपका खाणा कौण बणावैगा? (जवाब की बाट देख्खैं) के यू सही सैं के अपणी पत्नि नै रसोई मैं जा के खाणा पकावण नै कैंह जद वा उन्हानै बाइबल अध्ययन तै वंचित करैं अर फेर उन्हानै बतावैं के या कहाणी बतावैं सै के वा कम मूल्यवान काम कर रही सैं ? (जवाब की काट देख्खैं)

तै फेर यी ु मरियम तै क्यूँ खु ा सै? अर मार्थातै नही? हमनै बेरा सैं के यी ु हमे ाा साहच कैंह सैं। पर वो साहच असल मैं जो वो कैह रहया सैं के सैं? भाायद हमनै फेर कै या कहाणी देखणी चाहिए?

2. हमनै किसनै कैंह सैं के उसनै यी ु अपणे घर मैं बुलाया? (जवाब की बाट देख्खैं) के कहाणी मैं कुछ इसा सैं के मार्था जाणै थी के यी ु खास माणस सैं? (जवाब की बाट देख्खैं) श्रोतागण भाायद कैहंगे के मार्थानै यी ु अपणे घर मै बुला के प्री‌ु कहया द मरियम यी ु के वचन सुण रही थी। जद मार्थायी ु तै मिली तै उसके चेल्ले उसके गेल्यां थे। ये सारी बात उसनै आप तै खास बणावैं थी (याहड़ै सभी प्रमाणित उतर सैं)

3. *हम कहाणी मैं देख्खैं सैं के मार्थाकी बाहण मरियम यी ु के चरणां मैं बैठकै उसकी ि ाक्षा ध्यान तै सुण रही सै। उसके चरणां में बैटठण का आप खातर के मतलब सै* ? (जवाब की बाट देख्खैं) किसी के चरण मैं बैठणा एक भगत, छात्र/ि ाक्षक सम्बन्ध नै दिखावै सैं। यू समपर्ण अर पैहचाण नै भी दिखावै सैं।

4. *यू के सैं जो मार्थानै यी ु पुकारया ? (जवाब की बाट देख्खैं) "प्रभ" का के मतलब सैं? (जवाब की बाट देख्खैं) फेर वो हमनै के द ाविै सैं के मार्थायी ु के बारे मैं के जाणे थी ? (जवाब की बाट देख्खैं) तै वा जाणै थी के यी ु खास माणस सैं, इसा के उसनै अपणे तै उप्पर समझणा चाहिए। वा कैह रही सैं के वो प्रभु सैं पर रसोई मैं रैह के उसकी ना सुणती? आप मार्थाके ब्योहार के बारे मैं के सोच्चो सो? (जवाब की बाट देख्खैं) क्यूकर उसके भाब्द अर उसका ब्योहार मेल ना खाते ?*

5. कहाणी बतावैं सैं के मार्था काम के घणे बोझ तलै थी अर केल्ली सेवा कर रही थी। के हम कहाणी मैं बता सकैं सै के कितणा भोजन या भोजन का कितणा बड़ा रूप तैयार कर रही थी?

(जवाब की बाट देख्खैं) के वा एक साधारण खाणा बणा रही थी ? जिसा के फल, चाय बिस्कुट अर या वा घणा आच्छा अर खास खाणा बणा रही थी? (जवाब की बाट देख्खैं) मेरे धोरै एक सवाल सै घर मैं यी ु के बुलावण आला किसका विचार था? (जवाब की बाट देख्खैं) गर मार्था सोचती के यी ु धोरै किम्मै खास ि ाक्षा सै तै के या हैरान करण आली बात नही सैं के उसनै फेर भी आच्छा अर घणे बखत मैं बणण आला खाणा बणावैं? उसके चुनाव के बारे मैं आप के सोच्चो सो? जवाब की बाट देख्खैं) हमनै देख्या के मार्था यी ु तै ि ाकायत कर रही सैं के उस धोरै घणा काम सैं पर वा एक इसी औरत थी जिसनै यी ु के चरणा मैं बैठण के बजाय खाणा बणाणा चुणया के उसका विचार सही सैं? (जवाब की बाट देख्खैं)

..पेज 84

8. जिसा हम मार्था के बोल्ले होड़ भाब्दां नै ध्यान तै सुणै सैं अर फेर विचार करैं सै के यी ु उसतै के कैह रहया सैं, के आप कोइ कारण देखो सो के क्यूं यी ु मार्था नै झिड़कै सैं? अर मरियम की तारीफ करैं सैं ? यी ु सिर्फ एक बात कैह सैं वो कुण सी बात सैं ? (उत्तर की बाट देख्खैं)

9. इस तरियां किन्ह दो माणसांह पै मार्था अपणे घणे काम का दोश लाण लाग रही सैं? (जवाब की बाट देख्खैं) हाँ मरियम अर यी ु। मार्था क्यूकर उन्हपै दोश ला रही सैं? (जवाब की बाट देख्खैं) मार्था नै कहया यी ु के तन्नै कुछ भी चिंता नही के मेरी बाहर मरियम नै मैं केल्ली सेवा करण नै छोड़ दी? गेल्यां ही, ध्यान देवैं के मार्था नै इ ारा करया सैं के मरियम नै वा काम करण खातर केल्ली छोड़ दी। पर याद करैं – न्यौंदा किसनै किया था? (जवाब की बाट देख्खें) किसनै बड़ा भोजन बणाण का फैंसला करया? (जवाब की बाट देख्खैं) इस कहाणी मैं किसका नाम नहीं सुझा राख्या के वा मार्था की व्याकुल द ाा की जिम्मेवारी सैं? (जवाब की बाट देख्खैं) हाँ मार्था नै अपणा नाम सूचि मैं केन्या लिख राख्या था के उसकी इस द ाा खातर उसकी भी किस्मैं जिम्मेवारी सैं।

10. ध्यान राख्खैं सिर्फ मार्था नै चुनाव करे के वे उसके यी ु ते सिखण मैं दूर राख्खैं, क्यूकर मार्था के समस्या के हल नै (जो उसने पैदा करया) ओर दुसरे प्रभावित करे? (जवाब की बाट देख्खैं) हाँ। मरियम नै यी ु की उपस्थिति तै दूर होणा होगा। मार्थाके समाधान खातर आपका के विचार सै? (जवाब की बाट देख्खै)

11 मरियम नै यी ु खातर किस तरियां का आददर दिखावैं सैं? (जवाब की बाट देख्खैं) जिस तरियां वा यी ु तै बोल्लै सैं के वा आददर कर रही सैं? वा पैहल्यां उसपै –उसकी चिंता ना करण का आरोप लावै सैं अर फेर वा उसतै इसी बात करै सै जिसा वो उसका सेवक हो।

12. यी [illegible] मार्था नै अपणे जवाब मैं किस तरियां का भाव दे [illegible] र्वि सैं? यी [illegible] उस तरियां के अनादर तै वास्तव मैं छोः मैं आ सकैं थे, पर वे याहहैं मैं ना आऐ। मार्था तै उसके बोल्लण का वर्णन करैं। (जवाब की बाट देख्खैं) वो आच्छी तरियां बतावै सै के मरियम का चुनाव सही सैं।

13. अर मार्था नै किस तरियां अनादर द [illegible] र्शाया? (जवाब की बाट देख्खैं) यी [illegible] एक आदरणीय [illegible] क्षक थे। ध्यान देवैं के मार्था नै सिर्फ यी [illegible] की आलोचना करी पर उसनै उसके चेल्यां के साम्हणै भी उसकी आलोचना करी। इसा करकै उसनै यी [illegible] खातर कोए आददर ना दिखाया। के यी [illegible] नै मार्था तै अपणे जवाब में गर्व या दीनता दिखाई? अपणा जवाब खुलहकै देवैं। (जवाब की बाट देख्खैं)

14. यी [illegible] नै जद मार्थाबुलाई तै के आप बता सको सो के यी [illegible] उसनै जाणै था ? (जवाब की बाट देख्खै) हाँ यी [illegible] नै अपणी साच्ची रूचि उस बखत दिखाई जद उसनै उसका नाम ले कै बुलाई।

86. यी [illegible] उसके नाम का एक बै नही पर दो बै इस्तेमाल करै सैं के इस कहाणी मैं म्हारे धोरै इसी जाणकारी सै जिसते हमनै

बेरा पाटटै के मार्था का इस तरियाँ चिंता करणा नवी बात थी या चिंता करणा उसकी भूण्डी आदत थी? (जवाब खातर बाट देख्खैं) यी [illegible] नै उसतै कहया के वा घणी बातां की चिंजा करै सैं अर घबरावै सैं, या बात सुझावैं सैं के चिंता करणा उसकी आदत थी।

16 के कहाणी मैं इसा कुछ सैं जो द [illegible] र्वि के मार्था धोरै रसोई मैं रैहण अर भोजन तैयार करण का या यी [illegible] के चरणा मैं बैठ कै [illegible] क्षा लेवण का एक चुनाव था या नही? (जवाब की बाट देख्खैं) हाँ आप ठीक सैं। यी [illegible] हमनै दिखावैं सैं के मार्था

धोरै विकल्प था जद वो कैहवै सैं, मरियम नै वो हिस्सा चुणया जो आच्छा सैं। (जवाब की बाट देख्खैं) हाँ आप ठीक सैं, मरियम नै वो हिस्सा चुणया जो आच्छा सै। (जवाब की बाट देख्खैं) हम के देख्खैं सै के मार्था नै के चुणया? (जवाब की बाट देख्खैं) मार्था नै रसोई मैं व्यस्त होणा चुणया।

17. यी [illegible] नै कहया मार्था तूं बहोत बातां की चिंता करै सैं अर घबरावैं सैं। मरियम नै एक उत्तम हिस्सा चुणया सैं जो घणा जरूरी सैं। याहडै यी [illegible] मार्था के वि [illegible] ाल भोजन बणाण के चुनाव नै मरियम के चुनाव की तुलना मैं के कैह रहे सैं? (जवाब की बाट देख्खैं) मरियम नै वो चुणया जो घणा जरूरी सैं।

18. के मार्था नै सोच्चया के जो काम उसनै चुणया वो घणा जरूरी सैं? (जवाब की बाट देख्खैं) के भोजन करणा जरूरी से

(जवाब की बाट देख्खैं) कृपा करकै बखान करैं के असल मैं यी ु इस कहाणी मैं के जरूरी से अर के जरूरी नहीं सै के बारे मैं के कैह रहे सै ?

87 19 आददर मान करण आली संस्कृति मैं मरियम तै के आ ा करी जाहगी? (जवाब की बाट देख्खैं) इस कहाणी मैं मरियमनै कुणसा कठिन फैंसला करया? अपणे चुनाव खातर मरियम नै किसके खिलाफ जाणा चुणणा था? (जवाब की बाट देख्खैं) हाँ अपणी संस्कृति के अर अपणे कुणबे के बजाय।

20 हमनै देख्या के माथ्र नै के करया जद वा खुद घबरावण लाग्गी अर अपणा काम करण मैं अपणे आप्पे तै कमजोर पाया। एक क्षण सोच्चैं के वा और के कर सकै थी, जद वा वो बोझ ना ठा सकी। (जवाब की बाट देख्खैं) कई जवाब आवैंहगे। माणसांह नै उत्साहित करैं के वे उन्ह सारी भावना नै स्वीकारैं जो मार्था कर सकै थी जद उसनै काम करण मैं कमजोरी पाई।

21 मार्था धोरै कुण से साधन मौजूद थे? (जवाब की बाट देख्खैं) अक्सर जद हम इस कहाणी नै सुणैं अर उसके अर्थ पै चर्चा करैं सै तै आखरी सुझाव माणस यूहे देवैं सैं के मार्था इस कहाणी मैं यी ु धोरै जाके उसते न्यू कैहती के हे प्रभु मैं केल्ली भोजन की तैयारी अर सेवा का काम ना कर सकती। मन्ने बताह मैं के करू ?

22. के मार्था भार्मील्ली थी जिस कारण उसनै यी ु धोरै जाकै मदद ना मांग्गी ? (जवाब की बाट देख्खैं) आप क्यूकर मार्था के आचार ब्योहार का बखान करैंहगे? (जवाब की बाट देखैं) उसके ब्योहार की तुलना इस कहाणी मैं यी ु के ब्योहार तै करैं।

6 स

प्र न बणाणा आत्मिक लाग्गूपण की खोज नै न्यौंदा देवै सैं आत्मिकता मै लाग्गू होण आली बातां।

इब हम परमे वर तै बुज्झैं के या कहाणी बाइबल में क्यूँ दी? परमे वर इसतै हमनै के सिखाणा चावहै सै? घणे प्र नां का इस्तेमाल इब आप श्रोता नै आत्मिक सच की ओड़ अगुवाई कर सकै सैं, जिन्हानै हम आत्मिकता में लाग्गू करणा कैह सैं। ये आपनै जद पाई जद आपनै भाुरू मैं कहाणी का अध्ययन करया था। खजनन्नयांह नै हाथ मैं ले कै रोक्के राखण की परीक्षा तै

रोकैं। प्र नां की रचना श्रोता खातर करैं के वे इन्हके इस्तेमाल तै अपणी खातर खजान्ने खोज सकैं।

1. कहाणी मैं मरियम रसोई नै छोड़ कै यी ु के चरणां मैं बैठ कै वचन सुणण मैं बखत गुजारणा चुणैं सै...... आज इस बात का म्हारी खातर के अर्थ सैं? के हम यी ु के चरणाां मैं बैठ सका सैं अर सीख सकां सैं? (जवाब की बाट देख्खैं) हम आ ा राख्खैं सैं के द नि आगली प्रयुक्ति पै आवैंगे। (जवाब खातरं बाट देख्खैं) आज परमे वर के वचनां का अध्ययन करणा या सिखणा, परमे वर की आराधना करणा या पास्बानां तै सीखना, यी ु तै सिख्खण के समान सैं। आज म्हारी खातर यी ु के चरणा मैं बैटठण का विचार जो हमनै सिखाया जा रहया सैं, उसमैं एक गंभीर रूचि द ार्वे सैं।

2 हमनै देख्या के मार्था नै इतणा घणा काम ले लिया तै वा घबरा गी थी। के आज या समस्या म्हारे धोरै भी आ सकै सै? आप के सोच्चो सो? (उतर की बाट देख्खैं) के हम घणी सारी जिम्मेवारियाँह नै कदे हाँ कैहवैं सैं, याहड़े ताही कं मसीही काम नै भी ?

3. के म्हारे धोरै जीवन मैं चुनाव सैं? (जवाब खातर बाट देखैं) के हम आच्छे दिखण आले चुनाव करैं सैं क्यूके वे मसीहकाम करण के चुनाव सैं? हम किस तरियां चुणैंगे के परमे वर खातर कुछ करैं जदके उसनै म्हारे तै कुछ करण नै कहया ही ना या उसनै कोई जरूरत नहीं सैं? के आपनै इसा घटते होए देख्या सैं या अनुभव करया सै? इसके बारे मैं बतावैं वर्णन करैं के क्यूकर परमे वर खातर कुछ करण का म्हारा चुनाव, हमनै म्हारे उद्वारकर्ता तै कुछ सिखण के बखत तै दूर करैं सै? (जवाब की बाट देख्खैं)

4.माथा मरियम पै दोश लगावै सैं के वा रूक कै भोजन तेयार करण मैं उसकी मदद नहीं कर रही सै। आज कुण से स्वभाव के कारण माणस अपणी खातर घणा काम ले लेवैं सैं।? के इस तरियां के माणस घणे काम की जिम्मेदारी नै पैहचाणण मैं घणे तेज सैं या वे इसके कारण दुसरेयांह पै दोश लावैं सै ?

90 हमनै देख्या के मार्था नै मूर्खता तै यी ु पै दोश लाया के वो उसकी समस्या की चिंता ना करते। के कदे हम इतणा आग्गै गए के परमे वर के करे होड़ फैंसले पै आरोप लगावै जो हमनै करे थे अर फेर सोच्चैं के परमे वर म्हारी चिंता नहीं करता? (जवाब की बाट देखैं) परमे वर नै किसा महसूस होवै सै जद हम अपणी हिम्मत तै ज्यादा काम लेवैं सै अर फेर हम दुसरेयांह पै न्यू आरोप लगावैं के वे म्हारी मदद ना करते? (जवाब की बाट देख्खैं)

6. मार्था नै यी ु तै प्रभु कहया, एक भाब्द जिसका अर्थ सैं के उसनै यी ु अपणे तै ऊंचा अर अगुवे के रूप में देख्या। फेर उसनै यी ु तै कहया के समस्या के समाधान खातर उसनै के

कारण सैं? के हमनै कदे समस्या पैदा करी सैं अर फेर परमे वर तै इसीऐ प्रार्थना करी के इसके समाधान खातर म्हारी मदद कर? (जवाब की बाट देख्खैं)

के यू अर्थ राख्खैं सैं के परमे वर म्हारा "प्रभु" सैं अर फेर उसनै बतावै के क्यूकर वो म्हारी उन्ह समस्या का समाधान करै जो हमनै खुद पैदा करी सै ? आप के सोच्चो सो? (जवाब की बाट देख्खैं) के आप सोच्चो सो भाारिरिक काम

करणा, मार्था की तरियां उसे बखत परमे वर तै सिखणा अर आराधना करणा सम्भव सै? ब्यान करण की कोि । । करैं के वो किसकी तरियां होगा (जवाब की बाट देख्खैं)

7. के आप सोच्चो सो के भाारिरीक काम करणा, मार्था के समान अर उसे बखत परमे वर तै सिखणा अर आराधना करणा सम्भव सैं? बयान करण की कोि । । करैं के यू क्यूकर होगा? (जवाब की बाट देख्खैं)

91

(8) दुसरी ओड़, आप के सोच्चो सो के कोई एक जगाह पै हो सकै सैं जित वो माणस मरियम की तरियां दिख्खैं सै जोबाइबल नै सिख्खै अर अध्ययन करै सैं अर फेर भी उस माणस के दिमाग मैं काम के विचार चल रहे हो ? (जवाब की बाट देख्खैं) के आप जद अपणी बाइबल पढ़ रहे सो अर आपका दिमाग भ्रमण करणा भाुरू करै सैं अर आप दुसरी बातां के बारे सोचणा भाुरू करो सो तै भाायद उस बखत आपनै कुछ काम करण की जरूरत सै? (जवाब की बाट देख्खें) मार्था अर मरियम की इस कहाणी के प्रका । मैं आप अपणे मानसिक भ्रमण नै क्यूकर बयान करैंहगे (जवाब की बाट देख्खैं)

9. यी ु नै मार्था तै कहया के जो मरियम नै चुणया सैं वो उसतै छिनया नाह जाहगा। यी ु उन्ह चुनाव के बारे मै के कैह रहे सैं जो हम करैंहगे, वो उन्हके बारे मै के करैहगा अर के नही करैहगा (जवाब की बाट देख्खैं)

10. मार्था के चुनाव की तुलना मरियम के चुनाव गेल्यां करैं। कुण सी बईइयर यी ु नै किम्मै कुछ दे रही सैं अर कुण सी कुछ पा रही सैं? (जवाब की बाट देख्खैं) मार्था यी ु खातर कुछ कर रही सैं अर मरियम यी ु तै कुछ पा रह सैं।यी ु कैह रहे सैं मार्था जो करी रही सैं वो जरूरी नहीं सैं। किसे भी धर्म के बारे जो आपके दिमाग मैं आवै विचार करैं। के उस धर्म के चेल्ले देवता खातर काम करैं सै, उसनै खु । करण की कोि । । करैं सै या उस धर्म के चेल्ले आजादी तै देवता तै पावैं सैं?

92 एक धर्म की तुलना जिसमें काम नै प्राथमिकता दी जावै सै यी   ु के मूल्यवान वचना तै करैं।

11. जद हम कुछ सेवकाई का काम लेवैं सै अर यू म्हारे   पै बोझ बणणा भुारू होवै सैं अर यू हमने परमे   वर तै सिखण के वक्त तै वंचित करैं सैं तै इसपै म्हारी प्रतिक्रिया के होवै सैं?

12. (जवाब की बाट देख्खैं) जैसा हमने देख्या के मार्था पै उतणा काम सै जो उसके बसका पूरा करणा नहीं सैं, उसनै यी   ु अर मरियम पै देश लाया पर खुद पै नही। जद मार्था नै महसूस होया के यू काम उसके बस तै बाहर सैं, उसनै पूरा करण खातर किसे की जरूरत सैं। वे कुण से साधन सै जिसपै मार्था नै ध्यान करया के काम पूरा हो सकै? मेरा मतलब सै हुडै कोण था के वा उसके धोरै जाकै मदद मांगती ? (जवाब की बाट देख्खैं) हाँ यी   ु, के हमनै म्हारे घणे काम का साम्हणा करया? हम इसनै क्यूकर करैंहगे? या कहाणी बुद्धिमानी तै करे होड़ चुनाव के बारे मैं के सिखावै सै ? (जवाब की बाट देख्खैं)
13. यी   ु नै मरियम का मान करया जद उसनै उसकी बात सुणी मरियम अपणी संस्कृति अर रीतिरीवाज के 93 खिलाफ जाकै उसका वचन सुण रही थी। इसतै हमनै के सिख्खण नै मिलै सैं? (जवाब की बाट देख्खैं) परमे   वर की खोज मैं जाणकारी मैं या उस गेल्यां बखत बितावण मैं के हमनै अपणी संस्कृति का या रीति रिवाज की खिलाफत करणी पड़ै सैं?

14. के हमे   ां म्हारा भारीर जित्त होवै सैं वो मरियम अर मार्था की ओड़ (कहाणी की ओड़) इ   ारा करै सै? भाायद हम भाारिरिक रूप तै काम कर रहे सैं अर दुसरी ओड़ आराधना अर परमे   वर तै बातचीत कर रहे सैं, या कलीलिया मैं या म्हारे भज्ञांत स्थान मै बाइबल पढ़ रहे सैं। पर म्हारे मन किसे दुसरे काम मै या स्थान मैं विचरण कर रहे सैं। आपका इस बारे मैं के विचार सैं ?

पाठ–7
चर्चा मै अगुवाई खातर आम इ   ारे :

ज्यूकर चर्चा आग्गै बढ़ै सै, परमे   वर आपके पुराणे अनुभव अर बाईबल के ज्ञान नै इस्तेमाल करकै प्र   न बणाण मै जद मदद कर सकै सै जद आप ि   ाक्षा दयो सो। पवित्रात्मा जाणै सैं के कुण सी चर्चा की जरूरत सैं अर जद आप ि   ाक्षा दयोहगे। तै वोहे आपनै सिखावैगा। याहड़े ताही के भाायद आप सोच्चैं के बिना लिखे सवाल याद करणा असम्भव सैं, यू महत्वपूर्ण सै के उन्ह सवालां नै ना लिख्खैं जो आप कहाणी मैं पुछणा चाहो सो अपणे सवालां नै याद करण

खातर मानसिक रूप तै कहाणी मैं जावैं, इसके विशय वस्तु आपनै आपके तैयार करे होड़ सवाल याद करावैंगे।

94.

कहाणी आपके याद करण का तरिका बण ज्याहगी अर छोटा लेख भी बण ज्याहगी। अपणे परिचय पै फेर के विचार करैं।इब आपनै अपणी कहाणी मैं कई छिपे होड़ खजान्ने पा लिए, आप भाायद चाहवैंगे के परिचय मैं तै जो आपनै तैयार करया सै कुछ ओर जोड़ै या कुछ घटावैं। गर आपनै बेरा पाटटै के जो जाणकारी आपके परिचय मैं सै वा कहाणी मैं भी सैं तै आप समझदारी दिखाते होए परिचय यैं तो वा जाणकारी हरा दयोहगे। उदाहरण के तौर भाायद आपनै पैहल्यां अब्राम की कहाणी की (उत्त. 12: 1–9) योजना बणाई हो, कैहण के जरिए "या कहाणी एक माणस के बारे मैं सै जो परमे वर नै बुलाया के अपणे माणसांह नै अर दे । नै छोड़ कै एक नवे दे । मैं जावै। हालांकि आपनै उस हिस्से के बारे मैं विचार करया जद आप आत्मिक खजान्ने की खोज कर रहे थे तै जद आपनै महसूस होया के या सारी जाणकारी अब्राम की कहाणी मै सै तै आप इस जाणकारी नै अपणे परिचय मैं तै हटा ल्योहगे गरी आपनै कहाणी के बारे मैं किम्मै आत्मिक बात पाई सैं तै वा आच्छी तरियां समझी जा सकै सैं। गर आप उसके बारे मै जोड़ी जाण आली जाणकारी का एक छोटटा सा हिस्सा दे सकैं तै अपणे परिचय की जाणकारी मैं बतावैं।

95.

उदाहरण के तौर पै मार्या/मरियम की कहाणी मैं कई खजान्यांह मैंह तै मार्था के एक चुनाव पै आधारित सैं के एक व ाल भोज मैहमान्नां खातर बणाणा। दुसरा खजान्ना वो झटका सैं के वा यी ु की आलोचना अर चेल्यां आग्गैं अनादर कर रही थी। कहाणी भाुरू होवै सैं के यी ु अर उसके चेल्ले भी थे। कहाणी सुणावण आल्यांह नै या कल्पना करणी सैं के हुड़ै कम तै कम एक या दो माणसांह नै बाइबल की समझ नहीं सैं यानि आप उन्हानै कहाणी का परिचय बताओ सो। हर एक श्रोतागण नै जो आप चर्चा मैं भाामिल करणा चाहो सो वा सारी जाणकारी देणा इसतै पैहल्यां के आप उन्हतै सारी जाणकारी भरे सवाल बुजझैं जो के केवल कथा की सफलता की कुंजी सै।

96.

गर आपनै हर एक हाजिर माणस तै कहाणी सिखाई सै तै आप उस कहाणी पै आधारित कोए सवाल जिसमैं कोई भी जानकाणी सैं बुझ सको सो। अपणे मन मैं इस बात नै राख्खैं के हर एक कहाणी मैं जाणकारियां का खजान्ना भरया पड़या सैं। तै आम तौर पै आपनै कहाणी सिखाते बख्त और दुसरे हिस्से देखण की जरूरत नहीं सै। कदे कधार कहाणी मैं जाणकारी जोड़णा ज्यूकर

परमे वर के नियम, कोहडी, सबत, यहूदी, सामरियां के बारे मैं के सोच्चैं थे? कहाणी मैं गैहराई पैदा कर सकै सैं गेल्यां गेल्ल कहाणी मैं जद खजान्यां पै चर्चा करैं सै भायद आप चाहवैंगे के आप कुछ खास अर साफ इ ारयां का परिचय करावैं जिन्हका बाइबल के दुसरे हिस्से मैं ब्यान कर राख्या सैं। इस सिर्फ जद करैं जद आपनै महसूस होवै के आपके श्रोता नै कहाणी के भीतर सारे खजान्ने समझ लिए सैं जिन्हानै आप पे ा कर रहे सो। फेर ही आपनै जोड़ी गई एक या दो आयत बताणी सैं। कहाणी के बारे मैं जो ओर जाणकारी आप देवो सो वा समझण मैं पूरी होणी चाहिए के श्रोतागण उसनै अपणे जीवन मैं आसानी तै लाग्गू कर सकैं। उदाहरण के तौर पै गर आपने निर्गमन 17:1–7 बताया अर झुण्ड नै जांच करी अर आत्मिक खोज के लाग्गू करी अर चर्चा खत्म करी तै आप भायद न्यू महसूस करैंहगे के कहूँ इसके पैहल्यां के हम साथ मै बाइबल की सारी कहाणियां पै चर्चा कर सकैं तै लाम्बा बखत हो ज्याहगा।

पेज 97 मैं नवे नियम की एक कहाणी का हिस्सा आपनै बाँटणा चाहूँ सूँ। या मूसा अर चटटान की कहाणी मैंह तै ओर घणी खोज मैं म्हारी मदद कर सकै सैं। हम सुणैं सैं 10:2:8 मैं बाद्दल अर समुद्र मैं मूसा का बपतिस्मा लिखा (3) सभनै एक ही आत्मिक भोजन करया (4) अर सभनै एक ही आत्मिक पाणी पिया, क्यूके वे उस आत्मिक चटटान मैं तै पिया करैं थे जा उन्ह गेल्या चाल्या करै थी। अर वा चटटान थी यी ु मसीह। परमे वर नै उस कहाणी मैं कहया था के चटटान किसे वस्तु या चीज की ओड़ इ ारा करै सैं। चटटान किसे नै पे ा करै सै? वा आपर्ते क्यूकर बात कर सकै थी ?

आपकी कहाणी के बाहर की भारूवाती जाणकारी सिर्फ बाईबल तैऐ होणी चाहिए। परमे वर का वचन कदे नहीं बदलता। इस बात पै 100 प्रति ात भरोसा करैं।

बाईबल तै जुड़ी दुसरी जाणकारी के बेरा 100 प्रति ात सच भी हो सकै सैं अर नहीं भी। माणसांह नै प्रर्द ान तै दिखावैं के बाईबल नै सच बणाण खातर किसे दुसरी जाणकारी की जरूरत नहीं या तै खुद मैं पर्याप्त सैं।

कहाणी नै सुणण आले श्रोता के जवाब ध्यान तै सुणैं :

जो जवाब माणस देवेंगे वे आपनै उन्हकी जरूरत जाणण मैं अर व्यक्गित सवाल जाणण मैं मदद करैंहगे।

जद आप इस तरियां जारी राख्खैंगे तै ये बात आपनै सवाल बणावण मैं मदद करैंहगी। ये बात “बंद क्षण ि ाक्षा” कहलावैं सैं।

98 ज्यादा सवाल माणसांह के बारे के उन्हानै के करया अर परमे वर नै कै करया के बारे मैं होणा चाहिए : इस तरियां

के सवाल सुणण आल्यांह नै ये सवाल आत्मिक सच की खोज की ओड़ अगुवाई करैंहगे। बस पात्र के बोल्ले गए भाब्द की जांच करैं। न्यू बुझण के बारे सावधान रैंह के क्यू, सवाल, जद वे

अंदाजे तै या कल्पना तै बुझे जावैं तै वेवचन मैं मजबूती न देते। के" के बारे मैं सवाल करणा अकसर श्रेश्ठ सैं।

जाँच के प्र न बुझैं :

भाायद कहैं के कहाणी वि वास के बारे मैं के केह सैं? (कहाणी के पात्र चुणैं) कहाणी हमने उस माणंस की वि ोशता के बारे बतावैं सैं? कहैं"परमे वर के चरित्र के बारे मैं हमनै के द ावि सै? या कहाणी मैं, वि वास योग्यता के बारे मैं के दिखाया गया सैं बतावैं के कहाणी का कुण सा हिस्सा (डर, भ्रम, लालच, भलाई, साहस, भरोसा या बुद्धि) अनादर पे ा करैं सैं? इस बात नै जाच्चैं के जो सवाल आप बुझो सो वे उस कहाणी मैं तै दिऐ भी जा सकैं सैं जो आपनै सुणाई सैं। आहस्तै–2 श्रोता की सहायता कहाणी के सच नै उन्हके जीवन मैं लाग्गू करण मैं करैं।

99. जिसा आप चर्चा के बखत आग्गै बढ़ो सौ तै आपनै कुछ सम्भावना मिलैहगी के आप बुझ सको गर कदे हम भी इस भावना नै महसूस करैं उसका जवाब देवैं जिसा कहाणी के पात्र नै दिया (यानि भाक, डर, वि वास, उलझण)

व्यक्तिगत लाग्गूपण नै बाटटै : गर परमे वर आपनै इसा करण की अगुवाई कर रहया सै तै आप बता सको सो के क्यूकर इस कहाणी नै आपपै असर छोड़या या न्यू बुझैं के उन्हपै इस कहाणी का के असर होया।

सवालां के चुनाव पै सहायक इ ारा । कहाणी सुणावण आले के सवालां के जवाब कहाणी के भीतर जरूर होणे चाहिए, अर कहाणी इसनै प्रमाणित करै।

कहाणी के बाहर की जाणकारी

गर कहाणी मै एक घणी जरूरी आत्मिक बात या लाग्गूकरण उस सच नै दिखावण खातर बाहर की आयत की जरूरत सै तै आप उस बाइबल की जाणकारी नै अपणे परिचय मैं भाामिल कर सको सो। यू भी आच्छा सैं के इसके इलावा भी कहाणी मैं और भी सच सहमती गेल्या भाामिल करकै पे ा करे जा सकैं सैं। इसा सिर्फ कदे–कधार ही करैं ज्यूकर काहाणी के बाहर के वचन का इस्तेमाल श्रोता नै सिर्फ कहाणी सुणावण के बजाय कहाणी की खोज पै निर्भर करै सै।

कहाणी सुणावण आले उन्ह बाइबल की जाणकारी पै आधारित सवाल बुझ सकैं सैं
100 जो श्रोता नै पाछले बखत सुणी जिसते आपनै न्यू बेरा पाटटै सैं के उन्हानै कुछ प्राप्त करया।

आच्छे जवाब :–

जद माणस ग्रहण करण आले जवाब देवैं सै तै उन्हानै उत्साहित करैं। इस तरियां कैह के उत्तम जवाब , मन्नै कदे इसा नहीं सोच्या था" या "यू समझदारी सैं"

घणे आच्छै जवाब नही :– गर श्रोता नै गलत जाणकारी पै जवाब दिए सैं तै आप न्यू कैह सको सो "चाल्लो वापस चाल्लैं अर देख्खैं यू कहाणी

तै मेल खावैं सैं अक ना। गर जिस निचोड़ पै वे पहोचै वे गलत सै तै आप चाहवैंगे के भाायद वे आप अपणे ऊप्पर ले लैं अर कहैं के मन्ने वो हिस्सा आच्छी तरिया नहीं समझया था।

या न्यू कैह के भाायद मन्ने आपणा सवाल आच्छी तरियां नहीं बताया था। गर एक सवाल या श्रोता का सैं अर वो पूरी तरियां विशय तै अलग सैं तै आप कैह सको सो
के उस विशय पै भी हम कदे चर्चा जरूर करैंहगे या न्यू कैह के भाायद अगली कहाणी मैं हम उसका जवाब पावैंहगे। कुछ सवाल पुच्छले सै जो किते भी नहीं ले जाते अर उन्हतै सारा झुण्ड सही राह तै भटक ज्याहगा गर आप उन्हका उत्तर देण का बखत ल्योगे तै इसा होगा।

101

सारी जाँच अर लाग्गूकरण आले प्र नां की जाँच के बाद बुझया जा सकै सैं, इस कहाणी मै के था जिसनै आपतै बात करी? या इस कहाणी पै म्हारी चर्चा मै आपनै के नवी बात सिख्खी ?
गर समूह बड़ा सै या बखत कम सैं।
जद कोई केवल कथा का उपयोग करै सैं तै सवाल बुझणा अर श्रोताओं के जवाब देणा एक सिद्वांत सैं। गर जवाब
देण नै बखत कम सैं या हालात इसे सैं या श्रोता का झुण्ड बड़ा सैं जो उत्तर स्वीकार ना कर सकता तै एक दुसरा
तरिका सै, ि ाक्षक जो केवल कथा का उपयोग कर रहे सैं आलकारिक सवाल बुझ सकैं सैं। माणसांह नै कहया जावै सै के वे सवालां के जवाब सोच्चैं। पर वे उन्हके जवाब ऊँची आवाज मै नहीं बोल सकते। बस इतणा पक्का करैं के आप कहाणी सुणाण आले के रूप मैं थोड़ा सा बखत श्रोता नै भी दें के वे उसके जवाब सोच सकैं।

पाठ–8

क्यूं अर कित्त "केवल कथा" का इस्तेमाल करैं :

"केवल कथा" का उपयोग क्यूं करैं : इस तरियां कहाणी सुणाण मैं यानि अनुमानित अध्ययन, मौखिक भौली के बीच अर रूढ़िवादी तरिक्के तै कहाणी सुणाण मैं एक खास अन्तर सैं जो इस वि ाल सवाल मैं दिखा राख्या सैं।

102

कौण सा के ि ाक्षा देण जा रहया सैं? विशय सम्बन्धी ि ाक्षा मैं पे ाकरण आला बखत तै पैहल्लै फैंसला करै सैं के उसनै के सिखाणा सैं। ि ाक्षक या कुछ हिस्से चुणैं सैं के ि ाक्षक उन्हानै श्रोता तै देवै सै के वे सिद्व करै के ि ाक्षक की ि ाक्षा नै सही ठहरावै। यू तरिका भी गलत नहीं सै पर सिखावण खातर सिर्फ यूहे एक तरिक्का नही सैं। एक कहाणी नै तोड़णा जाणकारी याद राख्खणमै मुस्किल पैदा करै सैं। बाइबल की कहाणी म्हारी आत्मा, प्राण अर देह तै बात करै सै। के आपनै कदे एक घटना किसे गेल्या बाटटण की कोि ा ा करी अर वो माणस कहाणी मैं या घटना मैं हर वक्त रूकावट करता रहया, प्र न बुझता अर टिपणी करता रहया? जद आपनै कहाणी पूरी करी तै उसनै उसका प्रभाव बहोत रूकावट के कारण खो दिया।बाइबल की कहाणी मैं बहोत

घणी सर्मिथ सैं अर वे सही तरियां पे ा करी जांह तै।याद राख्खैं परमे वर नै बाइबल का 75 प्रति ात हिस्सा कहाणी के रूप मैं दिया। हमनै चाहिए के परमे वर नै पूरी कहाणी सुणाण देवैं। बाइबल की कहाणियां नै सम्पूर्णता मैं पे ा करण का मोल जद बड़े महत्व की ओड़ ले ज्याह से

103

जद हम पैहचाणै से के मौखिक रूप तै लिखण अलयांह के वर्गीकरण का के अर्थ सैं, अर मौखिक रूप तै सिखण आले क्यूकर जाणकारी ग्रहण करैं सैं। जो माणस किसे कारण भी पढ़ ना सकते वे मौखिक रूप तै सिखण आले सैं। जाँच पड़ताल तै बेरा पाटटै सै के घणखरे दे ा या तै उन्हकी साक्षरता नै फैला कै दिखावै से या साक्षरता के कमजोर नाप तौल पै आधारित आंकड़े पे ा करैं सैं ज्यूकर कोई नाम लिखणा जाण गया तै वो साक्षर समझया जा सैं। कई जाँच अर भाोध, जिसा के राश्ट्रीय पौढ़ ि ाक्षा का अध्ययन द ाविै सैं के संयुक्त राश्ट्र अमरिका मैं 43 प्रति ात माणस पढ़ण मैं सक्षम नहीं सैं या वे सिर्फ इतणा पढ़ सकैं सैं के पाठ के सिर्फ एक खण्ड नै पढ़ कै उसका मतलब समझा सकै। साथ ही संयुक्त राज्य अमरिका के 44 प्रति ात माणस जाणकारी आदान प्रदान या चर्चा करकै पाणा पसन्द करै सैं। ये आकंडया तै अचम्भित करण आले दे ाां खातर भी सच बात सैं। इसका मतलब सैं के विकसित दे ाा मैं 85 प्रति ात माणस अणपढ़ सैं या मौखिक रूप तै सिखणा पसन्द करैं सैं। विकास ाील दे ाा मैं साक्षरता दर घणी तलैं सैं। तै मौखिक रूप तै सिखणा पसन्द करण आले उन्हमैं उच्च सैं। मौखिक रूप तै सिखण आले अपणी गेल्या छोटे लेख नही राख सकते तै वे कहाणी बुणण के जरिए जाणकारी हासिल करैं सै। जद एक विचार के रूप मैं, विशय के रूप मैं या रूपरेखा के रूप मैं एक श्रोता आग्गै कहाणी पे ा करी जावैं सैं तै उन्हकी कहाणी याद राखण की ताकत जाती रैह सैं।

104

अकसर इस्तेमाल करे जाण आले आज कटिल के तरिक्के अर चलण का गिरणा : कल्पना करैं के आप अपणे एक दोस्त नै तोफा भेज्जो सो अर वो बिना खुले आप धोरै वापिस आ ज्याह तै के हमनै कल्पना करणी चाहिए सै के दोस्त नै पार्सल की चीज नहीं चाही होगी, के इसा भी हो सकै सैं जिस दोस्त तै आपतै पार्सल भेज्या था वो उसनै खोलणा नहीं आवै था ? जद हम बाइबल की सच्चाईयांह नै विशय वस्तु अवधारणा अर जाँच पड़ताल के पार्सल मैं बांधैं सैं तै उन्हानै जो **भा ुरूवाती सिखणा** सैं इस पार्सल नै नहीं खोल पाते। जद हम सम्पर्ककर्ता के तौर पै कहाणी के बाहर कदम धरैं सैं, अर कहाणी का नवा रूप बतावैं सैं अर जाणकारियां नै फैर के कटठा करैं सै तै म्हारे कहाणी सिखण आले उस जाणकारी नै याद ना राख सकते, उन्ह मैं तै घणखरी जो सच्चाई हम उनके आग्गैं धरैं सै वा भी ना समझ पाते।

विशय गत ि ाक्षा वो तरिक्कता सैं जो अक्सर बाइबल की कहाणी नै पहोचावण मैं इस्तेमाल होवैं सैं। विशयगत रूप तै जद ि ाक्षा दी जावैं सैं तै पे ाकरण आले पैहल्ले तै चुणे होड़ बिन्दुवां नै प्रमाणित करण खातर सम्पूर्ण बाइबल तै हिस्से चुणैं सैं।

105

कलीसिया सुणै सैं अर नोटस ले सकै सैं। पर इस तरिक्के तै हुड़ै कोई कहाणी नहीं सैं जिसका अनुसरण करया जा सकै। हुड़ै कुछ नहीं सै जिसतै जाणकारी कटठी करी जा सकै। यू एक बिना हडडी की देह की तरियां सैं। बाद मैं, कलीसिया के घणखरे माणस उसनै याद नहीं राख सकते जो सिखाया गया नाहीं वे दुसरेयांह नै सिखावण मैं सक्षम सैं। बिना एक कहाणी के जिसका अनुसरण हो, कुछ भी जाणकारी नै कटठा नहीं कर सकते। घणखरे श्रोता के धोरे इस तरियां की जाणकारी कटठी/ढूँढण का तरिक्कता नहीं इसलिए वे ि ाक्षक पैऐ निर्भर रैंह सैं। जाणकारी के कौर श्रोता नै उस तरियां दिए जावै सैं ज्यूकर माता पंछी भोजन कटठा करैं सैं अर फेर अपणे बाट देखण आले बच्चयांह के मुहँ मैं टपकावै सैं। इसी तरियां ये श्रोतागण उन्हके आगले भोजन का इंतजार करैं सैं। घणी विशयगत ि ाक्षा एक घौंसले मैं पचास बरसीय पछी तैयार करणा सैं। विशयगत ि ाक्षा के घणे उपयोग का **दुसरा पतन यू सै :** ि ाक्षक उस एक विशय पै सिखाणा चुणैं सैं जो उन्हानै लाग्गै सैं के माणसांह नै इसकी सुणण की जरूरत सैं। फेर के बाइबल के कई हिस्सयांह तै आयत चुणै सैं जिन्हानै वे पैहल्लै जाणैं सैं। यू तरिक्का ि ाक्षक नै नवी जाणकारी अर आत्मिक प्रका ान नहीं देत्ता क्यूके ि ाक्षक अक्सर उन्ही हिस्से नै चुणैं सैं जिन्हानै वे पैहल्लै जाणैं सैं। अक्सर वि वासी

106

मसीही सम्मेलन मैं जावैं सैं। पे ा करे होड़ विशय इस तरियां होंगे सुसमाचार प्रचार, ना पहोंचे होड़ समुहों तक पहोंचणा, कुणबा आर्थिक व्यवस्था, उपवास, प्रार्थना, परमे वर के गुण, चंगाई, काम या भविश्यवाणी मैं इमानदारी ये सारे महत्वपूर्ण सैं। रोचक रूप तै हम देख्खैं सैं के ये सभी विशय कहाणी की पे ाक ा अर चर्चा मैं पे ा करै जावैं सैं मुहजबानी कहाणी सुणाण के तरिक्के मैं ि ाक्षक पूरी कहाणी बतावैं सैं अर कहाणी की विशय वस्तु नै जो सिखाया जाणा सैं उस पाठ मैं आत्मज्ञान निर्धारित करैं सैं। जद ि ाक्षक फैंसला करैं सैं के वचन के एक भाग का कुण सा हिस्सा या कुण सी कहाणी का इस्तेमाल अपणा विशय सिखावण मैं करैहंगे तै हिस्से की बाक्की की जाणकारी या कहाणी छुट जावैं सैं। जद एक कहाणी पूरी तरियां सवाल अर चर्चा के जरिए खोजबीन अर विकसित कर ली जावै सैं तै पवित्रात्मा आकै जो ि ाक्षा देण आले सैं उन्हानै अपणा विशय बतावैं सैं। अर जद ि ाक्षक एक विशय पै एक सूचि बणावैं सैं तै इस तरियां बाइबल की जाणकारी एक श्रोता धोरै एक नियम या कानून की तरियां आवैं सैं जद कहाणी का इस्तेमाल होवै सैं तै सारी कहाणी की आत्मा श्रोता तै बात करैं सैं। कई बै ि ाक्षक सोच्चैं सैं के वे सिर्फ "केवल कथा" की धारणा का इस्तेमाल कर रहे सैं पर असल मैं वे सिर्फ इसनै आंि ाक रूप तै कर रहे सैं।

107

वे या गलती करै सैं। एक कहाणी सुणाई जावै सैं अर फेर एक ि ाक्षक, एक विशय के बारे मैं कहाणी बणावैं सै जिसते वा कहाणी वास्तविक नहीं दिखती। कहाणी ि ाक्षक के अनुकूल बणी सैं इसके बजाय के ि ाक्षक कहाणी के अनुकूल बणैं। जो भी आत्मिक बात आप सिखाओ सो वा कहाणी मैं जरूर देख्खी ज्यावै। जद ि ाक्षक एक कहाणी का इस्तेमाल एक मंच के रूप में करैं सैं के जो वे पैहल्लै तै जाणै अर वि वास करै सैं तै वे पवित्रात्मा द्वारा सिखाण आली नवी जाणकारी के रूप की आि ाश खोवै सैं? एक कहाणी मैं खजान्ने खोजण आसान बात नही सैं। अर कहाणी सुणाण आल्यांह खातर भी या एक चुनौती सैं के क्यूकर दीनता तै श्रोता नै कहाणी के खजान्ने के रूप मैं सवाल पे ा करैं।

घणे जरूरी फैंसले : गर आपका इरादा सैं के विकसित दे ाा मैं बाइबल की सच्चाई नै स्पश्टता तै बतावैं अर 10/40 खिड़की मैं खोए होड़ अर संसार के ना बचाए होड़ माणसांह के झुण्ड ताहीं पहोंच तै जो कुछ हम कर सकै वो करैं पर याहडैं मौलिक (परिवर्तन) आपकी सच्चाई के पे ा करण के तरिक्के मैं जरूर होगा। के हम जवाब देवैंहगे (आकँड़या खातर अणपढ़ नै चेल्ला बणाणा नामक पुस्तक डाउनलोड करैं) या रिकारडिंग फारयेट मैं भी सैं।

<u>के अर इस काम नै कौण बणावैं सैं</u> ? या कोई बात नहीं सैं के कोई माणस कितने वर्शांह तै परमे वर नै जाणैं सैं 108 या कितणी बाईबल ि ाक्षा उसके धोरै सैं पर बाइबल समझण का एक तरिक्का सैं अर वो सैं के परमे वर गेल्यां म्हारा आत्मिक सम्बन्ध । परमे वर के वचन मैं परमे वर का आत्मिक संदे ा सारी माणस जाति खातर धरया सैं। इस तरियां बाइबल मैं जो आत्मिक सच्चाई धरी सैं वा सिर्फ पवित्रात्मा की ि ाक्षा के जरिए सिक्खी जा सकै सैं। यी ाु मसीह मै घणखरे वि वासी परमे वर के वचन सिखण खातर दुसरेयांह पै आश्रित होवैं सैं कलीसिया मैं जाण आले इस बाट मैं रैंह सैं के उन्हके पासबान ही उन्हानै (आत्मिक सच्च) वचन सुणावैं। कुछ उत्सुक माणस बाइबल पाठ ााला मैं अध्ययन खातर जावैं सैं। पासवान भी बाइबल पाठ ााला मैं पढ़ाई खातर जावैं सैं या वे सेमिनरी मैं जावैं सैं। प्रेरणा खातर बाइबल टीका अर जाणकारी खातर वे सेमिनार या सम्मेलन मैं जावैं सैं। सेमिनरी मैं अध्ययन करण आले पैहल्ले के लेखकां का अध्ययन अपणे ज्ञान नै बढ़ावण खातर करैं सैं। इन सारे साधनांह का बड़ा महत्व सैं। पर परमे वर नै अपणा संदे ा समझावण का तरिक्का अनदेख्या बणाया सैं। यू म्हारी खातर परमे वर का वो तोफा सैं । यू कुण सा साधन सैं? यी ाु नै तीन साल्लां ताही व्यक्तिगत ि ाक्षा पाकै अपणे चेल्यां तै चौकावण आला संदे ा सुणाया।

यी ाु उन्हानै छोड़कै जा रहया था। असनै अपणे चेल्यां तै कहया के थाहरा मन व्याकुल ना होवै अर ना तम्ह

109 घबराओ यी ाु की इस बात तै के हम समझ सकैं सै चेल्ले किसा भाव महसूस कर रहे थे? हाँ। वे डर रहे थे। उन्हका अदभुत ि ाक्षक इब उन्ह गेल्यां ना रैहगा। कौण उन्हानै सांत्वना देवैगा? कौण उन्हानै सिखावैगा ? यी ाु नै अपणे चेल्यां तै एक आखरी संदे ा दिया के वे केल्ले

ना रैंहगे। यी ु नै उन्हतै एक इसा ि ाक्षक देण का वादा करया जो हमे ाा उन्ह गेल्या रैहगा। यू ि ाक्षक हर चेल्ले गेल्यां रैहगा, दिन अर रात, सप्ताह के सात्तों दिन।

यूहन्ना 14:26 पर सहायक यानि पवित्रात्मा जिसनै पिता मेरे नाम तै भेज्जैगा वो तम्हनै सभ कुछ सिखावैगा अर जो कुछ मन्नै थाहरे तै कहया वो सभ तम्हनै याद करावैगा। परमे वर नै और दुसरे वचनांह मैं बयान कर राख्या सैं के क्यूकर पवित्रात्मा आत्मिक सच सिखावैहगा। 1 कुरंथि. 2:9–16 "पर जिसा लिख्खा सै, जो बात आँख नै नही देख्खी अर कान

नै नहीं सुणी अर जो बात माणस के चित मैं भी नहीं चढ़ी, वे ही परमे वर नै अपणे प्रेम करण आल्यां खातर धर राख्खी सैं।"(10) पर परमे वर नै वे अपणे आत्मा के जरिए म्हारे पै प्रगट करी सैं क्यूके आत्मा सभ बात बल्कि परमे वर की गूढ़ बात भी जाँच्चै सैं। (11) माणसाँह मैं

पेज 110

कौण किसे माणस की बात जाणै सैं, सिर्फ माणस की आत्मा जो उसमैं सै? न्यूहे ही परम वर की बात भी कोई नहीं

जाणता, सिर्फ परमे वर की आत्मा। (12) पर म्हारे मैं संसार की आत्मा नहीं, पर वो आत्मा पाया सैं जो परमे वर

की ओड़ तै सैं के हम उन्ह बातांह नै जो परमे वर नै म्हारे तै दी सै (13) जिन्हानै हम माणस के ज्ञान की सिखाई

होड़ बात नहीं पर आत्मा की सिखाई होड़ बात नै – आत्मिक बातां मैं मिला–2 कै सुणावैं सैं। पर भाारिरीक माणस परमे वर के आत्मा की बात ग्रहण नहीं करता, क्यूके वे उसकी जाण मैं मूर्खता की बात सैं अर ना वो उन्हानै जाण सकता क्यूके उन्हकी जाँच आत्मिक रीति तै होवै सैं। (15) आत्मिक माणस सभी कुछ जाच्चैं सैं पर वो आप किसे तै जाच्या कोन्या जात्ता। (16) क्यूके प्रभु का मन किसनै जाणया, के उसनै सिखावै? पर म्हारे मैं मसीह का मन सैं।" घणे लाम्बे बखत तै पवित्रात्मा की कलास खाल्ली रही सैं। आइये हम उसकी कलास मैं हाजिर होवैं। अपणे हाथ्यां नैं ठा के सवाल करैं। जिसा हम हर कहाणी का अध्ययन करैं सै तै हम परमे वर तै उस कहाणी की विशय वस्तु समझण खातर बुद्धि मां सकैं सैं अर वि वास करैं के वो म्हारी प्रार्थना की जवाब जरूरी देहगा।

"केवल कथा" के इस्तेमाल करण के तरिक्के –

अपणी वर्तमान सेवकाई मैं केवल कथा चिपकावै/लगावैं चाहे आप बालकाहं नै, जवानां नै, या किसी भी उम्र के माणसांह गेल्यां काम कर रहे सो, "केवल कथा" उन्हकी रूचि बढ़ावैगी अर आप माणसांह नै परमे वर के वचन के अध्ययन खातर भाामिल करैहगा।जो भी बखत आपके धोरै सै आप कहाणी की पे ाक ा की लम्बाई नै आत्मिक जाँच पड़ताल अर आत्मिक लाग्गूकर की संख्या मैं काँट–काँट कर सको सो। गर आपके धोरै थोड़ाऐ बखत सैं, 30 मिनट तै भी कम का, बखत आप एक हिस्से की क्रम संख्या 2 नै छोड कै कुछ बखत बचा सको सो। अर

एक स्वयंसेवक तै कहाणी बार–2 ना सुणैं। आप कहाणी सुणावैं। फेर आप कहाणी सुणा कै अगुवाई करैं के वे एक दुसरे नै कहाणी सुणावैं। केवल कथा" का प्रारूप फेर भी काम करैहगा।
2 जद एक "केवल कथा" कहाणी सुणाण का दिया बखत या मौका छोटटा सैं तै आप कुछ रचनात्मक काम कर सको सो।
एक कहाणी सिर्फ एक मिनट तै थोड़ा बहोत फालतू बखत ले कै सुणा सको सो। अर कुछ चुणया होड़ लाग्गूकर अर आत्मिक जाँच 5 तै 10 मिनट मैं करया जा सकैं सै। कहाणी सुणावैं अर सीधे आत्मिक जाँच अर आत्मिक लाग्गूकरण पै जावैं। इसतै पैहल्यां आप हर एक सवाल करैं कहाणी के बड़े हिस्से के दोहरावैं जिसमैं वो खजान्ना सैं जो आप चाहो सो के माणस खोज्जैं। गर उदाहरण के तौर पै आप एक कोड़ी की कहाणी सुणा रहे सो तै आप कैहंगे के याद करो यी ु क्यूकर तरस तै भर गया जद कोढ़ी नै यी ु के आग्गे घुटने टेक के बिनती करी अर
112 कहया गर तू चाहवै सै तै हमनै भुद्ध कर सकै सैं"। या एक राज की बात सैं। एक इसा सवाल करैं जिसमै पूरी जाणकारी हो जो उन्ह माणसांह नै कहाणी याद करावै जो उन्हानै इब्के सुणी थी जिसतै वे आपके सवाल का ठीक जवाब दे सकैं। पासबानां के जरिए नवा परिवर्तन : परम्परागत अर रूढ़िवादी समाज अर कलीसिया के पासबान पुलपिर तै "केवल कथा" के जरिए धर्मउपदे ा करण मैं हिचकिचावैं सैं। कई कलीसिया मैं उपदे ा के दौरान सवाल करणा घणी अलग बात मान्नी बावै सैं। किसी दायरे मैं आण की बजाय कहाणी सुणाणा एक बड़ी छलांग सैं। जो पासबान दुनिया के अलग–2 कोणे मैं रैह के सेवा कर रहे सैं अर जिन्हानै "केवल कथा" कार्य ाला में सिख्या सैं वे इस धारणा नै पसन्द करैं सैं अर उन्हानै ये समाधान ढूँढे सैं।

(अ) कुछ पासवान इसका इस्तेमाल जवानां गेल्या एक अनोपचारिक सभाी मैं करैं सैं। इसे जवानां की आड़े तै सकारात्मक

जवाब थे। इन्ह जवाना के माँ–बाप पासबान्नां धोरैं आऐ अर कहया के आप हमनै भी इस तरियां ि ाक्षा क्यूं ना देत्ते।

ब) दुसरे पासबान जिन्हानै अपणे पुलपिर तै "केवल कथा" भौली का अनुसरण करया पर उन्हानै रूढिवादी ढंग छोड़ कै या जीवित अर रोचक ढंग तै पढ़ी।

स) कुछ नै या इस तरियां पे ा करी के एक तरिक्का सैं जो म्हारे तै दूर था यानि जो पढ़ नही सकते इब उन्ह ताहीं इस तरिक्के के जरिए हम पहोंच सकैं सैं। दुसरेयांह नै बाइबल पे ा करण के तरिक्के के सकारात्मक जवाब 113 तै दरवाज्जा खुल्याह के केवल कथा के एक चलन का रूप उन्हकी कलीसियां मैं इस्तेमाल करैं।

द) कुछ पासबान्ना नै केवल कथा का परिचय अपणे संडे स्कूल के कार्यक्रम के अगुवे तै कराया।

इ) दुसरेयांह नै इसका इस्तेमाल वि वासियां की कलास खातर एक विकल्प के रूप मैं करया।

पूरी सजीव केवल कथा, बिना जवाब गेल्यां

1. गर झुण्ड घणा बड़ा सैं या जवाब देण मैं सक्षम नहीं सै तै आपनै अपणी "केवल कथा" मैं काँट छाँट करणा पड़ैहगा इसा करया जा सकै सैं। सारे हिस्से पै कहाणी नै कोई इस तरियां दुबारा सुणा सकै सै जिसका सुणण आले कोई जवाब ना देत्ते।

2 केवल कथा की कहाणियां रेड़ियो पै या टी.वी पै भी पे ा करी जा सकै सैं। कहाणी का दुहराव खत्मक करकै बाक्की सभ न्यूहे रैहं सैं। रेड़ियो पै जो खास बात सैं वो के पाँच सेकिण्ड की उस खाल्ली जगाह नै किसे भी तरियां के सवाल्लां तै भरणा। उदाहरण के तौर पै एक प्र न बुझें फेर कैंह–तै आप के सोच्चो सो? के आपके धोरै कोई विचार सैं के आग्गैं के होया? आप के कैंहगे? आपका जवाब के सैं .... ?" या एक बातचीत सैं जो श्रोता नै आपकी कहाणी मैं बणाऐ राख्खैं सै भटकात्ती नहीं, पर या हवाई राह नै भरैं सैं

114 के माणस स्टे ान ना बदलैं क्यूके उन्हानै रेड़ियो पै कुछ सुणाई ना दे रहया था।

पाठ–9

सही बणाणा, हाथ्थी खोजणा

यू हाथ्थी खोज्जण का सिद्वांत कहाणी सुणाण आलयांह नै सच्चाई कायम राख्खण मैं मदद कर सकैं सैं जिसा वे आत्मिक खजान्ने की खोज करैं सैं। पैहल्यांह एक घटना .... **हाथ्थी का खो जाणा**

आपनै इसतै पैहल्यां भी भाायद इस तरियां की एक बात सुणी होगी।

पाँच आँधे माणस एक हाथ्थी धोरै गए। माणसो ...... आप एक हाथ्थी धोरै खड़े सो। कृपा इसका ब्यान करैं। तुरन्त ही उन्ह माणसांह नै जो हिस्सा छुया था वो महसूस करणा भाुरू करया। एक नै पूंछ महसूस करी अर उसनै हाथ्थी का ब्यान न्यू कैह के करया यू तै एक छोटे पेड़ की टैहणी सैं। दुसरे आँध्धे माणस नै हाथ्थी का कान पकड़्या अर उसनै कहया के हाथ्थी जरूर एक पेड़ पै बड़े पत्ते की तरियां सैं। फेर उन्ह माणसांह मैं तै दुसरे नै हाथ्थी की सूंड महसूस करी। उसनै कहया के यू तै एक नाली की तरियां सैं जो हर तरियां तै मुड़ ज्या सैं।

115 चौथे माणस नै हाथ्थी के पेट के चारू ओड़ पहोंचण की कोि ा ा करी पर वो नहीं कर सकता। तै उसनै ब्यान करया, एक हाथ्थी एक लाम्बी गोल चटटान की तरियां सैं। पर यू चटटान की तरियां सखत नहीं सै। अर यू हिलै सैं।पाँचवे आँधे माणस नै तान्ना मारया मन्ने हाथ्थी का ब्यान करण खातर इसनै महसूस करण की जरूरत नहीं सैं। मन्नै हाथ्थी की ऊँची चिंघाड कई बै सुणी सैं। हर एक जाणैं सैं के एक हाथ्थी बड़े संगीत वाद्ययंत्र की तरियां सैं। फेर भी हर एक माणस नै हाथ्थी के कुछ हिस्से का सही ब्यान करया था। पर उन्हमैंह तै किसे नै भी नहीं समझया के सम्पूर्ण प ाु किस तरियां का था। उन्हानै हाथ्थी खो दिया। जद हम बाइबल कहाणी मैं एक

खजान्ने की खोज करैं सै तै हमनै जरूर याद राखणा सैं के एक कहाणी की एक सम्पूर्णता सैं "हाथ्थी" (जद एक कहाणी लाम्बी सै, तै अक्सर इसमै कई हिस्से होवैं सै, एक नाटक की तरियाँ जिसमैं एक तै घणे अभिनय होवैं सैं एक लाम्बी कहाणी मैं हर एक अभिन्य या दृ य भाायद इसकी सच्चाई का अपणा हाथ्थी लिए होड़ सैं। कई बै जद हम पूरी कथा नै जो हमनै पैहल्यां भी पढ़ी सै – उसनै पढ़ै सै तै भाायद म्हारे धोरै पैहल्ले विचार हो के कहाणी किस बारे मैं सै इसलिए हम वास्तव मैं इसनै ध्यान तै सुणण मैं फेल होवै सैं। याद करैं के उस आँधे माणस नै जाँच खातर बखत नहीं लिया (क्यूके उसनै इतणा वि वास था के हाथ्थी संगीत वाद्ययंत्र सैं।)

116 हम भी विचार कर सकैं सै के हम बाइबल के एक हिस्से के बारे मैं पहल्ले तै ही सारा जाणैं सैं अर नतीजतन हम कहाणी के पूरे सच नै खो देवै सै। यू भी आसान सैं के वाहे गलती करैं जो आँधे माणसांह नै करी थी। हम इसे तरियां कहाणी के एक हिस्से नै पकड़े रैंह सैं बस हुडैऐ रूक जयां पाच्छे जाकै पूरी कहाणी पै विचार करण मैं फेल होकै अर इसके सारे भाग्गां नै सही जगाह फिर ना करकै हम हाथ्थी नै खो बैटठै सैं। इसनै सावधानी तै सुणणा पड़ै सैं अर कहाणी नै आच्छी तरियां पकड़ण खातर प्रार्थना करणी पड़ै सैं। जो भी आप एक सच्चाई खोज्जो सो सभ बे ाकिमती सैं। पर व्यक्तिगत (अलग–2) हिस्से भाायद फेर भी कहाणी के पूरे हाथ्थी का आच्छी तरियां ब्यान नहीं कर सकते। एक **बाइबल कहाणी मैं हाथ्थी खो जावण का उदाहरण** : पैहल्यां मरकुस पढैं 1:40–फेर बखत ले कै कहाणी मैं हाथ्थी की तला ा करैं।

40 "एक कोहढी उसके धोरै आया, उसतै बिनती करी अर उसके साम्हणै घुटने टेक कै उसते कहया गर तू चाहवै तै मन्नै भाुद्ध कर सकै सैं।

41 उसनै उसपै तरस खाकै हाथ बढ़ाया अर उसतै छू कै कहया मैं चाहूँ सूँ के तू भाुद्ध हो ज्या।

117 42 अर तुरन्त उसका कोढ जात्ता रहया अर वो भाुद्ध हो गया।

43 फेर उसनै उसतै चिता कै तुरन्त विदा करया।

44 अर उसनै कहया देख किसे तै कुछ मत कैहणा, तुरन्त जाकै अपणे आप नै याजक तै दिखा, अर अपणे भाुद्ध होण के बारे मैं जो कुछ मुसा नै ठैहराया सैं वो भेंट चढ़ा के उन्हपै गवाही होवै।

45 पर वो बाहर जाकै इस बात का बहोत प्रचार करण अर याहड़े ताही फैलावण लाग्या के यी ाु फेर खुल्लम खुल्हा नगर मैं ना जा सकया पर बाहर जंगली स्थान्नां मैं रहया अर चारूं औड़ तै माणस उसके धोरै आत्ते रहे। हालांकि इस कहाणी मैं कई अदभुत अर बहोत जरूरी खजान्ने सैं। पर के आप हाथ्थी देख्खो सो? अक्सर ि ाक्षक इसनै छोड़ देवै सैं। वे देख्खैं सैं :

1 माणस का वि वास जिसतै यी ाु चंग कर सकै सैं।

2. यी ाु की चंगा करण की इच्छा।

3. यी ु का तरस अर कोमलता।

4. यी ु अपणा प्रेम कोहढी नै छू कै दिखावै सै।

5. अ ुद्ध माणस गेल्यां यी ु की पैहचाण।

6. यी ु धोरै चंगा करण की क्षमता।

118 पर फेर वे बाक्की की कहाणी मैं तावल करैं सैं अर इसनै ठीक तै ध्यान धरकै ना सुणते। इसके बजाय वे कुछ जाण पैहचाण आले भाब्दां नै पकड़ लेवैं सैं। अर फेर कोि ा ा करैं सै के वचन तै पाई दुसरी सच्चाईयांह नै इस कहाणी मैं घाल्लै। नतीजतन वे हाथ्थी नै खो देवैं सै। वे जरूर जिक्र करैं सै के यी ु नै कहया सैं के किसे नै चंगाई के बारे मैं ना बताणा। अर जाकै अपणे आप नै याजक तै दिखाणा। पर ये ि ाक्षक न्यू कैहण नै आग्गै बढ़ै सैं के यू माणस उत्तेजना तै इतणा भरया था के उसने अपणी चंगाई के बारे मैं सारयांह तै बताया अर गवाही दी के यी ु नै के करया था। फेर वे आनन्द अर सराहना पै एक उपदे ा प्रचार करै सैं।

8. कुछ इस तरियां बतावै सैं हालांकि चंगा होए माणस नै चाहिए था के वो माणसांह नै ना बतावै के—के घटया था? पर आनन्द के कारण वो इसा ना कर सकया अर गवाही दी। फेर गवाही पै एक प्रचार करया जावै सैं।

9. दुसरे सिखावैं सैं के चूंकि यू माणस अपणी चंगाई के बारे मैं हर एक नै बतावण ताहीं फूट पड़या अर न्यू यी ु नै भौहर तै बैहर जाणा पड़या अर वे (माणस) चारू ओड़ तै उसके धोरै आत्ते रहे। वे कैह सैं के इस माणस के बतावण पैऐ घणे माणस यी ु धोरै चंगाई खातर आऐ। फेर प्रचार करया जावैसै के क्यूकर परमे वर की प्रभुत्व की इच्छा इसचंगाई पाऐ माणस के जीवन तै पूरी होई।

119 पर आइए इसपै हम एक दृश्टि घाल्लैं। के ऊपर लिख्खे होड़ नौ खजान्ने कहाणी का सही ऊपरी दृ य देवैं सैं? या वो उसके बारे मै सिर्फ आधा सैं जो कहाणी की वास्तविकता सै? के हाथ्थी की सिर्फ आध्धी खोज होई सैं?

यू आच्छा रैहगा के हम उन्ह पैहल्यां खोज्जे होड़ खजान्यांह पै चर्चा करैं जो हमनै पैहल्ले खोज्जे सै। चंगाई के बारे मैं अर चंगे होए कोहडी के वि वास के बारे मैं। पर गर हम कोहडी की अनाज्ञाकारिता के बारे अर यी ु खातर उसके अनादर के सच तै चूक जावै सै, जिसनै उसतै इब्बै चंगा करया था, हम हाथ्थी के दुसरे आधे भाग नै खो देवैं सैं। ठीक उसे तरियां ज्यूकर हम चंगाई की जाणकारी नै गंभीरता तै लेवै सैं उसे तरिया यू भी जरूरी सैं के चंगे होए कोहड़ी की अनाज्ञाकारिता नै भी लेवै।

गर हम इस कहाणी नै अनियंत्रित आन्नद, गवाही की महीमा, या परमे वर की प्रभुता के बारे मैं प्रचार करण खातर इस्तेमाल करैं सैं तै समझो हमनै हाथ्थी खो दिया। कहाणी का यू बाक्की का हिस्सा आनन्द या गवाही के बारे मैं नहीं सैं, यू खुद की इच्छा के बारे मैं सै। यु

उन्हके बारे मैं सै जो मान्गैं सै अर परमे वर तै जीवन परिवर्तन करण आला उपहार पावैं सै अर फेर उसकी आज्ञा खातर अनाज्ञाकारिता मैं जीवन जीवैं सै।

परमे वर नै म्हारे तै पूरे खण्ड मैं पर्याप्त जाणकारी दी सै के हम इस पूरी सच्चाई नै समझण में सक्षण होवैं। एक कहाणी सुणाण आला जो आच्छी तरियां तैयारी।

120 करै सैं वो कहाणी के सन्दर्भ नै पढ़ैगा। इस कहाणी तै पैहल्यां की दो आयत यी ु की इच्छा नै प्रगट करै सैं मरकुस 1:38–39 उसनै उन्हतै कहया, "आओ हम किते लावै धोरे की बस्तियां मैं जावैं, के हुडै भी प्रचार करूँ क्यूके में इसी खात्तर लिकड़या सूँ। (39) तै वो सारे गलील मैं उन्हके अराधनाल्यांह मैं जा जाकै दुश्टात्मांह नै लिकाडता रहया। ध्यान देवैं, परमे वर नै म्हारे तै 39वीं आयत मैं बताया सैं के यी ु लावे धोरै की बस्तियांह मैं जाणा चाहवै था पर दुर्भाग्य तै चंगाई के बाद उस एक माणस की इच्छा के कारण परमे वर हमनै कहाणी मैं बतावै सै के यी ु खुल्लम खुल्हा नगर मै ना जा सकया यी ु के चाहवै था के कोहड़ी करै? कहाणी मै यी ु नै कठोरता तै उस चढ़ाई पाए कोहडी तै याजक के धोरै जाण की आज्ञा दी, "जाकै अपणे आपनै याजक तै दिखा .... तै समतै पैहल्यां हम देख्खैं सै के यी ु के मुसा की व्यवस्था के आज्ञापालन के निर्दे ा का चंणे होए कोहड़ी नै तिरस्कार करया। जो बात यी ु नै कठोरता तै कोढी तै कही थी के कोढी नै अपणे आप गवाही के रूप मै याजक तै दिखाणा था जो नहीं होया। यी ु चाहवै था के याजक इसके बारे मैं जाणै अर चगाई नै प्रमाणित करै। इस तरियां माणस नै यी ु

121 का आददर मान ना करना अर ना ही याजक का मान करया अर ना पुराणे नियम की व्यवस्था का। सावधान्नी तै कहाणी नै पढ़कै। (अर अपणे विचारां नै कहाणी मै ना घाल कै) यू केन्द्रीय सच सैं यू हाथ्थी पाया जा सकै सै।यी ु चमत्कारिक रूप तै अर तरस तै जो किसे नै छूवण पै नवा जीवन ल्यावै सैं। एक माणस जिसनै अपणी इच्छा पूरी करी अर उसकी आज्ञा का पालन नहीं करया जिसनै इबबे वो चंगा करया था। इस कहाणी मैं यू ही हाथ्थी सैं।कोढी माणस का ध्यान चंगा करण आले तै ज्यादा चंगाई पै दिख्खै सैं। सारी बाइबल मै, कई कहाणियांह मैं हम

माणसांह नै इस्से तरियां की गलती करते देख्खैं सैं। माणस धार्मिक पाप करैं सै। उन्हके उत्साह तै वे परमे वर खातर बिना ध्यान तै सुणे या बिना आदर देत्ते होए के परमे वर नै उन्हतै जो नही कहया सै वोह काम वै करै सै के गवाही

देणा गलत सैं? नही .... असल मैं म्हारे तै गवाह होण खातर ही कहया गया सै। के यी ु की उस नि चत बखत अर स्थान की योजना मैं यू गलत था? .... बिल्कुल गलत था।

अक्सर हम अपणी धार्मिक इच्छा पूरी करण खातर अनाज्ञाकारिता नै दोशमुक्त करै सै। या इसकी चर्चा नहीं करते।पर बाइबल मैं निरंतरता सै, परमे वर द ावै सै के वो आज्ञाकारिता चाहवै

सै। (अर मांग करै सै) याहड़े एक उदाहरण सै के परमे वर का विचार उन्ह खातर के सै जो देखण मैं सही से यानि किम्मैं धार्मिक भी दिख्खैं सैं। यू पैहल्ला
122 भौमूएल की किताब मैं से। हुडै हम एक माणस नै धार्मिक काम करते देख्खैं सै पर परमे वर की आज्ञा के खातर बखत अर काम की परिस्थिति अनाज्ञाकारिता मै लिपटी होड़ सै। परमे वर अपणे निर्दे ा के तिरस्कार की तुलना सभतै निचले पाप तै करै सै।

भामूएल 15 : 22—23 भामूएल नै कहया, "के यहोवा होमबली तै अर मेलबली तै उतणा खु ा होवै सै जितणा के अपणी बात के मान्ने जाणे तै खु ा होवै सै? सुण माणणा तै बलि चढ़ावण तै अर कान लाणा मेढंया की चर्बी तै उत्तम सैं। (23) देख बलवा करणा अर भावी कैहण आल्यांह तै बुझणा एक ही तरियां के पाप सैं। अर हट करणा मूरत अर गृहदेवता की पूजा के समान सै "तन्नै जो परमे वर की बात तुच्छ जाणी सै, इस कारण उसनै तू राजा होण खातर तुच्छ जाणया सैं, "इसे कोढी तै सहानुभूति राखणा (जद हम चर्चा करैं सै) या निर्दोश ठहराणा भाायद इसा करण की माणसांह नै आज्ञा देणा सै जो एक आम पाप सै। हालांकि कई बै यू पाप कति छोटटा लाग्गै सै क्यूके हमनै तेज आवाज मैं नही कहया। मैं परमे वर के तरिक्के के ऊप्पर अपणा तरिक्का चुणु सूँ। गर हम परमे वर की कही होड़ बात का तिरस्कार करैंहगे अर उसपै ज्यादा ध्यान लगावैंगे जिसनै हम करणा चाहवै सै, यू एक पाप सैं। आज्ञाकारिता का अभाव अनाज्ञाकारिता सैं। हम कहाणी के इस दुसरे हिस्से (अनाज्ञाकारिता का काम अर परिणाम) नै अनदेख्खा नहीं कर सकते।गर हम किसी भी कारण तै कोहडी कि अनाज्ञाकारिता नै दोशमुक्त करैं सैं तै हम परमे वर की इच्छा के ऊप्पर अपणी इच्छा धरण का फैसंला करैं सै जो के एक सामान्य पाप नै उत्साहित करै सैं।

123 वि वासिमांह की या बात कितणी दुखद सैं के अरै इस हालात के बारे मैं परमे वर उसके वचन मैं के कैहवै सैं, मैं जाणू सूँ पर मेरे धोरै इसनै अलग तरियां तै करण के आच्छे कारण सैं "खिलवाड"। हमनै कहाणी के एक हिस्से पै बहोत बखत खर्च करया सै।।

यू एक हिस्सा न्यू चुणया गया क्यूके यू वि ोश तरियां का एक हिस्सा सैं जिसनै माणस ठीक तरियां ध्यान तै सुणण

मैं असफल होवैं सै। अर नतीजन वे इस दुसरे आधे हिस्से तै चूक ज्यावैं सै हमनै बताणा चाहया के क्यूकर आसानी तै हम कहाणी की सम्पूर्णता तै चूक गया सै तै समझो हम परमे वर की पूर्ण ि ाक्षा तै ही चुक ज्यां सैं।

जद हम एक कहाणी नै पढ़ण की तैयारी करैं सै तै हम एक पवित्र जिम्मेवारी लेवैं सैं। यू हाथ्थी का उदाहरण हमनै याद करावै सैं के सावधानी तै अर आच्छी तरियां परमे वर की बात सुणैं। ज्यूकर बाइबल कैहवै सैं, "जिसके कान हों वो सुण ले"। "केवल कथा" की धारणा का इस्तेमाल करते होए हर कहाणी जो हम पढैं सैं, हमनै सारी कहाणी घणी सावधानी तै सुणणी सैं अर प्रार्थना करणा सैं के हर कहाणी मैं जो कुछ परमे वर कैह उसपै भरोसा करैं।

124 हमनै न्यू भी देख्खण की जरूरत सै के कहाणी के सारे अलग–2 हिस्से क्यूकर कहाणी की सम्पूर्णता द ावि सैं। कोढी की कहाणी मैं परमे वर हमनै अनाज्ञाकारिता के नतीजे दिखावै सैं। हालांकि इस बात पै ध्यान देवैं के कई दुसरी बाइबल की कहाणियां मैं माणसांह के पाप के नतीजे नहीं दिखाऐ गए। हमनै उन्ह कहाणियां तै भी परमे वर की आज्ञा मान्नण की बुद्विमता पढ़ी सै क्यूके हम उसकी अगुवाई पै भरोसा करे सैं, इसलिए नहीं के हम अनाज्ञाकारिता के नतीजे तै डरैं सै। गर हम या मरकुस की कहाणी सम्पूर्णता तै सुणावैं तै या माणसांह नै उदासी के अर अनाज्ञाकारिता के बारे मैं मदद करैगी जो परमे वर म्हारे तै जीवन अर चंगाई का आनन्द देवै सैं। गर हम व्याख्या करते बखत सभी किम्मै चूक गे तै इस मरकुस की अनाज्ञाकारिता की कहाणी मै हम असफल होगे। अर वि वासियांह नै भी वि वास के जरिए परमे वर की आज्ञा का पालन करण खातर उत्साहित करण मैं भी फेल होगे। न्यू भी जाणै के एक कहाणी मै पाप के नतीजे के बारे मैं चाहे ना समझाया हो पर फेर भी हुड़ै पाप के नतीजे जरूर लिख्खे सैं। बे ाक इस भौतिक संसार मैं पाप के नतीजे नजर नहीं आते पर म्हारे पाप परमे वर नै दुखी करैं सैं अर जिसके कारण म्हारा आन्नद अर भाांति जाती रैह सैं। हालांकि ज्यूकर हर कहाणी मैं कई अदभत खजान्ने उसनै सम्पूर्ण बणावैं सै। ज्यूकर या कहाणी बार बार सिखाई जावै सैं, इसके भीतर के खजान्ने आत्मा के जरिए कहाणी सुणाण आले, सुणण आले
125 अर चर्चा करण आल्यांह पै प्रगट करे ज्याहंगे।

पाठ–10
एक नमूने की कहाणी की यात्रा
क्यूकर सवाल तैयार करै।
जक्कई , लूका 19:1–10

इस पाठ मैं हम केवल कथा के एक खास हिस्से पै ध्यान करैंहगे, जो सवाल बणाण मैं मदद करैंहगे। जद आप पाठ का आकार देख्खैंहगे तै भायद आपनै हैरानी का झटका लगै। क्यूके यू पाठ बहोत ही लाम्बा सैं। फेर आप जद इसमै जावैंगे तै कैहवैंगे के इसकी तै बहोत दोहराई सै। खास तौर तै जो माणस केवल कथा की जाँच कर रहे सैं, यू पाठ उन्हकी अध्ययन भौली मैं सही नहीं बैठता। गर आपकी भी या भौली नहीं सैं तै आप इसनै छोड़ दयो। दुसरेयांह खातर यू पाठ वो स्थान सै जित वे जाणै सैं के इस कहाणी तै पाऐ खजान्नयांह तै क्यूकर सवाल बणावैं। तै इब हम आपनै एक बाइबल कहाणी मैं ले ज्यांहगे खजान्नयांह नै पावण की एक खास प्रगति मैं अर फेर उन्ह खजान्यांह तै सवाल बणावैंहगे।

126 बस न्यू जाणैं जद हम केवल कथा मैं लिखित तौर तै सवाल पे ा कर रहे सैं ज्यूकर हम इस हस्तलिखित किताब मैं कर रहे सै तै जो हम चर्चा करकै अदभुत खजान्ने खोज सके थे वे सभ गवां दिए।"केवल कथा" सवाल्लां का नि चित समूह नहीं सै पर या एक धारणा सैं, ध्यान धरकै

सुणै, सिख्खण अर सच्च की ओड़ आग्गे बढढण मैं प्रगति करैं। जो पाठ हम दे रहे सैं, इसमैं सम्भावित सवाल सैं, श्रोता नै खजान्नै की ओड़ ले ज्यांहगे उसकी ओड़ जो हमनै इब तांही इस कहाणी मैं देख्या सैं। वे प्र न जो आप केवल कथा का उपयोग करते बखत बणावैंहगे वे आपके अपणे होंगे अदभूत तौर तै, जिसा आप पवित्रात्मा अर माणसांह के जवाब अर टिप्पणियां सुणैंहगे आप न्यू जाणकै कि आप कितणा घणा सिख्खो सो अचम्भित हावैंगे। यू सभ सवाल–जवाब की भौली मैं होवै सैं। गर आप परम्परागत भौली के भाशण/उपदे ा तै इसकी तुलना करैंहगे तै इसमै घणा सिख्खण नै मिलैगा। घणखरी बै, कहाणी सुणाते होए

माणसांह की जरूरत के कारण खोज्जे गए खजान्ने वो ना होंगे जो आपनै चर्चा खातर पैहल्ले तै तैयार कर राख्खे सैं। ये अदभुत सैं। असल मै गर आप अपणे तैयार करे प्र नांह मैं तै कुछ ही प्र नां का इस्तेमाल करैं सैं अर माणस सिखण मैं लगे होड़ सैं तै आपका केवल कथा का लक्ष्य पूरा हो गया। केवल कथा मैं आप देख्खो सो के म्हारा लक्ष्य नियंत्रित करणा अर अपणी सामग्री पूरा करणा नहीं सैं। परमे वर भाायद माणसांह के जवाब अर सवाल तै एक नवी दि ाा मैं अगुवाई करैहगा जिसमैं आपनै जाण की योजना नहीं बणाई थी। जद माणसांह नै एक 127
बाइबल कहाणी आच्छी तरियां सीख ली तै फैर भी चर्चा उस कहाणी मैं बाक्की सैं अर आप सभ भाामिल होकै सच नै सीख रहे सैं इसतै परमे वर का आद्दर होवै से अर आपका लक्ष्य प्राप्त होवैं सैं।सभतै पैहल्यां जद आप खुद जक्कई की कहाणी पढ़ो सो तै भाायद आपनै उतणे खजान्ने ना मिलैं जितने याहड़े हम पे ा कर रहे सैं। हमनै पक्का बेरा सैं के हमनै या कहाणी संसार के कई स्थान्ना मैं सिखाई सैं। उस बखत चर्चा के जरिऐ इस कहाणी तै बहोत कुछ सिख्या। हमनै जो जाणकारियां पाछले बखत कटठी करी सैं वे हमनै काबिल बणावैं सै के उन्ह खजान्यांह मैंह तै आप गेल्या भी कुछ बाटटैं। ज्यूकर आप केवल कथा भौली में लगातार कहाणी तैयार करकै पे ा कर रहे सो तै आप भी घणा ओर घणा खजान्ना खोज पॉवैंहगे। असल मैं आप भाायद इस कहाणी मैं वापस जा सकैंहगे अर घणे खजान्ने खोज पावैंगे। परमे वर का वचन इस्से तरियां सैं आप कदे भी इसकी सच्चाई की आपूर्ति तै नहीं थकैंगे। क्यूके हमनै बेरा सैं के खास घटना परमे वर नै चुण कै म्हारी खातर बाईबल मैं लिपिबद्ध करी सैं। हम एक घटना या कहाणी नै चुणणा चाहवैं सै अर सावधानी तै देख्खैंगे के हम इसतै के सिख्खैंगे। हमनै इस अध्ययन खातर जक्कई की कहाणी चुणी सैं, अक्सर इसनै बालकांह की आसान कहाणी के रूप मैं देख्या जावैं सैं। या इसी सैं भी पर इसतै भी गैहरी सैं। इस कहाणी नै अक्सर न्यू सुणाया जावैं सैं
128 एक जक्कई नाम का नाटा माणस यी ु नै देखणा चाहवै था, इसलिए वो पेड़ पै चढ़ गया के वो भीड़ के उप्पर तै देख सकै। भीड़ जो इस कहाणी मैं सै वा इसनै पसन्द नहीं करै थी क्यूके वो एक चुंगी लेण आला था। पर यी ु उसपै ध्यान देवैं सैं अर उसके घर मैं भोजन खातर आवै सैं। जक्कई घणा खु ा होकै अपणे धन का आध्धा हिस्सा गरीबां मैं बांट देवैं सैं। अर हमनै जक्कई की तरियां होणा चाहिए। हालांकि या जाणकारी कहाणी के भीतर ऐ सै परइसतै भी घणी

जाणकारी खोज्जी जा सकै सैं ज्यूकर हम इस कहाणी मैं “केवल कथा” भौली मैं जावैं सै उस बखत कहाणी के बहोत से खजान्ने खोल्ले ज्यांहगे।

पाठ इस तरियां रचया गया सैं : जक्कई की कहाणी पढ़ण अर सिख्खण के बाद हम आपनै दिखावैंहगे के कहाणी मैं क्यूकर वे खजान्ने ढूँढणे सैं अर प्र नां की रचना करणी सैं के माणस भी उन्ह खजान्या तक पहोंच सकैं। पैहल्यां कहाणी मैं आत्मिक जाँच के जरिए खजान्यांह का पता लगावण खातर वे तरिक्के देख्णे सैं के परमे वर की कहाणी मैं आए माणसांह के जीवन, वचन अर कार्य मैं क्यूकर काम करया, चुनाव जो उन्हानै करे या वे कर सकैं थे, उन्हके चुनाव के नतीजे अर असर अर आख्खर मैं इस कहाणी के जरिए देख्खैंगे के क्यूकर परमे वर माणसांह के जीवन मैं कार्य करैं सै। या म्हारी आत्मिक जाँच सैं। आप भाायद ना देख्खैं या म्हारी आत्मिक जाँच तै जो हम सुझावैं सै, सहमत ना हों। या असामान्य नहीं सैं इसनै एक समस्या नहीं समझणा चाहिए।

129 जद आप दुसरेयांह नै केवल कथा सिखावण खातर इस्तेमाल करैं सैं, आप वो ही बाँटटैंगे जिसनै आप कहाणी के भीतर व्यक्तिगत रूप ते देख्खो सो। कुछ विचार जो हम देंहगे भाायद वे होंगे विचार चर्चा खातर। ज्यूकर विचारांह पै चर्चा करी जावै सै,, घणी बै प्रभु दुसरे के माध्यम तै बात करै सैं, अर नवी समझ उस वचन के हिस्से के भीतर तै अक्सर प्रका ा में आवैहगी।

इब खातर, क्यूके हम आपनै साक्षात रूप तै निर्दे ा देवण मैं सक्षम नहीं सैं, हम जाणकारी नै इस पाठ मैं लिख्खैंगे जो दिखावैगी कि एक कहाणी के जरिए क्यूकर सोचणा सैं। बाद मैं जद आप उन्ह तरिक्के पै मनन कर लेंहगे जो हमनै इस नमूना कहाणी मैं प्र न बणावण मैं इस्तेमाल करे सैं। हम आपनै उत्साहित करैं सै के आप इस कहाणी नै तैयार करकै सवेकाई मैं इस्तेमाल करैं। आप उस जाँच अर लाग्गूकर नै चुन सको सो जो आप खातर अर्थपूर्ण सैं। अर आप खुद के सवाल बणा सको सो के आप माणसांह की अगुवाई अपणे खजान्ने तक करैं। इब म्हारी कहाणी अर प्र न क्यूकर बणाऐ जाण के बारे मैं : या खास बात सैं। याहड़ै दुहराव आवै सै जिसके बारे मैं हमनै पैहल्यां ही आपतै चेताया था। आप देख्खैंहगे के अपणी जाँच नै सूचि बद्ध करैं सैं

130 अर फेर उसके बाद म्हारे प्र नां नै सूचि बद्ध करैं सैं जो हमनै उन्ह जाँच ताही पहोंचण नै रचे सैं। हम इसनै करै सैं के आप देख्खैं क्यूकर म्हारे सवाल म्हारी जाँच पै आधारित सैं। इस कारण हम अपणी जाँच नै फैर के सूचिबद्ध करै सै के आप देखैं के क्यूकर हम जाँच नै प्र न मैं बदलै सैं। आग्गै म्हारा आत्मिक लाग्गूकरण आवै सैं। यू नि चित करण खातर के आप विचार की प्रगति देख्खैं हम म्हारी जाँच नै फेर कै सूचि बद्ध करैंहगे। इसा न्यू करया गया के आप देख सकैं के क्यूकर हर एक लाग्गूकरण नै खास जाँच पै आधारित होवण की जरूरत सैं। उसके बाद आप म्हारे लाग्गूकरण आले सवालां नै पढ़ सको सो। हाँ जिसा हमनै चिताया था के यू पाठ घणा लाम्बा सै। क्यूं? हम हर चीज नै भाामिल करै सैं के आप उस तरिक्के नै हर बार जाँच सकैं के क्यूकर प्र न श्रोता नै जाँच तांही पहोंचावै सैं। जक्कई की कहाणी के इस अध्ययन नै हमनै

फैंसला करया सै के आपनै दिखावै के इसमैं खजान्नयांह का सम्पूर्ण हिस्सा सैं के आपनै यू विचार मिल सकै के कहाणी मैं कितणी घणी जाणकारी हो सकै सैं। जद असल मैं आप इस कहाणी नै सिखाओ सो, बखत की कमी या भाायद किसी कारण तै आप भाायद अगुवाई महसूस करैंहगे के सिर्फ खजान्ने आला हिस्सा पे ा करैं।

131 पे ाक ा की परम्परागत भौली "केवल कथा" की हटकै तुलना की जाँच एक कहाणी पढ़ावण का आम तरिक्का।

जद प्रचार अर पढ़ावण की समैत आप भौली का उपयोग करैं सैं तै एक खण्ड का कुछ हिस्सा या भाायद पूराऐ खण्ड, श्रोता खातर पढ़या जावै सैं। तै इब्बे पढ़े होड़ कुछ हिस्से नै मंच के रूप मैं धरया जावै सैं जिसतै पढ़ाया जाहवैगा। बाक्की के दुसरे वचनां नै पक्की सच्चाईयांह पै दृढ़ता देवण खातर भीतर ल्याया जावै सैं। कुछ घटना मैं बाइबल के बैहर की जाणकारी पे ा करी जावै सैं अर फेर किम्मै यूनानी अर इबानी भाशा का भी जिक्र करया जावै सैं के वक्ता के खास बिन्दुवां नै सिद्ध करया जावै। कदे–कधार थोड़ी हास्सी या कहाणी ल्याई जावै सैं के माणस सचेत बणे रैंह। फेर श्रोता खातर लाग्गू करण की बात होवैं सैं यू सभ इसाऐ सैं। लाग्गू करण की बात ि ाक्षक बणावें सैं। लाग्गूकरण की बात श्रोता तै कैहण के रूप मैं पे ा करी जावैं सैं के उन्हानै के करणा चाहिए अर के नही। पे ाक ा की या भौली

आम सैं अर इसमैं कुछ भी गलत कोन्या। पर खण्ड पढ़ावण सिर्फ यूहे नही सैं।

"केवल कथा" भौली। विरोधाभास जद एक माणस "केवल कथा" का उपयोग करते होए पढ़ावैं सैं तै कहाणी तीन बै अलग–2 तरियां तै सुणाई जावै सै। फेर सवाल के जरिए श्रोता का स्वागत करया जावै सैं के वो आत्मिक जाँच नै खोज सकैं।

132 (जिस तरियां नीच्चै वे सुचिबद्ध सैं) चर्चा की इस भौली तै श्रोता नै जाणकारी की प्रक्रिया, मानसिक रूप तै सम्बन्धित रैहणा अर खुद खातर आत्मिक खजान्ने खोज्जण के आनन्द नै अनुमति देवै सैं। आराम तै श्रोतागण वे अतिरिक्त सच खोज्जैंगे जो ि ाक्षक नैं नही खोज्जे थे।

आइये इब भाुरू करै :

इस अभ्यास खातर सिफारि ा करी जावै सैं के पैहल्यां आप इस दस आयतां की कहाणी नै "केवल कथा" भौली मैं सिख्खैं। (कहाणी का पाठ नीच्चै पाया जा सकै सै)

ठीक उस्से तरियां केवल कथा" हाथ तै लिख्खी होड़ पुस्तक न्यू ब्यान करैं सैं एक कहाणी क्यूकर सीख्खी जा सकै सै।

1. इस दस पद की कहाणी नै एक बै तेज आवाज तै पूरा पढ़ै।

2. जिसा आप इसनै पढ़ो सो तै इसनै अपणी हर रोज आली बोल्ली मैं बोल्लैं। उदाहरण के तौर पै “कर वसूल करण आला” की बजाय चुंगी लेण आला कैह सको सो।

3. अपणे मन की आँख्यांह मैं देख्खैं के कहाणी मैं के घटित हो रहया सैं।

4. पूरा पढ़कै तुरन्त अपणी आँख्या नै बन्द करै। अर कहाणी मैं जितणा आप याद कर सको सो उतणा दोहरावैं। आप कहाणी नै सही तरियां तै याद करण की कोि ा ा कर रहे सैं। ना के सिर्फ सही भाब्द।

133 5. फेर वापस जावै अर इसनै फैर के एक वै तेज आवाज मैं पढैं। आपनै उन्ह हिस्यां का बेरा पाटटैगा जो आपनै छोड़ दिए थे।

6. अपणी आँख्या नै बदं करैं अर कहाणी तेज आवाज मैं फेर दोहरावैं।

अक्सर इस तरियां कहाणी नै चार बै पढ़ण अर दुहरावण के बाद आप ध्यान करैंहगे के आप पूरी कहाणी सुणावण के काबिल होंगे।गर चार तै छह बर के बाद भी आप कहाणी नै याद करण मैं संघर्श कर रहे सैं तै हुड़े एक मजबूत सम्भावना सैं के आप केवल कथा के नुखसे नै बदलै। इस्से कारण हम सिफारि ा करैं सैं के आप उप्पर लिख्खे होड़ 1 तै 6 तक की फेर कै जाँच करैं। अर फेर कै जक्कई की कहाणी सिखण की कोि ा ा करैं। पर केवल कथा भौली मैं।इब कै आप लिखित कहाणी का एक अं ा भी ना छोड़डैं। जद आप कहाणी दुहरावैं सै ते याद राख्खैं के कहाणी तेज आवाज मैं पढ़ै अर दोहरावैं – तेज आवाज मैं।

1 जक्कई – लूका 19:1 वो यरीहो मैं प्रवे ा करण जा रहया था।

2 हुडै जक्कई नाम का एक माणस था जो चुंगी लेण आल्यांह का सरदार था अर धनी था।

3 वो यी ु नै देखणा चाह रहया था के वो कुण सा सैं। पर भीड़ के कारण देख ना सकै था क्यूके वो नाटा था।

4 तै वो यी ु नै देखण खातर आग्गै भाज कै गुल्लर के पेड पै चढ़ गया। क्यूके यी ु उसी राह तै जाण आलाथा।

134 5 फेर यी ु उस जगाह पहोंचया तै उप्पर आँख ठाकै उसतै कहया हे जक्कई झट तलै उतर या क्यूके आज मन्नै तेरे घर मैं रैहगा जरूरी सैं।

6. वो तुरंत उतरकै आनन्द तै उसनै अपणे घरां ले गया।

7. यू सभ देखकै माणस कुड़कुड़ाकै कैहण लाग्गे, “वो तै एक पापी माणस के याहड़े जा उतरया।

8. जक्कई नै खड़े हो के प्रभु तै कहया के हे प्रभु देख मैं अपणी आध्धी सम्पति कंगाला नै दयूं सूँ अर गर किसे का कुछ भी अन्याय करकैं ले लिया सैं तै उसनै चौगुणी फेरूँ सूँ।

9. फेर यी ु नै कहया के आज इस घर मैं उद्धार आया सैं क्यूके यू भी अब्राहम का बेटटा सैं।

10. क्यूके माणस का पुत्तर खोए होयांह नै ढूँढण अर उन्हका उद्वार करण आया सैं।

कपा करकै सावधानी तै ध्यान देवैं :

आत्मिक जाँच अर आत्मिकता मैं लाग्गू करण आली बात अर प्र न जो श्रोता नै

ढूँढणे से उसमै अगुवाई करैंहगे। वो सभ इस हाथ तै लिख्खी होड़ पुस्तक मैं से ताकि आप देख सकैं के कहाणी खातर सवाल क्यूकर बणाऐ जावैं सैं। एक केवल कथा "कार्य ाला मैं " जद एक बाइबल कहाणी नै केवल कथा भौली मैं पे ाकरण खातर तैयार करया जावैं सैं तै कोई जाणकारी लिख्खी ना जाती। कहाणी आपकी नोट बण जयावै सैं।

135 कहाणी एक लत्ते टांगण की डोर सैं जिसा आप अपणे मन मैं आहस्ते–2 इस डोर गेल्यां चाल्लैं सैं आप अपणे खजान्ने अर सवाल नै अपणी डोरी पै टांग्गो सो।

नीच्चे लिखी होड़ कुछ आत्मिक जाँच सैं के एक कहाणी सुणावण आला उसपै ध्यान देवैं। यू एक क्रमानुसार सैं जिसा वे कहाणी मैं आवैं सैं। याद राख्खैं के ये सिर्फ बहोत सारी जाँच सैं, वस्तु सैं जो खास दिखावै सैं। सभपै एक बर मैंए चर्चा नहीं करही जाहगी। पर जिसा आप एक कहाणी की खोजबीन करो सो तै सोच्चण मैं अर कई विचारां की सम्भावना तै ना घबरावैं। फेर माणसांह के जवाब कित ले ज्यावैं सैं अर पवित्रात्मा चर्चा नै कित ले जा रहया सैं उसपै आधारित होकै आपनै तैयार रैहणा चाहिए के खोजबीन की अलग–2 दि ाा मैं जा सकैं। ध्यान देवैं जद सिखावण का बखत आवै सैं तै भाायद आप उस बखत अपणे सारे विचारां नै सिद्ध करण मैं सक्षम ना होंगे। तै उनह सिद्ध ना होए विचारां नै दुसरयांह तै सिखावण मैं इस्तेमाल नहीं करणा चाहिए। उन्ह विचारां नै सिर्फ अलग धरकै राख्खै – कदे बाद मैं इस्तेमाल खातर। आप पावैंगे के कई बै जिसा आप अपणे सवाल पे ा करो सो, प्रभु दुसरे के जवाब के जरिए आपर्तै अदभुत बात कैहगा (अतिरिक्त सच) अर उस बखत आपके पैहल्ले के विचार सिद्ध हो ज्यांहगे।

आत्मिक जाँच जिन्हपै हम ध्यान करैं सैं ....

136 माणस जो यी ाु मैं रूचि राख्खैं सैं वे जक्कई के यी ाु धोरै आवण मैं रूकावट कर रहे सैं।

2. वो माणस जक्कई कद मैं छोटा पर पद मैं बडा सैं। वो एक धनी माणस सै अर प्रधान चुंगी लेण आला सैं, पर वो यी ाु नै देख्खण खातर उत्सुक सैं अर जद आसनी तै काम ना बणया तै उसनै अपणा उद्दे यपूर्ण तरिक्का ना चुणकै दुसरा तरिक्का चुणया।

3. इस बात की सम्भावना के दुसरे माणस उसका न्यू कैह कै मजाक उड़ावैंगे के देख इतणा म ाहूर होकै यू भाग के पेडडे पै चढ़ कै यी ाु ने देखण तै ना रूक सकया।

4. कहाणी मैं यू जरूर सैं के जक्कई यी ाु नै ढूँढ रहया था। फेर कहाणी के हिस्से के जरिए एक कहाणी बणै सैं के यी ाु जक्कई नै ढूँढ रहे सैं।

5. हम देख्खैं सैं के यी ाु उसके लावे – धोरे की भीड़ की धक्का–मुक्की के बीच राह पै चल रहया था। हालांकि सभ माणस यी ाु के विपरित धक्का दे रहे सैं। वो सभनै किनारे करकै उस

माणस नै देख्खण की कोि ा ा करै सैं जो उसके धोरै नहीं था – पर एक पेडडे पै जा चढ़या था।

6. यी ु जक्कई नै नाम लेकै बुलावै सै जिसतै बेरा पाटटै सैं के उसकी जक्कई मैं रूचि थी।

137 7. यी ु खुद बिना बुलाए जक्कई के घरां जावै सैं जो के माणसांह के रीति–रिवाज मैं आच्दी बात ना समझी जात्ती। यू यी ु के ज्ञान अर भरोस्से नै दिखावै सैं के–के करणा जरूरी सैं।

8. जद एक माणस उप्पर देख्खैं सै खासकर एक अगुवा जिसके पाच्छे माणस चाल रहे सैं तै माणस भी आँख ऊप्पर ठाकै देख्खैं सैं के अगुवा किसनै देख रहेया सैं। तै याहड़ै सिर्फ यी ु जक्कई नै नहीं देख रहया सैं पर सभ माणस जक्कई नै देख रहे सैं। जक्कई दिख्खण पै घबराहट या भार्मिन्दी ना दिखात्ता। वास्तव मैं वो आनन्द दिखावै सै।

9. जक्कई यी ु के बुलावे के जवाब मैं उत्तर देवण में हिचकिचाता नही पर वो तावल करैं सैं।

10. भीड़ जक्कई के विरोध मैं बोल्लै सैं, खुद के बीच कुड़ कुड़ावण आल्यांह के जरिए यी ु के बारे मैं क्यूकर वो एक पापी माणस के याहड़ै या उतरया – संकेत कर सकै सैं के यी ु बस इब जा रहया सै या चाल्या गया। ठीक–ठीक तरियां बाद मैं जक्कई अर यी ु नै जाणया के माणस यी ु के जक्कई के घर जावण की आलोचणा कर रहे सैं। साफ नहीं सैं। पर कहाणी मैं बाद मैं यी ु जक्कई के साम्हणै भीड़ नै जो बोल्लै सै उसके जरिए हम देख्खैं सैं के यी ु अर जक्कई अपणी भीड़ की आलोचना तै प्रभावित ना होगे अर इब भी यी ु उसके घर मैं था।

138 11. भीड़ की इस आलोचना के बावजूद "के यी ु पापी के घरां जा उतरया, मैं सोच्चूं सूँ के भीड़ सोच रही सैं के वे पापी ना थे।

12. भीड़ इसा दिखा रही सैं मान्नो वे यी ु के चेल्ले सैं। वे यी ु नैं उल्टे दबाव दे कै उस गेल्यां चाल रहे सैं। हालांकि उन्हका कुड़कुड़ाणा इस बात की ओड़ इ ारा करैं सैं के वे इस बात का ख्याल राख्खैं सैं के यी ु किस गेल्यां खावै सै। यू इस आड़े इ ारा करैं सैं के उन्हके घरां मैं ही जाणा यी ु का आच्छा चुनाव होवैगा। असल मैं भीड़ नै जद देख्या के यी ु उन्हके घरां मैं नही जा रहया तै वे उसका अनादर सा कर रहे सैं।

13. इस फैंसला करण आली भीड़ का अपणा ही वि वास सैं पर इसे दिखाई देवैं सैं के यी ु तै सवाल करण की उन्हमैं हिम्मत नहीं सै। इसके बजाय वे खुद ही यी ु की आलोचना करकै बुड़बुड़ावण लाग्गे।

14. जक्कई एक धनी माणस अपने मन नैं खोल कै दिखा रहया था जद उसनै अपणी आध्धी सम्पति कंगाल्ला तै देवण की बात कही

15 जक्कई या भी घोशणा करै सैं के गर उसनै किसे का भी कुछ अन्याय करकै ले लिया हो तै वो चाहवै सैं के उसनै चार गुणा वापस देवैः जक्कई ना कैहता के गर वो कानूनी तौर तै दोशी पाया गया तै वो चार गुणा वापस फेर देहगा।

139 जक्कई यू फैंसला अपणी मर्जी तै करैं सै। भाायद कोई सुझाव देवैं के वो पैहल्यां ही कंगालां नै अपणा धन दे रहया सैं।

पर भीड़ का विचार हमनै कुछ ओर ऐ लाग्गै था। गर वो चुंगी लेण आला था अर उसनै अपणा आधा धन कंगाल्ला तै दे दिया तै भाायद इसा वो पैहल्यां भी गुप्त रूप तै कर रहया होगा। पर उन्हका चार गुणा फेर देणा जिन्हका जक्कई नै अन्याय तै ले लिया था, भीड़ की नजर मैं जक्कई नै एक धार्मिक माणस की श्रेणी मैं राख्खै सैं जो हम इस कहाणी मैं जाणैं सैं के किसे बिन्दू पै जक्कई मान्नै सैं के वो पापी था अर चिजां नै ठीक करणा चाहवै था। यी ाु नै कहया के परिवर्तन उस्से दिन होया। हम न्यू भी देख्खैं सैं के जक्कई नै अदभुत दयालुता दिखाई।

16 पैहल्लै न्यू समझया जा सकै सै के जक्कई भाायद अपणे तरिक्के यी ाु द्वारा ग्रहण करे जाणे नै खरिददण की कोिाा कर रहया सैं। यानि परमे वर ताहीं अपणी राह खरीददण की कोिाका एक तरिक्का। पर हम जाणैं सै के उस दिन जक्कई यी ाु पै वि वास ल्याया क्यूके यी ाु नै उसतै कहया, आज इस घर मैं उद्धार आया सैं। 140 कहाणी मैं जक्कई ही केल्ला इसा माणस सैं जो स्वकीर करैं सैं के वो पापी सैं अर कहाणी मैं सिर्फ उस्से नै उद्वारा पाया।

17 कहाणी मैं यी ाु जक्कई तै सीधे कैहण लाग्या, "आज इस घर मैं उद्वार आया सैं। फेर यी ाु बोलणाजारी राख्खैं सैं अर कैंह सैं के यू भी अब्राहम का बेटटा सैं। इसतै हम न्यू देख्खैं सैं के जक्कई के इलावा भी हुडैं और माणस थे। इस गेल्यां यी ाु जो कैह रहे सैं उसके जरिए हम देख्खैं सैं के वो उसनै परिवर्तित कर रहया सैं जिसतै वो बात कर रहया सैं । अर यी ाु जक्कई नै उन्ह माणसांह तै भी बचा हरया सैं।

18. यी ाु का कैहणा सैं के उसके आण का मकसद सैं के खोए होयां नै ढूँढकै उन्हका उद्वार करणा इस तरियां इस कथन का सारां ा जक्कई खातर मान भी सैं अर भीड़ खात्तर आलोचना भी लाग्गैं सैं।

प्र न बणाणा : अभ्यास खातर, इब हम दिखावैंहगे के याहडै सूचिबद्ध जाँच ताहीं दुसरे माणसांह की अगुवाई करण

खातर क्यूकर सवाल बणावैं

आप देख्खैंगे के कई बे एक जांच पै श्रोता का ध्यान खिंच्चण खातर भाायद कई सवाल्लां का इस्तेमाल करैहंगे। क्यूके हर सवाल श्रोता नै आत्मिक जाँच ताहीं पहोंचावण खातर रचे गए सैं, एक सहायता के रूप मैं हम जाँच नै फेर सूचिबद्ध करैं सैं आत्मिक जांच के रूप मैं। फेर सवाल या सवाल्लांह नै जो हमनै आत्मिक जांच ताहीं पहोंचावैंगे। वे के रूप मैं आत्मिक जाँच, प्र नबद्ध करे गए सैं।

141 माणस जो यी ु में रूचि राखते दिखाई देवैं सै वे जक्कई के यी ु धोरै आवण में अवरोध कर रहे सैं।

अ. इस कहाणी में हमनै देख्या सैं के जक्कई यी ु नै देखणा चाह रहया था। पर वो यी ु के धोरै नहीं आ सकया इस सच के इलावा के जक्कई नाटा था, हम कहाणी में देख्खैं सैं के माणस जक्कई की राह मैं आऐ। माणस के कर रहे थे के उन्हानै जक्कई का विरोध करया?

— तै आप के कहो सो वे माणस यी ु के धोरै उसनै देख्खण आ रहे थे या उसके खोज्जी थे?

— आप के सोच्चो हो ?

2. यू माणस जक्कई कद मैं छोटटा पर पद मैं बड़ा था। वो धनी माणस अर प्रधान चुंगी लेण आला था, वो

यी ु नै देखण खातर इतणा उत्सुक था, के जद आसान तरिक्के तै काम ना बणया, तै उसनै अपणे तरिक्के तै हटकै उद्दे यपूर्ण चुनाव करया।

142 ब जक्कई का समाज मैं सामाजिक, ब्योपारिक अर आर्थिक पद का ब्यान करैं ?

— जक्कई अपणी सम्पति के कुछ हिस्से का इस्तेमाल करैं सैं अर कुछ बदमा ाांह नै किराऐ पै लेवै सैं के भीड़ के बीच एक राह बणावैं। सही सैं? नहीं ?

— ठीक सै फेर मन्नै बुज्झण दयो। जद यू खास माणस एक आम या आसान तरिक्के तै यी ु नै देखण मैं सक्षम ना हो पाया तै जक्कई कितणी अत ताहीं जावै सैं ?

3 सम्भावना सै के माणस इस खास माणस के उसके सड़क पै जनता के साम्हणै भाज के पेडडे पै चढ़णा के काम की मजाक उडावैंगे। जक्कई नै वो काम करण तै नाम रोक सके।

के हम जाणैं सै के उस इलाक्के के माणस जक्कई के बारे में के विचार राख्खैं थे ?

— जक्कई एक खास माणस सैं अर वो जाणै सैं के लोग उसनै अयोग्य माणस जाणैं सैं। यी ु नै देखण खातर की जनता मै सड़क पै भाज के पेड़े पै चढ़ कै अपणे उपर कुणसा संकट मोल लेवैं सैं ?

143 4. कहाणी मैं सभतै पैहल्यां यू जरूरी सैं के जक्कई यी ु नै ढूँढ रहया सैं। फेर कहाणी के इस हिस्से

के जरिए या कहाणी बणै सैं के यी ु जक्कई नै ढूँढ रहे सैं।

द असल मैं इस कहाणी मैं के आप कह सको सो के जक्कई यी ु नै ढूँढ रहया सैं ?

— इसतै हमनै के समझ मैं आवैं सैं ?

— पर जद हम कहाणी नै फेर के देख्खैं सैं, के आप कैह सको सो के यी ु जक्कई नै ढूँढ रहे रहे सैं ?

— आप इसनै कहाणी मैं कित देख्खो सो ?

— तै कुणसा सै? के जक्कई यी ु नै ढूंण्ढह रहया सैं या यी ु जक्कई नै ?

5.	हम देख्खैं सैं के यी ु उसकी आसपास की भीड़ की धक्का मुक्कि के बीच राह मैं चल रहया सैं, हालांकि

सारे माणस उलटे यी ु पै गिरे पड रहे थे। पर वो समनै किनारे करकै सिर्फ एक माणस पै ध्यान देवण का चुनाव करै सैं जो उसके लावै धोरै भी नहीं था पर पेडडे पै जा चढया था।

इ	जद यी ु एक भीड़ तै भरी राह पै चल रहया था, भीड मैं तै कुण से माणसांह नै वो जवाब दे रहया था?

144	यी ु के ब्योहार तै हमनै किस बात का बेरा पाटटै सै?

6.	यी ु जक्कई का नाम ले के बुलावै सै जो उसकी जक्कई मैं रूचि दिखावै सै।

यी ु नै जक्कई नाम ले कै बुलाया के उसमैं उस खातर व्यक्तिगत रूचि दिखावै सैं ?

यी ु नै जो जक्कई तै कहया के उसमैं उस खातर व्यक्तिग रूचि दिखावै सैं ?

7.	यी ु नै खुद जक्कई के घर जावण का प्रस्ताव धरया जो अक्सर दुनियां के रीति रिवाज मैं आच्छी बात ना मानी जाती। जो कुछ होणा चाहिए उसके बारे मैं इस्से तै बेरा पाटटै सें के यी ु का ज्ञान अर भरोस्सा कितणा था।

बातचीत मैं कुण आग्गै सै ? अर यू किस तरियां का असामान्य न्योंदा सैं?

8	एस ओ – जद एक माणस उप्पर देख्खैं सै खासकर अगुवा जिसके पाच्छै माणस चाल्लैं सैं, तै वे माणस भी अपणी नजर उप्परठा के देख्खैंगे के अगुवा किसनै देख रहया सै। तै याहड़े सिर्फ यी ु ही जक्कई नै नही देख रहया था वे सभ माणस भी जक्कई नै देख रहे थे।

145 ह –एस ओ क्यू . के आप कदे इसे माणसांह के झूण्ड मैं रहे सो अर उन्ह में तै एक उप्पर देख्खैं सैं, अर किसे चीज़ पै टकटकी लगावैं सै।

–	फेर समूह के बाक्की माणस के करैं सैं ?

–	कहाणी के जरिए के हम जाणैं सैं के गर यी ु के इलावा के ओर किसे नै जक्कई पेड़ पै देख्या था? क्यूकर तै यू जक्कई एक घणी भार्मिन्दगी की हालात मै पकड़या गया अर हर एक नै वो देख्या। क्यूकर एक धनी माणस अर ताकतवर माणस जद इस भूण्डी तरियां पेड़ पै पकड़या जावै गा तै वो के महसूस करैहगा ?

–	के जक्कई नै छिपण की कोि ा ा करी या बहान्ने बणाए ?

–	के हम कहाणी के जरिए जाण सकैं सै के जक्कई नै किसा महसूस करया ?

**9.	एस ओ** – जद यी ु नै जक्कई तै आवाज दी तै वो हिचकिचाया नहीं। उसनै तावल में जवाब दिया।

–एस ओ क्यू .जक्कई नै क्यूकर जवाब दिया? असल मैं क्यूकर ?

146

10.एस ओ – भीड़ जक्कई के विरोध मैं बोल्लै सै यानि खुद के बीच कुड़–कुड़ावण के जरिए के क्यूकर यी ु पापी माणस के घर जा उत्तरया। "जा उतरया" संकेत कर सकै सैं के यी ु बस इब्बे

जा रहया से या वो चाल्या गया। ठीक–2 तरियां जक्कई अर यी ु नै कद जाणया के वे माणस यी ु के जक्कई के घर जावण की आलोचना कर रहे सैं, साफ नहीं सैं, पर बाद मैं यी ु जक्कई के साम्हणैं भीड़ नै बौल्ले सें, उसके जरिए हम देख्खैं से के नाम ते यी ु अर ना ही जक्कई पै भीड़ की आलोचना का कोई प्रभाव ना पड़या जदके इब यी ु भी उसके घर मैं था।

क एस ओ क्यू . – हम जाणैं सैं के भीड़ जक्कई तै बड़ा मैहसूस कर रही थी जिसा के वे कुड़कुड़ा रहे थे। के जक्कई भीड़ के जरिए प्रभावित होया।

– उसने उन्हकी आलोचना का के जवाब दिया ?

11.एस ओ – भीड़ की इस आलोचना के जरिए के यी ु एक पापी के याहड़ै जा उतरया में समझू सूँ के उन्हका विचार था के वे पापी नहीं सैं।

ख एस ओ क्यू .– भीड़ जक्कई के बारे मैं के सोच्चै थी .... आत्मिक रूप तै ?

– वे खुद के बारे के सोच्चैं थे – आत्मिक रूप तै ?

– भीड़ इसा दिखा रही से – मान्नो वे यी ु के चेल्ले सैं वे उसनै धक्के देत्ते उस गेल्यां भीड़ मैं चाल्ले। हालांकि उन्हका बुडबुड़ाणा बतावै सैं के वे इस बात की देख रेख राख्खैं सैं के वे इस बारे मैं देखरेख राख्खैं सै के यी ु किस गेल्यां खावै सै। यू इस तरियां महसूस होवैं सै के भीड़ चाह रही थी के उन्हके घरां मैं तै एक का चुनाव आच्छा रैहगा। असल मैं भीड़ यी ु के इस फैंसले नै ना मान कै के वो जक्कई के घर गया– उसका अपमान कर रही सैं।

147 ग–एस ओ क्यू .कहाणी की भाुरूवात मैं कुण सी इसी बात दिख्खै सैं के जिसतै भीड़ यी ु के पाच्छे (अनुसरण)चाल्लण आली लाग्गी?

– वे यी ु गेल्या भीड़ के रूप मै धक्का दे कै चल रहे थे। उन्हके भाारिरीक काम अर उन्हकी व्यक्तिगत रूचि मैं यी ु नै अपणा बखत गुजारया, उन्हका इ ारा के था ?

– असल मैं वे यी ु नै किसा आददर दे (द ाा) रहे थे ?

13.एस ओ इस फैंसला करण आली भीड़ का अपणा ही वि वास सैः पर इसा नजर ना आत्ता के वे यी ु के साम्हणैं सवाल करण की हिम्मत जुटावैं। भीड़ धोरै इसा कोई विचार ना था के वे यी ु की सामर्थ के बारे सोचते वे आपस मैं आहस्ते आहस्ते ि ाकायत कर रहे थे।

148 घ)एस ओ क्यू .के आपनै याद सै के भीड़ भाक मैं थी क्यूके उन्हानै बुझया था के यू हो सकै सै के वो सभनै छोड़ दे जो उस गेल्यां रैहणा चाह रहे थे अर एक पापी के याहड़ै चाल्या जावै नहीं? उन्हानै नहीं करया। उन्हानै के करया?

– तै उन्हके ब्योहार तै आपनै के लाग्या? उन्हानै यी ु का सच मैं आददर करया के नही ?

14 **एस ओ** जक्कई जो के एक धनी माणस था, उसनै न्यू कैह के अपणा मन खोहल कै धर दिया के मैं अपणी आध्धी सम्पति गरीब्बां मैं बाँट दयूहगा ।

– जक्कई नै कुणसी दयालुता का फैंसला करया ?

– ये हमनै उसकी खासियत के बारे मैं के दिखावै सैं?

15.एस ओ जक्कई न्यूं भी धोशणा करै सैं के गर उसनै किसे का भी कुछ अन्याइय करकै ले लिया तै वो उसनै चौगुणा फेर देहगा।जक्कई न्यू कोन्या कैहता, गर वो कानून दोशी पाया गया तै चार गुणा भर देहया। जक्कई इसा करण का संकल्प अपणी आजाद इच्छा तै करै सैं। भाायद कोई इस बात का सुझाव दे सकै सै के जक्कई पैहल्यां ही इसा कर रहया था पर भीड़ का विचार हमनै ओर ही तरियां का लाग्गै सैं। गर वो चुंगी लेवण आला था जिसनै अपण आधा धन कंगाल्या तै दे दिया तै भाायद वो इसा पैहल्यां ही गुप्ता रूप तै कर रहया होगा। पर जिन्हका उसनै ले राख्या था उन्हका चौगुणा फेर के वो भीड़ की नजर धार्मिक श्रेणी मैं रैह सैं।

149 जो हम कहाणी मैं जाणैं सै वो यू सैं के कहाणी के किसी बिन्दू पै जक्कई मान्नै सैं के वो पापी था अर चीजां नै ठीक करणा चाहवै था। यी ु नै कहया के परिवर्तन उस्से दिन होया। हम न्यू भी देख्खैं सैं के जक्कई अदभुत उदारता दिखावै सैं।

त एस ओ क्यू . कहाणी मैं कुछ तै सै जो इस बात की ओड़ इ ारा करै सैं के जक्कई कानूनन एक चोर के रूप मैं पाया गया इसलिए वो समस्या तै बैहर होण खातर कोि ा ा कर रहया सै?

– के हम सिद्ध कर सकैं सैं के जक्कई –यी ु तै मिलण खातर धन वापिस दे रहया था या के आप सोच्चो सो के यी ु तै मुलाकात के बाद उसनै इसा फैंसला करया ?

– के हम उस भीड़ के उन्ह विचारा तै जो जक्कई खातर थे कह सकैं सैं के वो ईमानदार चुंगी लेण आला पैहल्यां ही अपणी दौलत कंगाल्ला नै बाटटया करै था ?

– जक्कई की इस मुस्किल का बयान करै के वो उन्हके धोरै वापिस जा कै अपणा आधा धन लौटावै जिन्हपै गलत तरिक्के तै आरोप लगा कै धन ऐंठया था ?

– हम इस कहाणी नै क्यूकर देख सकैं सैं के यी ु तै मुलाकात के बाद जक्कई का जीवन बदल गया ?

150 एस ओ सभतै पैहल्यां न्यू समझया जा सकै सैं के जक्कई काम के जरिए कोि ा ा कर रहया था के वो उसनै स्वीकार करैं।ई वर ताहीं पहोंचण नै राह खरिददण का एक जरिया। पर हम जाणैं सैं जक्कई उस्से दिन यी ु पै वि वास लयावैं सैं क्यूके यी ु उसतै कैह सैं, आज इस घर मैं उद्वार आया सैं। " कहाणी मैं जक्कई ही इक्लौता माणस सैं जो स्वीकार करैं सैं के वो पापी सैं अर कहाणी मैं सिर्फ उस्से नै उद्वार पाया सैं।

थ एस ओ क्यू . कहाणी मैं कितणे माणस रूचि दिखात्ते प्रतीत होवैं सैं

– कहाणी मैं कुछ सैं जो हमनै दिखावैं सैं के उस दिन जक्कई के जीवन मैं , असली मैं एक आत्मिक परिवर्तन होया?

– कहाणी मैं किसनै एक पापी होणा स्वीकार करया ?

– कहाणी मैं कौण खुद नै एक पापी के रूप मैं नहीं देख्खैं सैं?

– कहाणी मैं उन्ह सभ मैं तै किसनै उद्धारा पाया ?

– कहाणी मैं आपनै जिसनै उद्धार पाया उसके जीवन मैं के फर्क नजर आवै सैं

17 एस ओ – कहाणी मैं यी ु नै जक्कई तै कहया के इब्बे इस घर मैं उद्धार आया सै, फेर यी ु बोलणा जारी राख्खैं सैं अर कैह सै के यू अब्राहम का बेटटा सैं। इसतै हम जाणैं सैं के जक्कई के इलावा हुड़ै ओर माणस हाज्जर थे ।

151 जो यी ु कैह सै के उसके जरिए भी हम देख्खैं सैं के वो उसनै परिवर्तित कर रहया सैं जिसतै वो बोल रहया था। अर यी ु जक्कई नै भीड़ तै भी बचा रहया सैं।

छ एस ओ क्यू . इस कहाणी मैं जिसा जक्कई यी ु पै वि वास कर रहया सैं इसा महसूस होवैं सै के वो बातचीत सिर्फ उन्ह माणसांह के बीच ही थी। पर जद यी ु कैंह सैं इसलिए के यू भी इब्राहम का बेटटा सै – याहड़ै के आप दुसरे माणसांह की उपस्थिति का संकेत देख्खो सो ?

– हुड़ै कौण सैं?

– उन्ह माणसां खातर यी ु के वचन के बारे मैं आप के देख्खो सो?

– आप के सोच्चो सो के यी ु इन्ह माणसांह नै पावण की को ा ा कर रहया सैं के वे अपणे आपनै अर जक्कई नै देख्खैं?

18 एस ओ .यी ु का कैहणा सैं के उसके आवण का उद्दे य सैं के वो खोया होया नै ढूँढण अर उन्हका उद्धार करण आया। यू के सारां ा कथन सै जिसमैं जक्कई का मान अर भीड़ की आलोचना महसूस होवै सैं

घ एस ओ क्यू . यी ु नै या कहाणी न्यू कैह के खत्म करी के उसके आवण का उद्दे य था के खोए होयां नै ढूढैं अर उन्ह का उद्धार करैं। आप यी ु के इस सारां ा कथन मैं वे देख्खो सो ?

152 के आप सोच्चो सो के यी ु चाह रहया था के भीड़ अपणे बारे मैं खुद देख्खैं ?

– अपणे विचारांह की व्याख्या करैं। आग्गै लिखी होड़ आत्मिकता मैं लाग्गूकरण की एक सूचि सैं या उप्पर लिखी होड़ हर एक आत्मिक जाँच पै आधारित सैं। आग्गै लिखी होड़ हर एक आसान प्रक्रिया सैं। एसओ के रूप मैं आत्मिक जाँच मैं भाामिल सैं अर उसके तुरन्त बाद एसओ आत्मिक लाग्गूकरण आली सूचि एसए के रूप मैं दे राख्खी सैं।

1 एस ओ –जो माणस यी ु मैं रूचि दिखावैं सैं वे जक्कई के यी ु धोरै आवण मैं अवरोध कर रहे सैं।

अ–ए स (आत्मिक लाग्गूकरण) हम जो यी ु के चेल्ले होवण का दावा करैं सैं कई बै यी ु के धोरै आण पै इतणे केन्द्रित होवैं सैं के हम अणजाणे मैं या अज्ञानता तै उन्ह माणसां नै दूर राख्खैं सैं जो यी ु नै ढूँढ रहे सैं।

2 **एसओ**– यू माणस जक्कई कद मैं छोटटा पर पद मैं बड़ा सैं एक धनी माणस एक प्रधान चुंगी लेण आले के रूप मैं, वो यी ु नै देख्खण मैं इतणा उतावला सैं के जद आसानी तै उसके धोरै ना जा सकया तै वो इस राह तै हट कै एक दुसरा चुनाव करे सैं।

ब–**एसएस** जद हम यी ु नै ढूँढणा चाहवैं सै तै हमनै अपणा घमण्ड एक ओड़ धरण खातर तैयार रैहणा चाहिए अर वो करणा चाहिए जिसकी जरूरत यी ु नै ढूँढण अर उसका अनुसरण करण मैं सैं।

3 इस बात की संभावना सैं के भीड़ जक्कई का जनता के बीच तै भाज कै गुल्लर के पेडडे पै चढ़ण के काम की मजाक उड़ावैहगे– जक्कई इन्ह काम्मा नै करण तै नहीं रूकया।

स **एसए** –म्हारा गर्व अर जनता का डर के वे म्हारे बारे मैं के कैहंगे – यी ु नै जाणण तै वंचित ना करैं। चाहे दुसरे माणस हमनै मूरख की तरियां देख्खैं फेर भी हमनै यू काम करणा सैं ।

4 .**एसओ** – कहाणी मैं जरूर जक्कई यी ु नै पैहल्ले तै ढूँढ रहया सैं फेर कहाणी के हिस्से के जरिए या कहाणी बणैं सैं के यी ु जक्कई नै ढूँढ रहे सैं।

द –**एसए** हमनै कहाणी मैं देख्या के जक्कई यी ु नै ढूँढ रहया सैं पर यी ु भी जक्कई नै ढूँढ रहया सैं।

म्हारी खातर हमनै जरूर परमे वर ढूँढण सैं। पर जाणै के उस ही बखत वो भी आपनै ढूँढैं सैं।

5 **एसओ** –हम देख्खैं सैं के यी ु उसके धोरे की भीड़ की धक्का मुक्की के बीच राह पै चल रहया सैं। हालांकि के सारी भीड़ यी ु पै गिरी पड़ रही थी। वो सभनै किनारै करके ध्यान देवण का चुनाव करैं सैं के एक माणस जो उस धोरैं नहीं था वो एक पेडडे पै चढ़ बैटठया सैं।

इ– **एसए** उस दिन कई माणस परमे वर की कृपा पावण की इच्छा राख्खैं थे। वे यी ु मैं रूचि लेत्ते महसूस होवैं थे पर यी ु नै वे नकारे अर सिर्फ एक माणस चुणया। कई माणस संसार मैं इसाऐ दिखावैं सैं के वे परमे वर मैं रूचि राख्खैं सैं पर उन्हमैं तै कई सच्चे नहीं सैं। यी ु नै सिर्फ वोहे एक सच्चा माणस पुकारया था। परमे वर म्हारे मनां नै जाणैं सैं अर वो हे जाणैं सैं के हम सच मैं उस नै ढूँढ रहे सैं या नही।

6. **एसओ** यी ु जक्कई का नाम ले कै बुलावै सैं इसतै जाहिर होवै सै के वो उस माणस मैं व्यक्तिगत रूचि राख्खै सैं।

फ. **एसओ** हम याहड़ै एक व्यक्तिगत परमे वर नै देख्खैं सैं। वो जो जाणै सैं के हम कित सैं अर हमनै म्हारे नाम तै जाणैं सैं। गर हम समझैं सैं के परमे वर उन्ह पै दयावान सैं जो उसनै ढूँढैं सैं तै हम चाहवैंगे के वो हमनै नाम तै पुकारै .... यू सुखदायक सैं। जक्कई यी ु नै देखण खातर उसनै ढूँढ रहया था तै जद यी ु नै उसका नाम लै कै पुकारया तै जक्कई नै पैहचाणया वो कौण था जो उसनै पुकार रहया था।

7एसओ यी ु बिना बुलाऐ जक्कई के घर चाल्या गया जो अक्सर समाज मै आच्छा ना मान्या जाता। इसतै यी ु का ज्ञान अर भरोसा जाहिर होवै सै के के जरूरी सै।

ज **एसए** जद एक माणस उप्पर देख्खैं सैं खासकर एक अगुवा जिसके पाच्छै लोग चाल्लैं सैं तै वे लोग भी उस गेल्यां उप्पर देखण खातर अपणी नजर ठावैंगे के देख्खैं अगुवा के देख रहया सैं। इसलिए सिर्फ यी ु ही जक्कई नै नहीं देख रहया था पर सभ माणस जक्कई नै देख रहे थे। जक्कई खोज्जे जाण पै घबराहट या भार्मिन्दगी नहीं द ार्ता पर वो आनन्द अर खु ी जाहिर करै सैं।

ळ **एसए** जद हमनै अवि वासी माणस या भगतीहीन चेल्ले देख्खैं सै, जद हम यी ु नै जाणण की कोि ा ा करैं सैं तै इन्हका असर म्हारे पै ना होवै।

156 जद हम जाणैं सैं के परमे वर म्हारे मैं व्यक्तिगत रूचि राख्खैं सैं ते हमनै खु ी तै उछलणा चाहिए।

9.**एसओ** जक्कई जद यी ु नै बुलाया तै वो हिचकिचाता नहीं पर वो तावल दिखावै सैं।

इ **एसए** गर किसे भी बखत हम जाणैं के परमे वर हमनै काम करण नै बुला रहया सैं तै हमनै जरूर उत्तर देणा सैं। अर उसके निर्दे ा के अनुसार जवाब देणा सैं। देरी तै आज्ञा मानणा, आज्ञा ना माणणा भी हो सकै सैं।

10.**एसओ** भीड़ जक्कई के विरोध मैं बोल रही सैं खुद के बीच कुड़कुड़ावण के जरिए के वो एक पापी के याहडै जा उतरया। "जा उतरया" संकेत कर रहया सैं के बस यी ु इब्बे जा रहया सैं या चाल्या गया। आच्छी तरियां जक्कई अर यी ु नै कद जाणया के लोग यी ु के जक्कई के घर जावण की आलोचणा कर रहे सैं, साफ नहीं सै। पर कहाणी के बाद मैं यी ु जक्कई के साम्हणै जो भीड़ नै बोल्लैं सैं उन्हके जरिए हम देख्खैं सैं के यी ु अर जक्कई दोन्हूवां नै ही आलोचना के बारे मैं बेरा नहीं था। पर जक्कई भीड़ की तै प्रभावित ना होया हालांकि यी ु उसके घर मैं सैं।

157 भाुरू–2 मैं हम आच्छा कर सकैं सैं पर बखत बितण पै जद हम अपणे आसपास के माणसांह की आलोचना ग्रहण करै सैं याहड़े ताहीं के एक धार्मिक भीड़ तै भी आलोचना के बाद हमनै काम मैं लाग्गे रैहणा चाहिए।

11.**एसओ** भीड़ की इस आलोचना के जरिए के यी ु एक पापी माणस के याहड़ै जा उतरया मन्ने लाग्गै सै के भीड़ का विचार सैं के वे पापी नहीं सैं।

ख**एसए** उन्हके मुँह तै खुद ही घमण्डी माणस अपणी निंदा करैं सैं। हमनै उन्ह घमण्डी माणसांह की तरियां नहीं बणणा जिन्हानै स्वीकार ना करया के वे पापी सैं।

12.**एसओ** भीड़ इसा दिखा रही सैं मान्नो वे यी ु के चेल्ले सैं वे यी ु नै भीड़ के रूप मैं धक्का देत्ते चाल रहे थे। हालांकि उन्हका कुड़ कुड़ाणा दिखावैं सैं के वे इस बारे मैं देख रेख राख्खैं सैं के यी ु किस गेल्यां खावैं सैं। यू इस तरियां महसूस होवैं सैं के वे इ ारा कर रहे सैं

के उन्हके घरां मैं तै यी ु खातर एक सही चुनाव होगा। असल मैं भीड़ यी ु के उस चुनाव का अनादर करैं सैं जो उसनै जक्कई के घर जाण का करया।

ग158**एसए** वे सभ जो यी ु के चेल्ले होवण का दावा करैं सैं वे उसनै ना जाणते अर ना उसका या उसके फैंसले का मान करते। धार्मिक माणसांह मैं तै सभ वचनांह का मान ना करते सिर्फ कुछ नै छोड़ कै।

13 इस फैंसला करण आली भीड़ के अपणे ही वि वास सैं। पर इसी या भीड़ इसी ना दिखती के यी ु के मुँह पै सवाल कर सकै। भीड़ नै यी ु की सामर्थ के बारे कुछ भी सोच नहीं सै इसा ब्योहार करैं सै के जिसा वो उन्हकी नहीं सुण पावैगा क्यूके वे आपस मैं आहस्ते–2 बात कर रहे थे।

घ**एसए** भीड के क्रिया कलाप आज के माणसांह के समान सैं जो सोच्चैं सैं के परमे वर उसनै सुण नहीं सकता जो वे एक दुसरे तै कान्नाफूसी कर रहे सैं या जो वे गुप्त मैं, अंधेरे मैं करैं सैं वो देख नहीं सकता।

14.**एसओ** जक्कई एक धनी माणस अपणे मन ने न्यू कैह कै दिखा रहया सैं के मैं अपणी आध्धी सम्पति कंगाल्लां मैं बाँट दयूहगा।

ड **एसए** परमे वर गेल्यां किसे की भी सच्ची मुलाकात उसके द ान अर मूल्य मैं बदलाव करै सैं।

15. **एसओ** जक्कई या भी घोशणा करैं सैं के गर उसनै किसे का भी कुछ अन्याय करकै ले लिया तै वो चाहवैं सै के उसका चार

159 गुणा फेर दे। जक्कई न्यू ना कैहता के गर वो कानून दोश्शी पाया गया तै चार गुणा फेर देहगा। जक्कई यू काम अपणे मन की आजादी तै करैं सैं। भाायद कोए सुझाव दे सकै सैं के जक्कई पैहल्यां ही कंगाला नै अपणा धन दे रहया था पर भीड़ का विचार हमनै अलग तरियां का लाग्गै सैं गर वो एक चुंगी लेण आला था जिसनै अपणा आधा धन कंगाला तै दे दिया तै भाायद वो पैहल्यां भी गुप्त रूप तै इसा कर रहया होगा। पर उन्हानै चौगुणा फेर देणा जिन्हतै भाायद अन्याय करकै ले लिया हो, जक्कई नै भीड़ की नजरां मैं एक धार्मिक माणस की श्रेणी मैं राख्खैं सैं जो हम कहाणी तै जाणैं सैं वो यू सैं के उपकथा के किसे बिन्दू पै जक्कई मान्नै सै के वो एक पापी था अर सारी बातां नै ठीक करणा चाहवै सैं। यी ु नै कहया के परिवर्तन उस्से दिन होया। हम न्यू भी देख्खैं सैं के जक्कई अदभुत उदारता दिखावै सैं।

त **एसए** जक्कई एक धनी माणस था। एक प्रधान चुंगी लेण आला जिसके लालच आले रास्ते बदले गए अर वो ईमानदार अर उदार बण गया।

इस प्रधान चुंगी लेण आले नै याहड़े ताहीं अपणा आप्पा दीन करया के वो कैहण लाग्या के वो उसनै स्वीकार करैगा

जिसकी गेल्यां उसनै गलत करया के उसनै उन्हतै झूठ कहया अर वो अन्याय के धन का चौगुणा फेर देहगा। जद हम यी ु मैं वि वास ल्यावैं सैं अर अपणे पापां का अंगीकार करैं सैं तै हमनै दीनता दिखाणी चाहिए अर एक चाहत राखणी चाहिए के उदारता तै पाच्छली गलतियां नै सही करैं।

16एसओ पैहल्लै यू समझया जा सकै सैं के जक्कई भाायद इस कोि ा ा मैं था के यी ु उसनै स्वीकार करैं यानि परमे वर ताहीं पहोंचण आली राह नै खरिददण का तरिक्का। पर हम जाणैं सैं के जक्कई उस दिन यी ु पै वि वास ल्याया था क्यूके यी ु उसतै कैहवैं सैं के आज इस घर मैं उद्धार आया सैं। कहाणी मै जक्कई ही एकमात्र माणस सैं जो मान्नै सै केवो पापी सैं अर कहाणी मैं सिर्फ उस्से नै उद्धार पाया।

17 –**एसओ** उद्धार उन्हके धोरै ना आत्ता जो अपणे आपनै पापी ना मानते

– कहाणी मै यी ु नै जक्कई तै कहया था आज इस घर मै उद्धार आया सै। फेर यी ु बोलणा जारी राख्खैं सैं कैह सै के भी इब्राहम का बेटटा सैं। इसतै हम न्यू समझैं सै के जक्कई के इलावा भी हुड़ै कुछ माणस थे। जो यी ु कैह रहे सैं उसके जरिए भी वो उस्से का परिवर्तन कर रहया सैं जिसते वो बोल रहया सैं अर यी ु जक्कई नै माणसांह तै बचा रहया सैं।

द) एस.ए हम देख्खैं सै यी ु जक्कई गेल्यां काम कर रहया सैं अर जक्कई नै देख्खैं अर अपणे मन नै खोल कै देख्खैं के जक्कई परमे वर के जरिए ध्यान देवण की कोि ा ा कर रहया सैं।

18एस.ओ. यी ु का कैहणा सैं के उसके आवण का उद्दे य सैं के वो खोए होयां नै ढूँढैं अर उन्हका उद्धार करै। यू एक सारां ा कथन सै जिसमै जक्कई का मान अर भीड़ खातर आलोचना नजर आवै सैं।

घ.एस.ए गर हम चाहवैं सै के परमे वर हमनै स्वीकार करै तै हमनै मानणा सै के हम खोए होए अर पापी सैं अर हमनै कैहणा सैं के प्रभु आ अर मन्नै बचा।

162 इब आख्खर मैं आग्गै बढैं अर वो प्र न देख्खैं जो हमनै बणाऐ सैं जो म्हारे आत्मिक जीवन मैं हम लाग्गू कर सकैंहगे। आत्मिक जाँच अर आत्मिकता मैं लाग्गू करण आली बातां की एक सुचि बणा राख्खी सैं के आप इसनै आच्छी तरियां देख सकैं

ध्यान देवै खासकर उन्ह आत्मिकता मैं लाग्गू करण आली बातां पै जिन्ह पै प्र न आधारित सैं। वे आत्मिकता मै लागूकरण आले प्र न संक्षेप के बाद लिख्खे गए सैं।

1. **एस.ओ.** लोग जो यी ु मैं रूचि दिखावैं थे वे ही जक्कई के यी ु धोरै आवण मैं अवरोध बण रहे सैं।

एस.ए हम जो यी ु के चेल्ले होवण का दावा करैं सैं कई बै यी ु के धोरै आवण पै हम इतणे केन्द्रित हो ज्यां सैं के हम अणजाणे मैं या अज्ञानता तै उन्ह लोगां नै जो यी ु नै ढूँढैं सै उसतै दूर राख्खैं सैं।

अ **एस ए क्यू** –के आज इसा सम्भव सैं के धार्मिक काम करण आले परमे वर के खोज्जी की राह मैं खड़े हो ज्यां?

– किस तरियां यू हो सकै सैं ?

2. **एस.ए–** यू माणस जक्कई कद मैं छोटा पर पद मैं बड़ा सैं। एक धनी माणस एक प्रधान चुंगी लेण आले के रूप मैं वो यी ु नै देखण खातर इतणा उतावला सै के जद आसानी तै उसके धोरै ना जा सकया तै वो इस राह तै हटण का चुनाव करै सैं।

163 **एस.ए–** जद हम यी ु नै ढूँढणा चाहवैं सैं तै अपणे घमडं नै दूर करण नै तैयार होवैं अर यी ु नै ढूँढंण अर उसके पाच्छै चलण का काम करै।

ब **एस.ए.क्यू–** के आज भी जक्कई की तरियां इसे माणस सैं जिन्हानै अपणा घमण्ड दूर दूर करकै यी ु धोरै आणा चाहिए?

– वो बखत कद हो सकै सैं ? के कोई अपणा बखत बाँट सकै सैं ? जद आप या कोई इसा महसूस करै।

3 **एस.ओ–** के यू सम्भव सैं भीड़ इस खास माणस का जनता के बीच मैं भाज के पेडडे पै चढ़ण का मजाक उड़ावै फेर भी जक्कई उन्ह काम्मां नै करण तै ना रो सकै।

164 हमनै म्हारा घमण्ड या माणसांह का डर के वे के कैंहगे। यी ु के धोरै जावण मैं ना रोक्कैं याहड़े ताहीं जद हमनै दुसरे

– माणस न्यू समझै के –के मूर्खता का काम कर रहे सैं।

स **एस.ए.क्यू**–याहड़ै आज भी इसे कुछ माणस होंगे जिन्हका माणस मजाक ऩ्ड़ावै सै जद वे परमे वर नै खोज्जैं सैं।

– जद उन्हका मजाक उड़ाया जावै सै तै उन्हानै किसा लाग्गै सैं?

– के आप किसे – इसे माणस नै जाणो सो जिसनै यी ु के पाच्छै चाल्लण मैं अपमानित होणा पड़या या कदे परमे वर नै घणा जाणण के कारण आपनै निच्चा देखणा पड़या ?

– के मजाक टालणा प्रलोभी होगा गर हम करैं तै ?

– जक्कई की इस कहाणी मैं कुण सा उदाहरण म्हारा फैंसला करण मै मदद करैगा।

4. **एस.ओ.** कहाणी मैं पैहल्या ही जक्कई यी ु नै ढूँढ रहया सैं। फेर कहाणी के इस हिस्से के जरिए एक ओर कहाणी बणै सैं के यी ु जक्कई नै ढूँढ रहया सैं।

एस.ए हमनै कहाणी मैं देख्या के जक्कई नै यी ु ढूँढया पर यी ु नै भी जक्कई ढूँढया। दोन्हू बात सच सैं। म्हारी खातर हमनै जरूर परमे वर ढूँढणा सै। पर न्यू भी जाणै के उस्से बखत वो भी आपनै ढूँढ रहया सैं।

द –**एस.ए.क्यू** के यू सच सैं के माणस नै जरूरत सैं के वो परमे वर नै ढूँढैं ?

– के कहाणी मैं इस बारे मैं कुछ देख्खैं सैं के परमे वर माणसांह नै ढूँढ रहया सैं ?

– के यू विरोधाभास सैं ?

– आप इसकी व्याख्या क्यूकर करैंहगे ?

5 **एस.ओ.**–हम देख्खैं सै के जो भीड़ यी ु गेल्यां धक्का मुक्कि दे कै चल रही थी उन्हानै वो किनारे करकै सिर्फ उस माणस नै देख्खैं सै जो उस धोरै नहीं सै वो पेड़ पै जा चढ़या था। उस दिन कई माणस परमे वर की कृपा की इच्छा राख्खैं थे। वे यी ु मैं रूचि लेत्ते/देख्खैं थे पर यी ु नै वे सभ नकार कै सिर्फ एक माणस चुणया। कई माणस संसार मैं इसा दिखावै सै के वे परमे वर मैं रूचि राख्खैं सैं पर उन्हमैं तै घणे सच्चे नहीं सैं।

166 यी ु नै सिर्फ वो एक पुकारया जो साच्चा था। परमे वर म्हारे मनां नै जाणै सैं अर न्यू भी जाणै सैं के आप साच्चे मन तै उसनै ढूँढो सो या नही।

इ **–एस.ए.क्यू** –संसार मैं कितणे प्रति ात माणस सोच्चैं सैं के वे किसे एक धर्म का हिस्सा सैं?

– के आप सारे धार्मिक माणसांह तै मिलै सो? जो ई वर के साच्चे चेल्ले नहीं सै ? इसनै मन मैं धर कै अर उन्हानै भी जो हमनै इस कहाणी मैं देख्खे सै, आइये इसनै देख्खैं। संसार के धर्मा मैं कुछ इसे माणस सै जो सिर्फ अपणे धर्म पै चालैं सै अर कुछ सैं जो परमे वर के साच्चे खोज्जी सैं। इन्हके बारे आपके विचार के सैं?

– इस कहाणी मैं के घट रहया सैं जिसते परमे वर के साच्चे खोज्जी की पैहचाण हो रही सैं?

6 एस.ओ–यी ु जक्कई नै नाम ले कै बुलावै सैं जो उसकी जक्कई मैं रूचि दिखावैं सैं।

एस.ए हम याहड़ै एक व्यक्तिगत परमे वर नै देख्खैं सैं वो जो जाणैं सैं हम कित सैं अर वो म्हारे नाम भी जाणैं सैं । गर हम समझैं सैं के परमे वर उन्ह पै दयालू होवैं सैं जो उसनै ढूँढैं सैं। हम चाहवैंगे के वो हमनै म्हारा नाम ले के बुलावै : यू सुखदायक सैं। जक्कई यी ु नै देखण खातर उसने ढूँढ रहया था तै जद यी ु नै वो नाम ले कै बुलाया, जक्कई पैहचाणया वो कौण था जो उसनै पुकार रहया था।

फ––**एस.ए.क्यू** जिस तरिक्के तै यी ु नै जक्कई तै कहया तै के उसके जरिए आपनै भी कुछ आ ाा मिलै सै ?

– के आप व्याख्या कर सकै सैं के क्यूँ ?

– कुण सा आच्छा सैं – एक परमे वर जो आपनै नहीं जाणता अर एक जो आपनै जाणै सैं ?

– एक परमे वर जो आपनै व्यक्तिगततौर तै जाणै सैं उसके बारे मैं भला अर बुरा के सैं ?

7 **एस.ओ** –यी ु बिना न्यौता दिए जक्कई के घर गया जो अक्सर आच्छी बात नहीं मान्नी जाती। यू यी ू के ज्ञान अर भरोसे नै दिखावै सैं के – के जरूरी सैं

–यू अदभुत अर उत्साहित करण आली बात सैं के यी ु उस गेल्यां रैहणा चाहवै सैं जो उसनै ढूँढे सैं।

ज–**एस.ए.क्यू** यी ु का जक्कई के घर मैं न्योतै के बारे मैं के हैरानी आली बात सै ?

– के जो यी ु नै कहया उसमैं इसा कुछ लाग्गैं सै के यी ु की जक्कई तै मुलाकात पैहल्यां ही निर्धारित थी ?

168 यी ु का जक्कई के घर मैं बिना बुलाऐ जाणे तै कहाणी मैं के सै जो आज भाायद ई वर नै खोजण मैं उत्साहित करै ?

8 –**एस.ए.क्यू** जद एक माणस उप्पर देख्खै सै खासकर एक अगुवा जिसके पाच्छै माणस चाल्लै सैं तै लोग भी उस गेल्यां अपणी नजर ऊपर ठावैंगे अर देख्खैंगे के अगुवा के देख रहया सै इसलिए सिर्फ यी ु ही जक्कई नै नही देख रहया सै पर एक भारी भीड़ भी उसनै देख रही सै। जक्कई नै खोज्जे जाण पै घबराहट या भार्मिन्दी ना होती पर उसनै घणी खु ी होवै सै।

– जद हम अवि वासी अर भगतिहीन चेल्यां के जरिए देखे जावै सैं अर परमे वर नै खोज्जण मै मूरख से लाग्गैं तै जनता म्हारे पै अपणा प्रभाव ना छोडडै। जद हम जाणैं सैं के परमे वर म्हारे मैं व्यक्तिगत तौर तै रूचि राखै सैं तै हमनै खु ा होणा चाहिए।

ह – ई वर के जाणण की खोज मैं के कदे इसा होया सैं के माणसांह नै दुसरे माणसांह यानि कुणबे संस्कृति या सामाजिक समूह आल्यांह तै अलग होणा पड़या ?

169 – के आपनै कदे इसा देखया ?

– आप जक्कई के ब्योहार अर उसके चुनाव के नतीजे मैं के देख्खो सो जो हमनै आज उत्साहित कर सकै गर हमनै म्हारे किसी खास तै अलग होणा पडै तै?

–जो आपनै देख्या वो आज आपनै चुनाव करण मैं क्यूकर उत्साहित करै सैं ?

9 **एस.ओ** – जक्कई यी ु के बुलाऐ जावण पै हिचकिचाता नहीं? वो तावल करै सैं।

– गर किसी बखत हम जाणैं सैं के परमे वर हमनै अपणा काम करण नै बुला रहया सैं हमनै उसके निर्दे ा के अनुसार जरूर जवाब देणा सैं

ई –**एस.ए.क्यू** – के आज परमे वर माणसांह नै बुला रहया सैं ?

– गर इसा सैं तै किस रूप तै बुलाहट आवैगी ?

– गर किसी बखत हम जाणैं के परमे वर हमनै काम करण खातर बुला रहया सै, तै उस बखत या कहाणी म्हारी क्यूकर मदद कर सकै सैं ?

170 तांवल मैं जवाब देण के इलावा, परमे वर के निर्दे ा म्हारी खातर के मायने राख्खैं सै? देरी तै आज्ञा मान्नण नै आप के कैंहगे ?

10 **एस.ओ** – भीड़ जक्कई के विरोध मैं बोल्लैं सै। खुद के बीच मै कुड़कुड़ाण आल्यांह के जरिए यी ु के बारे मैं के वो पापी के याहड़ै जा उतरया। जा उतरया इ ारा कर सकै सैं के बस यी ु इब्बे जा रहया सैं या चाल्या गया। ठीक–2 रूप तै जक्कई अर यी ु नै कद जाणया के जक्कई के घर जाण के कारण भीड उन्हकी आलोचना कर रही सैं। साफ नहीं

सै पर कहाणी के बाद मैं, यी ु जक्कई के साम्हणै भीड़ नै बौल्लै सै, उसके जरिए हम

देख्खैं सैं के जक्कई अर यी ु दोन्हूवां नै ही अपणी आलोचना के बारे बेरा ना था। पर जक्कई नै अपणे उप्पर भीड़ की आलोचना का असर ना पड़ण दिया अर इब यी ु भी उसके घर मैं सैं।

–हम भुरूवात आच्छी करैं सैं पर बखत बितण पै जद अपणे आस पास के माणसांह की आलोचना ग्रहण करैं सै, चाहै धार्मिक भीड़ भी आलोचना करै तै हमनै काम नहीं छोड़णा सै।

–के कदे आप उन्ह माणसांह नै देख्खे सो जो अपणे नै आपतै आच्छा समझै सैं? अर उन्हानै खुल्हे रूप तै आपका नाम लिया ?

–वो किस तरिया महसूस होवै सैं? इस कहाणी तै हम के बटोलै सै के तिरस्कार का जवाब देवैं ?

11. **एस.ओ** –भीड़ जद यी ु की आलोचना कर रही थी के वो एक पापी के घरां जा उतरया – मैं समझे सूँ के भीड़ का विचार सैं के वे पापी नही सैं।

–उन्हके खुद के मुँह तै वे घमण्डी माणस खुद की निंदा करै सैं। हमनै उन्ह घमण्डी माणसांह के जिसा नहीं होणा चाहिए जिन्हानै अपणा पाप स्वीकार ना करया।

ख.–**एस.ए.क्यू** –आपकी ई वर की खोज मैं के आपकी वार्तालाप इसे माणसांह तै होई जो सोच्चै थे के वे सिद्ध सै पापी नहीं?

–खुद की धार्मिकता नै आप क्यूकर ब्यान करैंहगे ?

–आप के सोच्चैं सैं के या खुद की धार्मिकता कुछ सैं जो परमे वर के साच्चे चेल्ले मैं होणी चाहिए या नहीं ?

172 (12)एस.ओ भीड़ इसा दिखा रही सैं मान्नो वे यी ु के चेल्ले सैं जो धक्के मुक्की मैं यी ु के साथ चल रहे सैं। हालांकि उन्हका कुकुड़ाणा दिखावै सैं के वे इस बात की देख रेख राख्खै सै के वो किसके घर खावे सैं। यू इस तरियां महसूस होवै सै के वे इ ारा कर रहे सैं के यी ु खातर उन्हके घरां मैं ते एक का चुनाव आच्छा होगा। वास्तव मैं भीड़ यी ु के इस फैंसले के खिलाफ थी के वो पापी के घरां जा टिकया। उसके इस फैंसले का मान ना करकै वे उसका अपमान कर रहे सैं

ग एस ए क्यू – भीड़ के ब्योहार अर बातचीत मैं उन्हानै यी ु तै किस तरियां का आदर दिया ?

के आज कदे माणस इसा करैं सैं के वे परमे वर के चेल्ले सैं पर असल में वे परमे वर तै घणा अपणा आदर चाहवैं सैं?

–भाायद : वो किसकी तरियां दिख्खैगा ?

173)एस.ओ –इस फैंसला करण आली भीड़ के अपणे ही वि वास सैं पर इसा नहीं दिखता के उन्हमैं तै किसे नैं यी ु के मुह पै कोई सवाल कर सकै।

भीड़ नै यी ु की सामर्थ के बारे मैं ज्ञान नहीं सै, आपस मैं आहस्ते–2 बात करकै इसा ब्योहार कर रही सै जिसा उसनै उन्हकी ि ाकायत ना सुणी हो।

–भीड़ के क्रिया कलाप आज के माणसांह के समान सैं जो न्यू सोच्चैं सैं के परमे वर उन्हानै नहीं सुण रहया। जद वे आपस मैं कान्नाफूसी करै सैं या जद वे गुप्त मैं काम करैं सैं तै वो उन्हानै नहीं देख रहया सैं।

घ **एस.ए.क्यू** –के माणस गुप्ता बात करें सैं या अंधेरे मैं काम करैं सै अर सोच्चैं सैं के कोई उन्हानै ना सुणता अर ना देखता?

–कहाणी मैं हमनै के बेरा पाटटै सै के जो हम करैं सैं अर कैह सैं परमे वर उसनै जाणैं सै ?

–उस ज्ञान का म्हारे पै किसा असर होणा चाहिए ?

14 **एस.ओ** जक्कई एक धनी माणस अपणे मन नै न्यू कैह कै खोहल कै दिखावै सैं के मैं अपणी आधी सम्पति कंगाल्लां नै बाँट दयूहगा।

एस ए – परमे वर गेल्यां एक साच्ची मुलाकात किसे एक माणस के द र्ान अर मूल्य नै बदल सकै सै।

174 एस ए क्यू – परमे वर तै साच्चा साम्हणा क्यूकर संसारिक द र्ान अर मूल्य मैं बदलाव ल्यावै सै।

– कुछ उदाहरण देवैं।

– जक्कई घोशणा करै सैं के गर उसनै किसे का कुछ भी अन्याय करकै ले लिया तै वो चाहवै सै के उसका चौगुणा भर दे। जक्कई न्यू ना कैहता गर वा कानूनी तौर तै दोश्शी पाया गया तै उन्हानै चार गुणा फेर दहेगा। जक्कई इसा करण का संकल्प अपणी आजाद इच्छा तै करै सैं कोई सुझाव दे सकै सै के वो पैहल्या ही गरीब्बां नै अपणा धन दे रहया था। पर भीड़ का विचार किम्मै अलग ही था। गर वो एक चुंगी लेवण आला था जिसनै अपणा आध्धा धन गरीब्बा तै दे दिया तै भाायद वो गुप्त रूप तै पैहल्यां ही इसा कर रहया था। पर उन्हानै चौगुणा फेर देणा जिन्हका किम्मै अन्याय करकै ले लिया जक्कई नै भीड़ की नजरां मैं धमीं माणस की लाईन मैं ल्या खड़ा करै सैं। जो हम कहाणी तै जाणैं सै वो न्यू सैं के इस कहाणी के किसी बिन्दू पै जक्कई मान्नै सैं के वो एक पापी माणस सैं अर सम बातां नै ठीक करणा चाहवै सैं। यी ाु नै कहया था के बदलाव उसे दिन भाुरू होगा। हम न्यू भी देख्खैं सैं के जक्कई अदभुत उदारता दिखावै सैं।

175 **एस ए** जक्कई एक धनी माणस था, एक प्रधान चुंगी लेण आला, जिसकी लालची राह बदलगी अर वो ईमानदार अर उदार बण गया। इस प्रधान चुंगी लेण आले नै अपणा मन याहड़े ताहीं दीन करया के वो कैहण लाग्या के वो उसनै स्वीकार करैगा जिन्ह गेल्यां उसनै गलत करया अर उसनै जिन्हतै झूठ बोलकै उन्हका धन अन्याय तै ले लिया उन्हका चौगुणा फेरण नै तैयार हो गया। जद हम यी ाु मैं वि वास ल्यावैं सैं अर अपणे पापां नै स्वीकार करैं सै तै हमनै दीनता दिखाणी चाहिए अर एक चाहत भी राखणी चाहिए के पाच्छली गलतियां नै सुधारैं।

त –**एस ए क्यू** के आपनै कदे इसे माणस देख्खैं सै जिन्हके जीवन पूरी तरियां बदलगे जद उन्हानै यी ु पै वि वास करया ?

– म्हारे भीतर कुण सी भावना या ढंग होणा चाहिए जो हमनै आग्गै करै के हम उन्हके धोरै वापस जावैं जिन्ह गेल्या हमनै गलत करया अर उन्हानै हर्जाना देवैं ?

– के कदे आपनै कोई देख्या जो यी ु का चेल्ला बण गया अर फेर वापस जा कै जो उसनै माणसांह के विरोध मैं काम करे थे उन्हका समाधान करया ?

16 एस.ओ– सभतै पैहल्यां न्यू समझया जा सकै सैं के जक्कई नै अपणी कोि ा करी के यी ु उसनै स्वीकार करै यानि ई वर ताही पहोंचण की राह नै खरीददण का तरिक्का। पर हम जाणै सैं के जक्कई इस दिन यी ु पै वि वास ल्यावै सैं क्यूके यी ु उसतै कैंह सैं के आज इस घर मैं मुक्ति आई सैं। कहाणी मैं सिर्फ जक्कई ही एक इसा माणस सैं जिसनै स्वीकार करया के वो पापी सैं अर सिर्फ उस्से नै उद्धारा पाया।

– **एस.ए** – उद्धार उन्हके धोरै नहीं आता जो अपणे पांपां नै स्वीकार ना करते

– **एस ए कयू** –के माणस कदे कोि ा करैं सैं के आच्छे काम करैं या धन दे के परमे वर नै प्रभावित करै सैं या परमे वर की कृपा नै खरीदण की कोि ा करैं सैं?

– के आप सोच्चो सो के कहाणी मैं अपणी कोि ा या कर्म तै यी ु की कृपा पावण की कोि ाश कर रहया सै।

– के हुड़ै कोई इसी बात सै जिसतै जाणैं के जक्कई धोरै साच्चा मन परिवर्तन था। या वो यी ु की कृपा खरीददण की कोि ा कर रहया था ?

– वा कुण सी बात थी जो यी ु नै कही जिसतै बेरा पाटटै सैं के जक्कई नै वि वास करया था ?

177

कहाणी मैं और किसतै कहया के वि वास ल्यावैं ?

इस कहाणी पै आधारित आपके धोरै कौण से विचार उन्हके बीच के फर्क के बारे मैं सैं जिन्हके धोरै यी ु पै वि वास करण अर उसके धोरै आण की राह सैं पर वे वि वास मैं नही आये ?

17 एस.ओ– कहाणी मैं यी ु नै जक्कई तै कहया था आज इस घर मैं उद्धार आया सैं। फेर यी ु बोलणा जारी राख्खैं सैं अर कैंह सैं के यू भी अब्राहम का बेटटा सैं। इसतै हम जाणैं सैं के यी ु के इलावा भी हुड़ै और माणस थे। जो यी ु कैहवें सैं उसके जरिए भी हम देख्खैं सैं वो उसनै बदल रहया सैं जिसतै बात कर रहया था अर यी ु जक्कई नै बचा रहया सैं।

एस ए– हम देख्खैं सैं के यी ु जक्कई गेल्यां काम कर रहया सैं अर जक्कई यी ु पै वि वास लया रहया था। पर उस पूरे बखत आलोचक भीड़ सभ किम्मैं देख रही थी। यी ु इब भी इस खुद की धार्मिकता आली भीड़ मैं पहोंच रहया सैं वो कोि ा करैं सैं के वे उद्धार की

जरूरत महसूस करें अर अपणे मनां नै खोहल कै देख्खैं के जक्कई इस काबिल सैं के यी ु उसका ख्याल करैं।

178 द–एसएक्यू–याहड़े एक माणस सैं जिसनैं कोई ना चाहता के वो वि वास ल्यावै। अर फेर यी ु इस अप्रिय माणस नै खुद की धार्मिकता आली भीड़ तै बचावै से। आज के इसा होवे सैं के माणसांह की जीवन भौली या काम धंधे के कारण उसनै निच्चा करके देख्खैं? खास कर उन्हके जरिए जो खुद घणे धार्मिक समझैं सैं ?

– के आपनै कदे इस तरियां होता देख्या ?

– गर इसा देख्या सैं तै खुद की धार्मिकता राखण आले माणस "पापी" की आत्मिक सहायता की खोज नै देखणा चाह रहे थे के यी ु उन्हतै मिलकै बोल्लै ?

– यी ु नै भीड़ त्यागी नहीं ? इसका आप खातर के मतलब सैं ?

18 एस.ओ– यी ु का कथन के "वो खोए होयां नै ढूँढण अर उन्हका उद्दार करण आया" एक सारां । कथन सैं जिसमैं जक्कई खातर आददर भी महसूस होवै से सैं अर भीड़ खातर आलोचना भी।

–एस ए– गर हम चाहवै सैं के परमे वर हमनै मान्यता देवै तै हमनै न्यू मानणा सैं के हम अपणे पापां मैं खोए होड़ पापी सैं। हमनै कैहणा सैं प्रभु मन्नै बचा।

179–**एस ए**–गर हम चाहवैं सैं के परमे वर हमनै स्वीकार करैं तै हमनै स्वीकरण करण की जरूरत सैं के हम खोए होड़ अर पापी माणस सैं। अर हमनै परमे वर तै न्यूहे चाहणा सै के वो हमनै बचावै।

घ – यी ु के आखरी छोटटे भाशण मैं म्हारे तै के द ार्या गया सैं के आज परमे वर हमनै के चाहवै सैं,

– संसार मैं कितणे माणस उस लक्ष्य ताहीं पहोंचण मैं सक्षम सैं?

– के म्हारे खोए होण या पाप मैं गिरण नै स्वीकार करणा मुस्किल या आसान बात सैं ?

– हमनै कहाणी तै के सिखया जो हमनै द ावै सै के क्यूँ कुछ माणसांह नै सुणया अर यी ु मैं वि वास ना ल्याये ?

– ये कहाणी आपते के कैहवे सैं?

180

पाठ–11
साही के काँटटे काहडणा
मौखिक रणनीति अपणाणण का संघर्श

एक आच्छे पढ़े लिख्खे पास्बान अर अतराश्ट्रीय विद्यार्थी ताही पहोंचण खातर संयुक्त राज्य अमरिका मैं एक अगुवे नै केवल कथा कार्य ााला मैं पढ़ाई करी। यू सिद्व लेखक केवल कथा नै उन्हकी सेवकाई मैं बुणैं सैं। उसनै लिख्या इस केवल कथा

के तरिक्के अर एक घणे ि ाक्षित तरिक्के के बीच जो फर्क सै वो यू सै के पैहल्ले आले में बाइबल नै हम एक किताब की तरियां कम ही इस्तेमाल करैं सै के छिपे होड़ नै खोल्लै अर बारिक्की तै जांच करै अर ऐतिहासिक यथार्थो के ढँाचे मैं जी गई घटनाओं नै लेखबद्ध रूप मैं करैं सैं। इस ढँाचे मैं हम घटना नै साम्हणै देखणा भाुरू करैं सैं। समान्तर यर्थाथ के गुप्त असर गेल्यां जिसा के भाामिल माणसांह के भाव आत्मिक सम्पर्क आदि) राह के साथ खोज्जे जावें।जिसा हम सारे संसार मैं "केवल कथा का परिचय करावैं सैं हम इस बार–2 दिए होड़ उतर पै ध्यान देवै सैं) अक्सर कम ि ाक्षित माणस केवल कथा कौ ाल नै उच्चै ि ाक्षित माणसांह तै घणे तावले पावैं सैं। जद माणसांह नै एक खास पद्वति का अध्ययन करया अर सफलता के कुछ स्तर ताही इसका इस्तेमाल भी करया तै इस तरियां का तरिक्का सिखणा चुनौति भरया होवै सै।

181 महाविद्यालय वि ववद्यालय बाइबल स्कूल अर सैमिनरी आले विद्यार्थियों नै केवल कथा के सारे हिस्से स्वीकार करण मैं परे ान्नी आवै सैं। हालांकि घणखरे पढ़े लिख्खे मसीही जो केवल कथा कार्य ाला मैं भाामिल होवै सै ं वे दिमागी तौर तै केवल कथा लिख्खैं सै जद वे केवल कथा भौली अर वचन पे ा करणा सिख्खैं सैं तै वे इस भौली की प्रक्रिया ही सैं।जो आच्छे पढ़े लिख्खे सै अर जिन्हानै ि ाक्षा देवण का आच्छा अनुभव सैं वे आसानी तै केवल कथा भौली ना सीख पाते।

मुस्किल आले इलाके :

1. **बिना नोट ि ाक्षा लेणा।**
2. **बिना नोट ि ाक्षा देणा।**
3. **एक गद्यां ा की व्याख्या पै डटे रैहणा।**
4. **बाहरी जाणकारी भाामिल ना करणा।**
5. **चर्चा के जरिए सच्चाई खातर अगुवाई करणा जो लैक्चर के उलस सै।**
6. **बिना पढे कहाणी पे ा करणा (या थोड़ा बहोत ऐ पढ़णा) अर**
7. **सिर्फ नि चित कहाणी पै भरोसा करणा।**
8. **समान पाठ की विस्तार तै तुलना छोड़णा।**

ध्यान देवण राखा खातर/लिख्णा जरूरी बातः हम उन्ह मसहूर तकनीक पै विचार ना करते के व गलत सै इसनै छोड़ण पै भी जोर ना देत्ते ।

दुनियां मैं एक इसी जागृति आ रही सैं जो चाहवैं सें के उन्हानै सिर्फ मुह जबानी तरिक्के तै ि ाक्षा देवैं। तै हम पास्बानना की रूचि की खु ी मनावै सैं अर ि ाक्षा देवण आले वचन की व्याख्या मौखिक तरिक्के तै कवेल कथा भौली मैं करैं सै।

182 पर हुड़े संसार मैं इसे माणसांह की संख्या बढ़ रही सैं जो चाहवैं सैं के सच्चाई ताहीं मौखिक तौर तै पहोंचाऐ जावैं। तै हम मसीही पासबानां अर उन्ह ज्ञानबानां की तारीफ करैं सैं अपणी सेवकाई मैं केवल कथा नै भाामिल करैं सैं। साही खुद की रक्षा अपणी कमर की रीढ़ या काँटयां नै उन्ह जानवरां मैं गाडडण के जरिए करै सैं जो इसनै डरावैं सैं। इसके नुकिल्लें काँटटे

आसानी तै भीतर चले जावैं सैं पर एक छोटटा काटटा होण के कारण उन्हानै बाहर काहडणां दुखदाई होवै सैं। काँटयाँह का बाहर काहडणा– हम सुझाव देवैं सैं इस पाठ के ि ार्शक मैं वो प्रचार अर ि ाक्षा के बख्त तै जाँचे होड़ तरिक्के का दूर करणा नहीं सैं। काँटे सैं :– इसा वि वास करणा के कोई बिना नोटस के प्रभावभाली तरिक्के तै नहीं पढ़ा सकता। अव य एक बाहरी जाणकारी इस्तेमाल करणा सैं या ऊप्पर लिखी होड़ सूचिगत परम्परागत तरिक्कयाँ मैं तै कुछ के इस्तेमाल के बिना प्रचार ना कर सकते। इसतै हमनै अनुभव मिलै सैं अक्सर माणस मौखिक सिखण आल्याँह तै हटकै "केवल कथा" के सारे किराऐदारां तै कुछ बखत खातर संघर्श करैं सैं। उन्ह खातर जो गंभीरता तै केवल कथा नै सिखावण की कोि ा ा कर रहे सैं, यू विचार के किसे नै जरूर हर अवधारणा का 100 प्रति ात गले लगाणा सैं, ज्यूकर नोटस ना लेणा उतणाऐ कठिन सैं जितना भाही के एक गाडडे होए काटटे नै काहडणा!

183 हम कहाडैंगे। सिखण आले चिल्लावैं सैं, "आऊच"। फेर काटटा लिकड़ ज्यावै सै।काटटा लिकड़ जावण के बाद सिखण आले हैरानी अर आनन्द द ार्विं सै अर वे देख्खैं सैं एक नवा कौ ाल जो काम कर रहया सैं प्राप्त कर लिया।

कोई नही पर परमे वर उस कहाणी नै चुणैगा

पूर्वी अर उत्तरी नाइजीरिया मैं पांच केवल कथा कार्य ााला का आयोजन करया गया। तीन महीन्ने बाद ि ाक्षका नै वापस नाइजीरिया आकै देख्या के उन्हानै असल मैं या पाई सैं या नहीं। हालांकि प्रि ाक्षण के दौरान चार भाशा मैं अनुवाद करया गया तै यू आसान ना था। ना सिर्फ उन्हानै या प्राप्त करी पर उन्हानै सुचित करया के उन्हानै इसका अभ्यास करकै इसका इस्तेमाल भी करया।

एक सुसमाचार प्रचारक नै केवल कथा निर्दे ाक तै बताया के प्रभु के धोरै आवण मैं उसनै मुस्लिम माणसांह की अगुवाई करी। उसनै बताया के नवे वि वसिंयांह नै बताया के हम कहाणी के माणसांह के बारे मैं जाणै सैं पर कुरान हमनै आच्छी तरियां कहाणी नहीं बताती। अर .... कोई भी म्हारी गेल्यां कदे भी सी चर्चा ना करता। **184** जिसतै बुझया गया के कुण सी कहाणी सुणाई गई जिसनै वो छू लिया, सुसमाचार प्रचारक नै कहया, या मूसा अर चटटान की कहाणी थी। आप जाणैं सै या निर्ग0 17 मैं सैं।

केवल कथा का एक वरिश्ठ होणे के नाते इस वृतांत नै मैं हैरान कर दिया। मन्नै बुझया पर उस कहाणी मैं इसा के था के वे प्रभु मैं आ गे। केवल कथा ि ाक्षक नै बताया के सुसमाचार प्रचारक नै मेरे तै बताया के जो नवे वि वासी नै कहा था जद हमनै कहाणी सुणी अर इसके बारे मैं बात करी, हमनै देख्या मूसा एक वि वास योग्य माणस था। पर माणस उसका मान ना करया करैं थे। हम हैरान थे के मूसा परमे वर धोरै गया अर बुझया के माणसांह गेल्या के करैं। मूसा नै माणसांह की चिंता थी। थाहरे अगुवे म्हारी चिंता ना करते। अर फेर परमे वर नै माणसांह तै सजा ना दी

उसनै उन्हतै पाणी दिया, उसनै दया दिखाई। हम उस ई वर नै जाणणा चाहवै सैं। मन्नै मन मैं सोच्या के मन्नै सुसमाचार प्रचार खातर मूसा की वा कहाणी चुणी सैं? के वा कहाणी मेरी सूचि मैं मुस्लमान्ना खातर आच्छी कहाणे सैं ? ना ध्यान देत्ते होए के वा कहाणी मेरी सूचि मैं सैं या नहीं पर पवित्र आत्मा की सूचि मैं थी। हम केवल कथा की कहाणी मैं इसनै बार बार देख्खैं सैं। जद परमे वर का वचन पूरी तौर तै दिया जावैं सैं

185 जिसा उसनै यू लिख राख्या सैं अर जद इसके खजान्ने श्रोता के जरिए पाए जावैं सैं तै आलोकिक भाक्ति आजाद होवैं सैं। याहे केवल कथा सैं।

पत्रियां के बारे मैं के होगा ?

कई जो परमे वर के वचन नै पूरी तरियां प्रेम करैं सैं अर जो जाणै सैं के परमे वर की पूरी सभा प्रासंगिक सै तै यू सवाल पैदा होवैं सैं के पत्रियां के बारे मैं के होगा? हम उन्हके जवाब पे ा करैं सै। एक तै यू सैं के लाम्बे बखत तै बाईबल की कहाणियां की चिर फाड़, अलग–2 करकै इस्तेमाल करया जावै सैं एक कुददण के तख्ते की तरियां विशय आधारित उपदे ां नै समझावै। बाईबल की ये कहानियां जो 75 प्रति ात सैं अखण्ड रूप तै सुणण की जरूरत सैं। बिल्कुल उस्से तरियां जिसी वे लिख्खी गई। कहाणियां नै उन्हकी पूर्णता मैं उपयोग करण के जरिए बाईबल वो **75** प्रतिशत उन्ह **80** प्रति ात संसार के माणसांह खातर खुल्ह ज्यावैं सैं जो ना तै कर सकते अर ना ही घणे आम रूप तै इस्तेमाल करे जाण आली भौलियां के जरिए सीखणा पसन्द ना करते। उपयोग के पैहल्ले साल मैं वे मौखिक सिख्खण आले जो 40 दे ां मैं कवेल कथा तै परिचित कराये गए इसका आनन्द कर रहे सैं क्यूके वे बाइबल मैं सक्षम होगे।

ये नवे नियुक्त सिखण आले जिन्हमैं कई अणपढ़ सैं दुसरेयांह गेल्यां कहाणी नै उत्साह तै बाटटण के जरिए उन्हके ज्ञान का प्रद नि कर रहे सै।

186 जारी रैहण आला उपयोग अर आत्मिक फलां की सम्पति एक गवाही सै जद जद या कहाणी असली पैकट मैं पे ा करी जावै, जो कथा सैं।

पर फेर भी पत्रियांह के बारे मैं के होवैगा?

हम पढ़ावैं सै के पत्रियां के कुछ हिस्से नै केवल कथा के प्रारूप मैं पे ा करया जावै सै। कार्य ाला मैं हम अक्सर पत्रियां तै या भजन संहिता तै एक कहाणी पे ा करण खातर भाामिल करैं सैं। बाईबल के इन्ह हिस्सेयां मैं कहाणी तै कम विशय सैं पर हम सिखावैं सैं के पत्री, भजन संहिता, कविता अर भविश्यवक्ता की पुस्तक में के कई भाग खुद मैं एक कहाणी सैं। अर जिसे वे सैं उन्हानै न्यूहे केवल कथा के उपयोग तै पे ा करया जा सकै सैं क्यूके एक कहाणी का जुड़या धागा, घटना अर माणसांह के इतिहास नै निरंतरता देवे सैं अर जाणकारी याद करण का सभतै आच्छा रूप सैं। हम पावैं सै के इन्ह हिस्सेयाह नै पढ़ण या याद करण अर बोल्लण की जरूरत सै। फेर भी जद ये बिना कहाणी के हिस्से पे ा करे अर सिखाऐ जावैं सैं उसते केवल कथा की धारणा

फेर के पे ा करी जा सकैं सैं। आच्छी तरियां सुणाई गई कहाणियां श्रोता नै बाँधे सै। पत्रियां अनुराग पूर्ण/प्रेम पत्र सैं। अनुरागपूर्ण माणसांह नै लिख्खी अनुरागपूर्ण परमे वर के जरिए।

187 तैयारी के दौरान ि ाक्षक नै यू अनुराग/प्रेम पैहचानणा चाहिए अर दुसरेयांह खातर वे भाब्द प्रेम तै पढ़णे या बोलणे चाहिए। पासबांना अर मसीही ि ाक्षकां नै जरूर इस सम्भावना पै विचार करणा सैं के भाशण या उपदे ा पे ाकरण का तरिक्का इतणा प्रभावी नहीं हो सकता के माणस उसनै सीख कै उसमै अमल करै। मसीही ि ाक्षा मैं कुछ सवाल जवाब, कुछ खोज अर पे ा करण आली भौली पै ध्यान दिया जाणा चाहिए। कुछ जो कहाणी का इस्तेमाल करैं सैं वे प्रेरिता की काम की किताब मैं जाके अपणे श्रोता नै पैहली लिखी इन्ह पत्रियां का परिचय करावैं सैं। जिसा ये पासबान अर ि ाक्षक प्रेरितां के काम की किताब मैं जावैं सैं वे पत्रियां नै भीतर ल्यावैं सैं जो नवे नियम के लेखकां की यात्रा अर पत्र तै सम्बन्ध राख्खै सैं। आम सिद्वांत जो सिखावण मैं केवल कथा नै प्रभाव ााली बणावैं सैं वे इन्ह पत्रियां पै भी प्रयुक्त होवैं सैं।

पवित्र ाास्त्र के वचन दर वचन याद करण के महत्व बारे मैं के होगा ?

विभिन्न भाशा मैं लिख्खे होड़ बाईबल के पेज की तुलना करै के वे समान दिख्खैं सै? के भाब्द किम्मै समानता दिखावैं सैं? नहीं! वास्तव मैं वे भाायद अलग तरियां के उन्हके अक्षर का इस्तेमाल उन्हके भाब्दां नै पे ा करण मै करैं सैं।

वे पूरी तरियां अलग दिख्खै सैं अर बोल्ले गए भाब्दों की आवाज भी कतिए अलग दिख्खैं सैं पर उन्हमैं कुछ समानता सैं

188 हर बाइबल के बारे के समानता सैं? हाँ। आप सही सै। ये वे सामान्य विचार सैं जो समान सैं पर भाुद्ध भाब्द नही। संदे ा कोन्या बदलता चाहे भाब्द पूरी तरियां अलग हों। केवल कथा मैं हम हरे एक नै चेतावनी देवैं सैं के घणे सावधान रैंह के कहाणी के सही विशय लापरवाही तै भाब्द या आवाज या क्रिया के चुनाव के जरिए ना तै कुछ जोड़ै, ना अदल बदल करै अर ना निकाल्लैं । हम माणसांह नै उत्साहित करैं सैं के बाईबल की कहाणियां नै एक वार्तालाप के जरिए बतावैं। पर घणा जरूरी सैं के सामान्य विचार अर जाणकारी ना बदलणी चाहे वा जाणकारी कितणी ही छोटी या महत्वहीण दिखाई देती हो। जिसा बताया गया के हम वचन नै संस्कृति तै उप्पर देख्खै सैं। केवल कथा का उपयोग करण आले कथावाचक पावैंहगे के व्याख्या गेल्यां, जिसी आव यकता हो, परिचय मैं बाईबल कहाणी की सभी विशय वस्तु सारे संसार मैं श्रोता समझ सकैं सैं।

यथार्थता बणाऐ राख्खौं : पुनः विचार का मैहत्व/मोल :

केवल कथा की चर्चा भौली मैं तै एक सैं पुनः विचार का भाक्ति ााली हथियार। "केवल कथा" मैं पुनः विचार सभतै मूल्यवान होवै सै जद यू बाइबल कथा के कालक्रम के अनुसार पे ा

करया जावै सैं। कहाणी के भुारू करण तै पैहल्यां ि ाक्षक एक परिचय देवण की बजाय, कक्षा के सदस्यांह तै पैहल्ले की सभी की कहाणी अर खोज का एक छोटा विचार हटकै पे ा करण नै कैह सकै सै।

189 क्यूके एक ि ाक्षण सत्र मैं भाायद नवे माणस भी हाज्जर हो सकैं सैं। या भाायद कुछ लगातार आण आले पैहल्ले कलास मैं ना आ सके हों, इस तरियां पाछली कलास का पुनः अवलोकल उन्हकी मदद करैहगा जो इसतै चूकगे। जद कलास के सदस्य पुनः अवलोकन की जिम्मेवारी नै लेवैं सै तै उन्हानै इसतै मुहजबानी कहाणी दोहरावण मैं मदद मिलै सै।

सदस्यां तै न्यू भी कैहणा चाहिए के पाच्छै जो उन्हानै मिलया जो सिख्या उसके खास बिन्दू भी बाटटैं। पुनः अवलोकन तै माणसांह की जाणकारी और मजबूत होवै सैं अर वचन दुसरेयांह नै बोल्लण की अनुमति देवै सै। सभा मैं यू एक सही स्थान सैं के हाजिर माणसांह की गवाहियाँ उस बारे मैं सुणैं के उस कहाणी का इस्तेमाल उन्हानै उस पाछले सप्ताह के दौरान क्यूकर करया। जद कलास के सदस्य नै मौका दिया जावै सैं के उन्हानै पाच्छली सभा मैं जो सिख्या वो बाँटैं तै ि ाक्षक नि चत करण मैं सक्षम होवे सैं के उन्हानै पाच्छली कलास मैं खजान्ने ठीक समझे सैं या नहीं। गर पाच्छली कलास मैं कुछ इसे माणस सैं जिन्हानै सिख्या पर उसके बारे में नि चत नहीं सैं या कहाणी नहीं बता सकते, यू ि ाक्षक खातर संकेत सैं के हर एक खातर पुनः अवलोकन करैं। एक नवी कहाणी मै आग्गै जाण का कोई मतलब नही सैं जद ताहीं पाच्छली कहाणी आच्छी तरियां समझ ना आ जावै।

190

पाठ–12

केवल कथा के कहाणी सुणाण आल्या का श्रेणीकरण

अभ्यासकर्त्ता :

सारी कार्य ाला के दौरान उपस्थित माणस प्रि ाक्षण अर व्यक्तिगत ि ाक्षा पावै सैं। एक माणस जो एक “केवल कथा” कार्य ाला मैं अभ्यासकर्ता मार्ग पै उपस्थित होवै सैं वो एक अभ्यासकर्ता सैं। उस व्याख्या मैं घणखरे हाजिर माणस पर्याप्त रूप तै “केवल कथा” के विचार का उपयोग करण मैं सक्षण हो ज्यां सैं के उन्हके प्रभाव के दायरे मैं जावै अरप्रभाव रूप तै बाइबल कथा नै सुणा सकैं अर चर्चा के जरिए सच्चाी प्रदान कर सकैं। म्हारी जिम्मेवारी अर आनन्द सैं के उस जाणकारी नै उन्हके हाथ्यां मैं सौपैं के केवल कथा का क्यूकर आयोजन करणा सैं सिख्खण आल्यांह नै फेर केवल कथा के विचार नै अभ्यास करण अर उन्हके हुन्नर नै आच्छा सुर देण की जरूरत सैं। अभ्यासकर्ता नै मजबूती तै प्रेरित अर उत्साहित करया जावैं सै के वे बाहर जावैं अर वे बाइबल कथा सुणावें जो सीख्खी सैं अर केवल कथा पद्वति के जरिए चर्चा मैं दुसरयाँह ने भी लगावै। हालांकि अभ्यासकर्ता इब ताही तैयार नहीं सैं कि केवल कथा कार्य ाला की अगुवाई कर

सकै या औपचारिक रूप तै दुसरेयाहं नै केवल कथा के नाम तै प्रि ाक्षण देवैं। प्रि ाक्षण की अगुवाई बिना पूरी तरियां मान्यता के माणसांह नै केवल कथा के पूरी विशय के बारे गलत विचार देवे सैं

191 (इस गेल्या हाजिर माणस न्यू सोच्चैं के उन्हानै केवल कथा का स्वाद ले लिया पर असल उन्हानै इब ताही उसका स्वाद नहीं लिया)

प्रि ाक्षक – सहायक, बखत के अनुसार (थोड़े बखत खातर) प्रमाणित अर वरिश्ठ ि ाक्षक

सहायता करण आला प्रि ाक्षक : एक कार्य ाला मैं हाजिर होण के बाद, घणखरे अभ्यासकर्ता एक "केवल कथा"कार्य ाला मैं एक सहायक ि ाक्षक के रूप में सहायता करण जोग्गे हो ज्यां सैं।

बखत–2 पे प्रि ाक्षक : एक कार्य ाला मैं कम तै कम तीन दिन सहायता करण के बाद सहायक ि ाक्षक जो तैयारी अर प्रस्तुतिकरण नै सही रूप तै व्याख्या करण मैं सक्षक होण की इच्छा जाहिर करैं सैं उन्हानै जरूरी की दयालुता, बुद्विमता अर कोमलता तै दुसरयांह नै केवल कथा सिखावण की योग्यता। क्षमता दिखाणी चाहिए। एक प्रमाणिक ि ाक्षक उन्हानै जो लायक सें स्वीकृत कर सकै सैं अर पदवी दे सकै सैं।

प्रमाणिक ि ाक्षक : एक या उसतै घणी कार्य ाला मैं सहायता करण के बाद बखत–2 पै ि ाक्षक एक प्रमाणिक ि ाक्षक के पद खातर प्रार्थी हो सकै सैं। प्रार्थियांह नै जरूरी होगी के एक केवल कथा अर केवल कथा विचारां के सारे हिस्से मैं कौ ाल श्रेणियां नै एक वरिश्ठ ि ाक्षक प्रदि ित करण में सक्षम हों।

192 प्रमाणित ि ाक्षक सभी अगुवाई के काम्मा के जरिए घणीऐ केवल कथा कार्य ाला चला रहे सैं। वे सिर्फ दुसरेयांह नै
प्रमाणित नहीं कर सकते।

बड़े/बुर्जुग प्रि ाक्षक : जद प्रमाणित ि ाक्षक एक वरिश्ठ ि ाक्षक गेल्यां पढ़ावै सै (ि ाक्षण मैं कु ालता द ात्ते होए, नवे कहाणी सुणाण आल्यांह का मूल्यांकन अर उत्साहित करते होए) जद वे एक कार्य ाला का आयोजन अर अगुवाई करण मैं सक्षम होवैं तै वे नवे ि ाक्षक "वरिश्ठ ि ाक्षक पद खातर प्राथी हो सकैं सैं।वरिश्ठ ि ाक्षक सिर्फ केवल कथा मैं अगुवाई कर सकैं सैं पर ये ही सैं जो बखत–2 पै योग्यतानुसार ि ाक्षक नै प्रमाणिक ि ाक्षक के रूप मैं अनुमोदित कर सकै सैं। तिमोथी कलीसिया रोपण प्रि ाक्षण वरिश्ठ ि ाक्षकां के कुण्ड तै आवैं सैं।

पाठ–13

"केवल कथा" अशापढ़ खातर

जद केवल कथा कार्य ाला का आयोजन अणपढ़ा खातर करया जावै सैं तै हम इन बदलाव की आ ा राख्खौं सै :–

193 1.जो कहाणी उपस्थित माणसांह तै सिखाई गई वे उन्ह खातर पढ़ी जावैं, बताई जावैं या आडियो प्लेयर पै बांटटी जावैं।

2. जद कार्य ाला पूरी होवे तै हम आ ा करैं सै के इसनै पूरा करण आल्यांह खातर एक सौर–उर्जा तै चाल्लण आला आडियो प्लेयर दिया जावैगा।

हैरानी की बात सैं के वाहे केवल कथा ि ाक्षक की रूपरेखा केवल कथा की हाथ तै लिखी होड़ पुस्तक मैं अणपढ़ा खातर दे राख्खी सैं। अक्सर अणपढ़ा की कहाणी याद करण की क्षमता पढ़े लिखे माणसांह तै घणी होवै सै। वे आच्छी तरियां कहाणी बता भी सकैं सैं। अणपढ कहाणी के भीतर छिपे खजान्ने नै जाणण खातर घणे उत्सुक रैहवैं सै। हर एक सिखण आला चाहे वो ि ाक्षित सैं या नहीं, इस बात मैं संघर्श करैं सैं के क्यूकर वे सवाल बणावें जो दुसरयांह की खजान्ना ढूँढण मैं मदद करैं। यू एक पाया होड़ हुन्नर सैं। जद हाजिर माणस पढ़ ना सकते तै वे कहाणी नै या तै केवल कथा ि ाक्षक के जरिए जो उसनै सुणाई या पढ़ाई सैं उसतै सिख्खैं सैं या आडियो प्लेयर तै कहाणी सुणैं सै। मेगा वॉयस नै जो यंत्र बणा राखै सैं जो सौर ऊर्जा तै चाल्लैं सैं उन्हका उपयोग कहाणी सुणण सुणाण मैं करया जावैं सै। "केवल कथा" अगुवाई का उद्दे य सत्तर या और घणे रिकार्डिड बाईबल कहाणी, परमे वर की कहाणी अर एक नवा नियम (गर उपलब्ध सै तै) सभी कुछ लोकल भाशा मैं प्रदान करणा सैं। प्लेयर जो इस रूप मैं बाइबल विशय गेल्यां रिकार्डेड सैं वचन प्रका ा कहलावैं सैं।

जिसा म्हारे धोरै हिम्मत सैं तै हम हर स्नातक नै यू एक वचन प्रका ा जरूर देवैं सै। आम तौर पै कार्य ाला मैं अगुवाई करण आले हर एक गाम नै एक वचन प्रका ा उपहार के तौर पै दिया जावै सैं। स्नातक जो वचन प्रका ा का रखवाला आला सैं

194 वो इन्ने दुसरे स्नातका गेल्यां बाटटै सै। जो उन्ह सभनै और कई कहाणी सिखण मैं सामर्थ देवैं सै। अक्सर घटना मैं सारा गाम बाईबल सुणण मैं आनन्द पावैं सैं। वचन प्रका ा (यंत्र) अणपढ़ा की एक साधन के रूप मैं सेवा करैं सै जिसके जरिए घणी तै घणी बाइबल की कहाणी सिखी जा सकैं अर यू एक संदर्भ बिन्दू के रूप मैं काम करैं सै के बाईबल की कहाणी की अचूकता बणाऐ राख्खैं। 70 बाइबल कथा ं रिर्काडेड सै जिसमैं परमे वर की कहाणी बणाई गई सैं। अर इन्ह सारी रिकॅार्डिग नै परमे वर की कहाणी गेल्यां सौर उर्जा तै चाल्लण आले यंत्र के रूप मैं बणाया गया सैं। प्लेयर की रिर्काडिंग कहाणियां खातर म्हारी वैबसाईट पै वर्क ाप देख्खैं। डबल्यू डबल्यू डबल्यू.सिम्पली द सटोरी.ओआरजी ।

पाठ–14
"केवल कथा" सीखण के तरिक्के

परमे वर की कहाणी परियोजना "केवल कथा" नै कई तरियां तै पे ा करण के तरिक्के तलै लिख्खे होड़ सै :–

1. "केवल कथा" हाथ तै लिखी किताब या केवल कथा हाथ तै लिखी होड़ किताब, सुणण या लिखित में प्रक्रिया का ब्यौरा देवै सैं।

195 2. **"केवल कथा द ीन की ढलाई / को सौपंणा** : जिसा ि ाक्षक हाजिर होवैं सै उसाऐ हम पे ा करैं सैं। जो लम्बाई में एक दिन या उसतै कम होवैं सैं। हम केवल कथा प्रदि ीत करैं सैं, विचार की व्याख्या करैं सै अर प्रभावी परिणाम बाँटटैं सै। गर द ीन बाटटण का काम 4 या ओर घणे घंटयांह की प्रस्तुति होवैं सैं। हम कुछ हाथ गेल्यांकाम का भी अनुभव देवैं सैं।

3. **केवल कथा तीन दिवसीय कार्य ााला** : यू नमूना प्रद ीन केवल कथा की व्याख्या बतावै सैं अर मौका देवैं सैं के हाजिर माणसांह नै हाथ तै काम करण देवै। अक्सर हाजिर माणस इन्ह तीन दिवसीय प्रि ाक्षण के जरिए आच्छे अभ्यास कर्ता बण जावैं सैं।

4. **केवल कथा एक विराम कार्य ााला** : हम ये दो एक दुसरे पै होण आली कार्य ााला का आयोजन करैं सैं क्यूके ये योग्यता प्राप्त केवल कथा ि ाक्षक पैदा करैं सैं। जो उसके बाद बदले मैं दुसरेयांह नै प्रि ाक्षण देवैं सै। या कार्य ााला एक आद ी चुनाव सैं। जद ि ाक्षकां के एक दल नै दूर तै आकै सिखावै या दूर जगह मैं जाकै सिखण खातर कटठे होवैं 14 घंटे मैं एक छोटा झूण्ड ि ाक्षा पावै सैं। जिसमैं हर एक तीन माणसांह खातर एक ि ाक्षक होवै सैं। इस 14 घंटे के गहन अध्ययन अर अभ्यास के बाद ये इब योग्य –अभ्यासकर्ता सहायक ि ाक्षक की भूमिका मैं कदम धरै सैं। ये हाजिर माणसांह के एक बड़े झूण्ड के/पि ाक्षण मैं मदद करें सैं जो ि ाक्षा के इलावा 21 घण्टे खातर आवैं सैं।

196 या कार्य ााला हर एक हाजिर माणसांह खातर एक सहायक ि ाक्षक के अनुपात गेल्यां करी जावैं सै। कुछ 35 घण्टे के बाद इन्ह सहायक ि ाक्षका मैं तै अक्सर घणखरे बखत–2 पै ि ाक्षक बण ज्यावै सैं जो आग्गे के अभ्यास अर अगुवाई के अनुभव गेल्यां प्रमाणिक ि ाक्षक बण सकैं।

5. **केवल–कथा कलीसिया गुणक कार्य ााला** : क्रम के अनुसार सप्ताहंतो (ाुक्रवार रात अर भानिवार या रविवार अर भानिवार के 14 धण्टे पूरे होवैं) का उपयोग करैं। चार सप्तांहता मैं एक औसत आकार की कलीसिया के सारे सदस्य निपुण केवल कथा अभ्यासकर्ता बण सकैं सैं। 5–7 सप्ताह मैं एक बड़ी कलीसिया मैं (50000 सदस्य लगभग) हर एक नै प्रि ाक्षण दिया जा सकै सैं। प्रि ाक्षित माणसांह का एक हिस्सा योग्य हो सकैगा। ि ाक्षकां के रूप मैं प्रमाणित करया जा सकै सैं। हैरानी सैं के इन गुणक कार्य ााला मैं अक्सर हिस्सा लेवण आले माणसांह नै सिर्फ जरूरत सैं के सप्तांहात के प्रि ाक्षण मैं एक या दो बै हाजिर होवैं के पूरी कहाणी नै समझ कै पा सकैं। (इसपै सामग्री उपलब्ध सैं)

6. **केवल कथा ग्रह/घरेलु कार्य ाालया** : एक प्रमाणित केवल कथा ि ाक्षक तीन वि वासियांह नै एक कार्य ााला मैं आमंत्रित करैं सैं जो एक घर मैं होवैं सैं। दो तै ढाई घण्टे के सत्र, सप्ताह मैं एक बै – छह सप्ताह मैं इस कार्य ााला नै पूरा करैं सै। सत्र सांझ नै, दुफैर बाद या सप्ताह के अन्त में कर जा सकैं सैं।

197 इस तरियां की कलास मैं जो घणे लाम्बे बखत ताही काम के कारण या परिवार के कारण ना बैठ सकते वे भी ााामिल

हो सकैं सैं। अर घरां मैं पढ़ाई करण तै विरोध अर भारम तै बचे रैंह सैं। हम जरूर के निर्दे ा, कुछ मैटिरियल अर ट्रैनिंग की समय सारिणी देवैं सैं। छैह कलास के बाद एक ि ाक्षक तीन इसे भाईयांह नै ि ाक्षा देवैगा के वे केवल कथा का अभ्यास करैं। इन्ह तीन अभ्यासकर्ता नै उत्साहित करया जावै सैं के ये 6 सप्ताह की घरेलु कलास मैं जरूर जावैं। उन्हानै भी तीन–2 माणस बुलाणे सैं। म्हारे ि ाक्षक जिसा इन्ह कलासां मैं करैं सैं के वे पाँच दिन अर कलीसिया बढ़ौहतरी की कलास मैं इन्ह अभ्यासकर्ता नै अगुवाई मैं ल्यावैं। दुसरी बै छठे सप्ताह की ि ाक्षा के बाद ये तीन माणस ओर तीन–तीन्हां नै ि ाक्षा देवैंगे।

इस तरियां इन्हानै केवल कथा मैं अपणा हुन्नर जोड़या अर ये सहायक ि ाक्षक बणगे, भाग लेण आले दुसरेयांह
नै ि ाक्षा देत्ते होए अपणी ि ाक्षा जारी राख्खैंगे। ये घर मैं बैठ कै ओर दुसरे माणसांह गेल्यां इसा करैंहगे जिसतै एक घरेलु बाइबल अध्ययन या बदंगी का झूण्ड बणैगा। गए ये 12 माणस लगातार तीन माणसांह नै बुला कै उन्हकी–यूहे ि ाक्षा जारी राख्खैंगे तै

198 आण आले छठे सै ान मैं ये बढ़कै 360 माणस बण ज्यांहगे अर इन्हका ि ाक्षक भी गेल्यां जूढ़ ज्याहगा। घणखरे घरां मैं इतणे माणस तै आ ही सकैं सैं। अक्सर केवल कथा की ि ाक्षा इस्से तरियां छोटटे झुण्ड मैं घरां मैं दी जावै सैं। तै ये चार माणस बँटकै चार कमरे मैं चाल्ले जां सै अर कदे–2 बाहर भी मिलै सैं। नवे ि ाक्षक दुसरेयांह नै ि ाक्षा देत्ते होए अपणी संख्या बढ़ावैं सैं। वे घरां मैं पढ़ाई ाुरू करै सैं। वे कहाणी सुणावण के जरिए सुसमाचार करै सैं या साधारण तौर पै परमे वर के धोरै जावैं सै। हम देख्खैं सैं के ये सारी दि ाा अदभुत सै। क्यूके केवल कथा माणसांह नै अदभुत तरिक्के तै ि ाक्षा देवैं सैं अर उन्ह गेल्यां वचन बाटटै सै उन्हका जीवन अर जिन्हतै उन्हानै ि ाक्षा दी उन्हका जीवन, कहाणी सिखाई, इन्हके जीवन पै प्रभु का प्रभाव पड़ै सैं । गर ये ि ाक्षा लिए माणस–यूहे आग्गै बढ़ते ज्यांहगे तै जो कलास एक ि ाक्षक नै ली थी इब वे 6000 माणसांह नै प्रभावित कर सकै सैं। यू एक सामान्य ि ाश्य बणावण अर उन्हकी देखरेख का नमूना सैं। जद ताहीं केवल कथा के विचार वचन सुणाण खातर म्हारे चारू ओड़ अर जीवन मैं लाग्गू करै सैं। तै हम जाण सकै सैं के क्यू इसका असर अर गुणात्मकता बहोत बड़ी सैं।

199 7. **ि ाश्यता गुणण** : एक कार्य ायाला के बाद, एक बखत पै एक कहाणी बाटटै अर फेर हर कहाणी के बाद केवल कहाणी क्यूकर करैं कि थोड़ीए मात्रा बाटटैं। (पेपर क्यूकर उपलब्ध करैं)

8. **प्रि ाक्षक पुस्तक**: एक केवल कथा की क्यूकर अगुवाई करैं।

9. **पर्चे** – परमे वर की कहाणी खातर द ान बांटणा : **TGSP/STS** के कारण के तरिक्के।

10. अभ्यासकर्ता नै सुणण का प्रि ाक्षण, क्रमांक –1 गहराई मैं कहाणी की तैयारी / सवाल–जवाब सी.डी.।

11. पै केवल कथा जाणकारी की एक लिख्खी होड़, सुणण आले अर देखण आले रूप मैं, 3 मिनट की जाणकारी आली डी.वी.डी. जो डाउन लोड करी जा सकै सै : का उपयोग केवल कथा मैं हिस्सा लेण आले माणसांह न उत्साहित करैं अर कलीसिया खातर केवल कथा द ानि बतावण खातर छोटटी मि ान यात्रा दिखाण खातर करैं।

12. प्रत्यक्ष स्काइप कथा–अभ्यास सत्र, अर केवल कथा विस्तार कक्षा के जरिए वि वसनीय सलाह।

200 केवल कथा हाथ तै लिखी होड़ किताब की सी.डी जल्द ही विमोचित(जारी) होवैगी अर केवल कथा प्रि ाक्षण डी.वी. डी प्रक्रिया मैं सैं।

201 केवल कथा –

केवल कथा अभ्यास के ि ाक्षण का हटकै अवलोकन।

कहाणी सुणावण आला .... ि ाक्षक .... दिनांक ....

केवल कथा प्रक्रिया का ब्यौरा केवल कथा लेखपत्र मैं सैं ि ाक्षण हटकै जाँच खातर अपणी कहाणी पे ा करण तै पैहल्यां यू याद राख्खैं : कोए बात नहीं के आपकी कलास के साथी कितणे भी ि ाक्षित सो, आपनै अपणी कहाणी इस तरियां पे ा करणी सैं ज्यूकर सुणण आले श्रोतागण मौखिक ब्यौहार कर रहे सैं अर वे उस केवल कथा कि विशय वस्तु नै जाणैं सैं जिसनै आप पे ा कर रहे सैं। (एवं अन्य कहाणियो के विशय वस्तु जो उन्हानै फिलहाल प्रि ाक्षण के दौरान बताया गया सैं।

एक याद करण आले के रूप मैं, कहाणी सुणावण आला ....

1. परिचय मैं अलग तैं बाइबल तै सम्बंधित जाणकारी का प्रयोग नहीं करैंहगे।
2. गर जरूरत सैं तै एक छोटटी कहाणी भूमिका के रूप में देंहगे।
3. बाइबल कहाणी की अचूकता नै बणाऐ राख्खैंगे। किसी जाणकारी नै जौड़ण या छोडडण का इस्तेमाल नहीं करैंहगे।
4. हम एक बाइबल कहाणी मैं ए रैंहगे, समानांतर पाठां तै जाणकारी नहीं मिलावैंगे।

6. उतर देण आल्यांह के वि शेष प्र न के जवाब देवण मैं स्वेच्छानुरूप लचीलापण दिखाव्हैंगे।

7. एक रौचक अगुवाई देवैंगे जो कहाणी के जरिए तावली तै चाल्लैगी जिसमैं श्रोता नै भाामिल करण की अलग–अलग भौली का उपयोग करैंहगे।

8 कहाणियां मैं सवाल्लां के जरिए जाँच ताहीं अगुवाई करैंहगे जिसमैं एक मौखिक सिखण आला जवाब दे सके।

9. वे प्र न बुज्झण के जरिए आत्मिक लाग्गूकर बाँटटैंगे जिसके जरिए एक मौखिक रूप तै सिखण आला जवाब दे सकै।

202 10. प्रचार कोन्या।

11. कहाणी नै एक पंसदीदा विशय की तरियां प्रचार करण की जरूरत नहीं। इसके बजाए वे पवित्र ाास्त्र के जरिए सच्चाई बतावण खातर। परमे वर के कौ ाल मैं भरोसा करैंहगे अर वे कहाणी नै अपणा संदे ा कैहण देहगे।

12. केवल कथा पे ाक ा के 5 अलग–2 हिस्से परिभाशित अर पे ाकरण के लायक सैं।

1. कथावाचक का नाम 2. दिनांक 3. कथा भीर्शक 4. संदर्भ 5. कथा 6. दोहराणा 7. अगुवाई 8. अवलोकन 9. लाग्गूकरण

उपर लिखी होड़ श्रेणी मैं दर सिर्फ यू समझण नै दिखा राखी सैं के कहाणी सुणावण नै केवल कथा के 5 हिस्से द ार्ा राख्खैं सैं। ऊप्पर जो भी श्रेणी छोड़ दी या साफ नहीं सैं एक (अ.व.व) दर राख्खैगी (इब हुडै नही) या यू होगी एक (प्राप्त करना) के खातर प्रा0 कि0।

परिपूर्ण संतुति सिफारिस

203 कुछ शिक्षण श्रेणियों की टिप्पणियाँ प्रशंसा गेल्यां शिक्षक के जरिए भरी जा सकैं सैं जद कुछ अलौकिक रूप से अच्छा करया गया । कुछ टिप्पणियाँ कुछ क्षेत्रों के बारे में सुझाव हो सकैं सैं जिनमें घणे अभ्यास की आवश्यकता होवै सैं । कई शीर्षकों के साम्हणै कुछ भी नहीं लिखा होगा गर वो भाग ठीक हुआ तै । जाँच सूची शिक्षक को स्मरण रखने में सहायता करै सै कि बाद त मैं के कहा जावैं अतः संपूर्ण केवल–कथा प्रस्तुति का बहाव एक बार मै ही बिना रूकावट के करया जा सकै सै । गर यू सहायता करेगा, कथाओं को पुनः प्रारंभ करया जा सकै सै जद एक घबराया हुआ कथावाचक चूक जावै सै

"कहाणी पे ाकरण की ि ाक्षा की फेर के जाँच जो तीन बखत खातर सै।

कहाणी पै टिप्पणी

1. परिचय

2. अचूकता
3. सुणण की रूचि
4. कहाणी मैं रैहणा
5. कहाणी का अनुभव
6 काम

स्वयं सेवक पै टिप्पणियां

1. तत्पर स्वयंसेवक
2. उत्साहवर्द्वन
3. स्वयं सेवक का सुधार

अगुवाई के जरिए टिप्पणियां

1. तत्परता तै पूरण
2. ल्याहदी भौली
3. भाग्गीदारी
4. अचूकल

के ि ाक्षण

2 तरियां के आतिमक खजान्ने खातर फेर के जाँच

आत्मिक जाँच अर टिप्पणियां

1. भवास भाब्द का इस्तेमाल
204 2. मौखिक भौली सवात्रात
3. कुंजी रूप मैं भाव–भगिमाऐ
4. प्रमाणित जाँच (फेर कै)
5. चारूआड़े चर्चा
6. झूण्ड मैं आपसी सम्बन्ध
7. आच्छे पारस्परिक बदलाव
8. दृढत्र वचन/प्रमाण गेल्यां
9 कहाणी में जवाब
ç10. खजान्ने ताहीं अगुवाई
11. ठीक तरियां सुणणा
12. इब कहाणी नै सिखाण दे

आत्मिक लाग्गूकरण अर टिप्पणियां

1. मुहजबानी भौली प्र न
2. कुंजी रूप मैं भाव भांगीमाऐ

3. प्रमाण गेल्या लाग्गूकरण
4. चाक आड़े चर्चा
5. झूण्ड मैं पारस्परिक सम्बन्ध काम
6. आच्छे पारस्परिक बदलात
7. प्रमाणिकरण
8. कहाणी मैं लाग्गूकरण सैं।
9. लाग्गूकरण ताही पहोंचावैं अर बतावैं
10. प्राप्त करण लायक अर
11. प्रचार करणा टालया गया

205 झूण्ड की परिपूर्ण अगुवाई

1. समस्या प्रबंध
2. कहाणी तै बाहर के सवालां के जवाब
3. झूण्ड का ब्यौरा